राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 318

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 27 अप्रैल, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

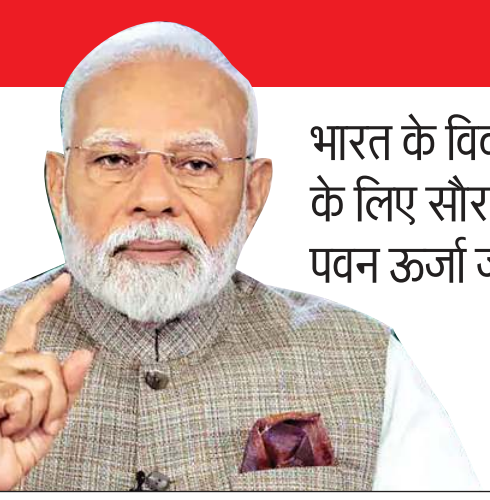

भारत के विकास के लिए सौर व पवन ऊर्जा जरूरी

>> 3

ट्रंप की डिनर पार्टी में ताबड़तोड़ फायरिंग, हमलावर दबोचा गया

होटल में गोलीबारी के बाद मची खलबली, लोगों ने टेबल के नीचे छिपकर बचाई जान

वाशिंगटन हिल्टन में रात 8.36 बजे हुई घटना, सीक्रेट सर्विस एजेंट घायल

हमलावर के पास शाटगन, हैंडगन और चाकू मिले, एफबीआइ ने जांच संभाली

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया के टीचर कोल टामस एलन के रूप में हुई
- गोलीबारी के बीच ट्रंप, मेलानिया, वेंस को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सालाना व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट्स डिनर पार्टी में शनिवार रात एक हमलावर ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सुरक्षा घेरा तोड़कर ट्रंप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हमलावर को मुख्य बालरूम में प्रवेश करने से पहले ही काबू कर लिया गया। इस दौरान हुई पांच-छह राउंड फायरिंग से वाशिंगटन हिल्टन होटल में मौजूद करीब ढाई हजार मेहमानों में अफरातफरी मच गई और गोलीबारी की आवाज से पूरा परिसर दहल उठा। हमले में एक सीक्रेट सर्विस एजेंट घायल हुआ, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उसे गंभीर चोट नहीं आई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ट्रंप पर अब तक का ये चौथा हमला बताया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी प्रमुख अतिथि सुरक्षित हैं। घटना के बाद कार्यक्रम रद कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन हिल्टन होटल के बाहर ही 1981 में पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर भी जानलेवा हमला हुआ था।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, हमलावर की पहचान कैलिफोर्निया निवासी 31 वर्षीय कोल टामस एलेन के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक वह टोरेंस इलाके में शिक्षक के रूप में काम करता था। उसके पास से शाटगन, हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसने हमला क्यों किया, इसकी जांच की जा रही है। एफबीआइ ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है और होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस के प्रेस ब्रीफिंग रूम में जानकारी देते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। एपी

> यह जानकर राहत मिली कि राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति सुरक्षित हैं। मैं उनकी सुरक्षा और लंबी उम्र की कामना करता हूं। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए।
> – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

वाशिंगटन हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट्स डिनर में हुई फायरिंग के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (बाएं) और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस (दाएं) को ले जाते सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स। वीडियोग्रैब

वाशिंगटन हिल्टन होटल में सुरक्षा एजेंसियों के कब्जे में गोलीबारी करने वाला कोल टामस एलेन। रायटर >>

सुरक्षाबलों ने समय रहते आरोपित को दबोचा

रायटर के अनुसार, वीडियो फुटेज में देखा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप मंच पर मौजूद थे, तभी पीछे की ओर हलचल और फायरिंग की आवाजों से हड़कंप मच गया। लोगों को इधर-उधर छिपते और मेजों के नीचे झुकते देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीक्रेट सर्विस एजेंट एक हमलावर के पीछे दौड़ते दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि आरोपित सुरक्षा के दो चेक प्वाइंट पार कर चुका था। उसने कथित तौर पर हथियार असेंबल किए और अंदर की ओर बढ़ा, लेकिन सुरक्षाबलों ने उसे समय रहते दबोच लिया।

यह भी जांच का विषय है कि वह इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हथियारों के साथ होटल के भीतर कैसे पहुंचा। बताया गया है कि वह होटल में मेहमान के तौर पर ठहरा हुआ था।

घटना की पूरी दुनिया में निंदा हुई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई वैश्विक नेताओं ने इस हमले की आलोचना करते हुए राजनीतिक हिंसा को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल व्हाइट हाउस को कवर करने वाले पत्रकारों के सम्मान में इस रात्रिभोज का आयोजन करते हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप 2015 के बाद पहली बार इस आयोजन में शामिल हुए थे। शनिवार रात इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे। सुरक्षा के मद्देनजर दोपहर दो बजे से ही होटल में आम लोगों के प्रवेश पर रोक थी। स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:36 बजे अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी, जिससे पूरे हाल में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में ट्रंप ने कहा कि घायल एजेंट की हालत अच्छी है। उन्होंने आशंका जताई कि हमलावर 'लोन वुल्फ' हो सकता है और सीक्रेट सर्विस एजेंटों की तत्परता की सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि इस हमले से ईरान का कोई लेना-देना नहीं है।

एपी के अनुसार, वाशिंगटन के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख जेफरी कैरोल ने बताया कि आरोपित को हिरासत में लेकर अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल हमले के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है। जांच एजेंसियां आरोपी की पृष्ठभूमि, मानसिक स्थिति और उसके संभावित नेटवर्क की भी जांच कर रही हैं।

(विशेष सामग्री पेज 11 पर)

ट्रंप पर दो साल में चार बार हमले के प्रयास

जुलाई 2024– पेंसिलवेनिया : जुलाई 2024 में हमलावर ने रैली के दौरान छत से ट्रंप पर गोली चलाई, जो उनके दाहिने कान को छूकर निकल गई। हमले में एक दर्शक की मौत हुई। सुरक्षाबलों ने हमलावर को मार गिराया।

पेंसिलवेनिया में चुनाव प्रचार के दौरान गोलीबारी में घायल ट्रंप को ले जाते सुरक्षाकर्मी। फाइल

सितंबर 2024– फ्लोरिडा : ट्रंप के गोल्फ कोर्स के चारों ओर लगी बाड़ के पास झाड़ियों में एक व्यक्ति राइफल के साथ छिपा हुआ मिला। उसे उम्र कैद की सजा हुई।

फरवरी 2026 – फ्लोरिडा : 21 साल के आस्टिन टकर मार्टिन नाम के युवक ने शाटगन के साथ ट्रंप के मार ए लागो रिजार्ट में घुसने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे मार गिराया।

अप्रैल 2026– वाशिंगटन : शनिवार को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में करेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी से कार्यक्रम स्थल अफरा-तफरी मच गई।

जागरण विशेष
यशस्वी प्रधान

खाना पकाने के साधन संग पानी में भी बनाया आत्मनिर्भर

सहारनपुर : पश्चिमी एशिया में तनाव और ईंधन संकट के बीच जब दुनिया वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश में जुटी है, तब सहारनपुर का थरौली गांव मिसाल बन सामने आया है। • पेज-6

मुद्दा

प्रतिभा पर भारी महंगी पढ़ाई

अब डाक्टर और इंजीनियर बनना सिर्फ प्रतिभा और मेहनत से संभव नहीं है। इसके लिए संसाधन चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और संसाधनों की भूमिका की पड़ताल पढ़ें आज के मुद्दा में। • पेज-7

संपादकीय

होर्मुज बना आर्थिक युद्ध का अखाड़ा : ईरान को पता है कि होर्मुज की नाकेबंदी जितनी लंबी खिंचेगी, उतनी ही अमेरिका और उसके साथियों की मुश्किलें बढ़ने से वाशिंगटन पर दबाव बढ़ता जाएगा। **शिवकांत शर्मा** का आकलन।

चारधाम यात्रा के लिए तैयार

उत्तराखंड : चारधाम यात्रा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाती है, जिससे सामूहिक आध्यात्मिक संस्कृति पनपती है। **पुष्कर सिंह धामी** का आलेख। • पेज-8

विमर्श

भारतीय ऊर्जा सुरक्षा में कनाडा का सहयोग : होर्मुज समुद्री मार्ग के लंबे समय से बाधित रहने की घटना से पश्चिम एशिया की स्थिरता का मिथक टूट चुका है। ऐसे में कनाडा के सहयोग की भूमिका अहम मानी जा रही है। **डा. स्नेहा भगत** का आलेख।

चालू है चुनावी साल में मुद्दों की इंजीनियरिंग : ज्वालामुखी फूटने से पहले जिस तरह जमीन के नीचे लावा खदबदाता है, चुनावी साल में उसी तरह मुद्दे खदबदाने लगते हैं। **अजय शुक्ला** की उत्तर प्रदेश डायरी। • पेज-9

अमेरिका-ईरान के बीच स्थायी शांति की उम्मीदें शेष, अराघची फिर पहुंचे पाकिस्तान

पश्चिम एशिया संकट

- ट्रंप ने दोहराया– अगर वे बात करना चाहते हैं तो उन्हें बस एक फोन करना होगा, हमारे पर सुरक्षित लाइनें
- ईरानी राष्ट्रपति ने दोहराया– दबाव में बातचीत नहीं करेगा ईरान, पहले होर्मुज से खत्म करनी होगी नाकेबंदी

इस्लामाबाद, रायटर : अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति की उम्मीदें अभी भी बाकी दिखाई दे रही हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिकी वार्ताकारों की गैरमौजूदगी के बावजूद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रविवार को तीन दिनों में दूसरी बार पाकिस्तान पहुंचे और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिनिधियों को वार्ता नहीं शुरू करने के निर्देश दिए थे और उनके दूतों स्टीव विटकाफ एवं जेरेड कुशनर ने अपनी इस्लामाबाद यात्रा रद कर दी है।

अराघची शनिवार को पाकिस्तान में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, फील्ड मार्शल मुनीर और अन्य शीर्ष अधिकारियों से वार्ता के करने के बाद ओमान रवाना हो गए थे, जो इस युद्ध में एक और मध्यस्थ है। अराघची ने रविवार को ओमान में सुल्तान हैथम बिन तारिक अल-सैद से मुलाकात की।

अब्बास अराघची। फाइल

ईरान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा पर चर्चा की और बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा बनाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी से असुरक्षा और विभाजन बढ़ रहा है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि ओमान के दौरे के बाद अराघची पाकिस्तान लौट आए। पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से वार्ता के बाद उनका मास्को जाने का कार्यक्रम है। उन्होंने तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान से भी फोन पर बात की। उधर, डिनर में फायरिंग की घटना से पहले फ्लोरिडा में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूतों की यात्रा रद कर दी, क्योंकि उन्हें लगा कि ईरान का प्रस्ताव अपर्याप्त है और इसके लिए बहुत अधिक यात्रा व खर्च करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, ईरान ने बहुत कुछ पेश किया, लेकिन यह काफी नहीं। ट्रंप ने रविवार को फाक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में दोहराया, 'अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमसे संपर्क कर सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं।

ईरानी राष्ट्रपति की चेतावनी

उधर, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार शाम शहबाज शरीफ को फोन पर बताया कि उनका देश धमकियों या नाकेबंदी के दबाव में 'थोपी हुई बातचीत' में शामिल नहीं होगा। वार्ताकारों के लिए किसी समझौते की नींव तैयार करने का काम शुरू करने से पहले अमेरिका को सबसे पहले अपनी समुद्री नाकेबंदी सहित सभी रुकावटों को हटाना होगा। ईरानी नेतृत्व के मुद्दे पर पेजेश्कियन ने पिछले सप्ताह कहा था कि तेहरान में कोई कट्टरपंथी या नरमपंथी नहीं हैं और देश अपने सर्वोच्च नेता के साथ एकजुट है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान के इंजन में आग, 190 की थी स्पीड,लगाने पड़े इमरजेंसी ब्रेक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- टेक आफ के दौरान बड़ा विमान हादसा टला, इमरजेंसी स्लाइड से उतरते समय पांच लोग घायल
- दिल्ली से ज्यूरिख जा रहा था स्विस एयरलाइंस का विमान, 232 यात्री और क्रू के 13 सदस्य थे सवार

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार देर रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। दिल्ली से ज्यूरिख जा रहे स्विस एयरलाइंस के विमान एयरबस ए330-343 (उड़ान संख्या एलएक्स-147) के टेक आफ के दौरान इंजन में आग लगने पर धुआं निकलने लगा। इसके बाद पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर उड़ान रोक दी। विमान में सवार सभी 232 यात्रियों और क्रू के 13 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, इमरजेंसी स्लाइड से उतरते समय चार यात्रियों व क्रू के एक सदस्य को मामूली चोट आई है। अग्निशमन विभाग के अनुसार शनिवार रात 2.06 बजे फुल इमरजेंसी की काल मिली। फौरन पांच फायर टेंडर्स को रनवे पर तैनात किया गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत और सुरक्षा जांच के बाद सुबह 3.30 बजे तक स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया गया।

यह घटना एयरपोर्ट के रनवे 28/10 की है। विमान रनवे पर टेकआफ के लिए करीब 190 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा था, तभी पायलट ने बाएं इंजन से धुआं निकलते देखा। टेक आफ के समय विमान की इस रफ्तार को इतना अधिक माना जाता है कि पलक झपकते ही बड़ा हादसा हो सकता था। इस रफ्तार के चंद सेकेंड बाद ही विमान के हवा में उठने की प्रक्रिया शुरू होती है। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। कुछ सेकेंड की भी देरी होती, तो विमान हवा में होता और आग फैलने से परिणाम भयावह हो सकते थे।

विमान जैसे ही रुका क्रू मेंबर्स ने प्रोटोकाल का पालन करते हुए यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से नीचे उतरने को कहा। यात्रियों ने भी तत्परता दिखाई और नीचे उतरने लगे। रात के अंधेरे और अफरा-तफरी के बीच निकासी के दौरान चार यात्रियों व क्रू के एक सदस्य को मामूली चोट आई।

^ विमान को रोकने के बाद स्लाइडर खोला गया ताकि यात्री नीचे उतर सकें। वीडियो ग्रैब

स्विस एयर विमान से उतरने के बाद वहां खड़े यात्री सौ .इंटरनेट मीडिया >>

करीब तीन घंटे तक रनवे रहा बंद, दो दर्जन उड़ानें प्रभावित पेज>>2

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

दिल्ली कैपिटल्स *vs* रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु

शाम 7:30 बजे स्थान : दिल्ली

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

यह कच्चे धागों का बंधन

मन को झंकृत करने वाला वाद्य सितार

• पेज-13

अदालती फैसला

बांबे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की दलील को किया खारिज और किसान के हक में सुनाया फैसला, कहा– वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम में अगर तोता शामिल नहीं तो यह सरकार की चिंता का विषय

तोते भी वन्यजीव, इनसे फसलों को हुए नुकसान का देना होगा मुआवजा

नागपुर, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने एक ऐतिहासिक और भावपूर्ण निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों के संरक्षण की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं, बल्कि उनके द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करना राज्य की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत तोतों को 'वन्यजीव' की श्रेणी में मानते हुए महाराष्ट्र सरकार को आदेश दिया है कि वह इनके द्वारा अनार के पेड़ों को हुए नुकसान के लिए पीड़ित किसान को मुआवजा दे। कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि ये पक्षी वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत 'वन्यजीव' हैं और राज्य को 'अपनी संपत्ति' के कारण हुए नुकसान के लिए नागरिकों की भरपाई करनी होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि वन्यजीव किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, तो उसकी भरपाई करना सरकार की जिम्मेदारी है।

यह कहानी महाराष्ट्र के वर्धा जिलान्तर्गत हिंगी गांव के रहने वाले 70 वर्षीय किसान महादेव डेकाटे की है। साल 2016 में, महादेव के अनार के बगीचे पर पास के वन्यजीव अभयारण्य से आए जंगली तोतों के झुंड ने धावा बोल दिया था। मेहनत से सींचे गए 200 पेड़ों के करीब 50 प्रतिशत फल इन पक्षियों ने नष्ट कर दिए। जब महादेव ने मुआवजे की गुहार लगाई, तो प्रशासन ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि नियमों के अनुसार हाथी या जंगली भैंसे द्वारा किए गए नुकसान पर ही मुआवजे का प्रविधान है, तोतों के लिए नहीं।

हाई कोर्ट की नागपुर पीठ। फाइल

अदालत का अहम आदेश, पीड़ित किसान के हक में न्याय की गूंज

कोर्ट ने पाया कि कृषि अधिकारियों के पंचनामे में 50 प्रतिशत फसल के नुकसान की पुष्टि हुई थी। किसान महादेव डेकाटे ने लगभग 20 लाख रुपये के नुकसान का दावा किया था। हालांकि, कोर्ट ने मौजूदा परिस्थितियों और साक्ष्यों को देखते हुए सरकार को प्रति पेड़ 200 रुपये के हिसाब से 200 पेड़ों का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। यह फैसला केवल एक किसान की जीत नहीं है, बल्कि उन हजारों किसानों के लिए एक उम्मीद की किरण है जो अक्सर वन्यजीवों और मानव के बीच होने वाले इस संघर्ष में अपनी आजीविका खो देते हैं, जो दिन-रात पसीना बहाकर धरती का सीना चीरते हैं, लेकिन अंत में कुदरत और कानूनी पेचीदगियों के बीच ठगे रह जाते हैं।

जस्टिस उर्मिला जोशी-फालके और जस्टिस निवेदिता मेहता की पीठ ने सरकार के इस तर्क को सिरे से खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972' के तहत जंगली जानवर और पक्षी राज्य की संपत्ति हैं। चूंकि तोते (विशेषकर अलेक्जेंड्रिन पैराकीट) इस अधिनियम की अनुसूची में शामिल हैं, इसलिए वे कानूनी रूप से संरक्षित वन्यजीव हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम में अगर तोता शामिल नहीं तो यह सरकार की चिंता का विषय है।

संविधान-कानून की ढाल, समानता का अधिकार और किसान की पीड़ा : हाई कोर्ट ने कहा कि जब कानून नागरिकों से वन्यजीवों का रक्षक बनने की अपेक्षा करता है, तो राज्य उन्हें इन जानवरों के कारण होने वाले वित्तीय नुकसान को अकेले सहने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सरकार का यह तर्क कि केवल कुछ चुनिंदा प्रजातियों के लिए ही मुआवजा दिया जाएगा, कोर्ट की नजर में असंवैधानिक था।

रूस से भारत कितना तेल खरीदता है, सूचना सार्वजनिक नहीं की जा सकती

- सीआइसी ने पीपीएसी के फैसले को सही ठहराया
- कहा, यह रणनीतिक-आर्थिक हितों से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत काम करने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने कहा है कि रूस से आयात किए जाने वाले कच्चे तेल से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि यह व्यावसायिक एवं गोपनीय प्रकृति की होने के कारण सूचना का अधिकार (आरटीआइ) अधिनियम के दायरे से बाहर है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने भी इस रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश के रणनीतिक एवं आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। यह मामला आरटीआइ के तहत दायर एक आवेदन से जुड़ा है जिसमें जून, 2022 से जून, 2025 के बीच रूस से आयातित कच्चे तेल का विवरण मांगा गया था। इसमें इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, ओएनजीसी विदेश, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों द्वारा आयात की अलग-अलग जानकारी भी मांगी गई थी।

फाइल फोटो।

सीपीआइओ ने नियमों का हवाला देकर नहीं दी जानकारी पेज>>3

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कहीं कहीं लू चलने की संभावना है। गर्जन वाले बादल बनने एवं हल्की वर्षा के भी आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
27 अप्रैल	44.0	27.0
28 अप्रैल	41.0	28.0
नोएडा		
27 अप्रैल	43.0	29.0
28 अप्रैल	42.0	27.0
गुरुग्राम		
27 अप्रैल	42.0	29.0
28 अप्रैल	40.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

महिला आरक्षण पर चर्चा के लिए दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र

कटड़ा :लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के पारित न हो पाने के बाद 28 अप्रैल को दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। इस सत्र में महिला आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा और इस बिल पर विपक्ष द्वारा साथ न देने को आधार बनाते हुए निंदा प्रस्ताव लाने की योजना है। भाजपा ने विपक्ष पर महिलाओं को धोखा देने का आरोप लगाया है और कई राज्यों ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए इसी तरह के विशेष सत्र बुलाए हैं।। (राब्यू)

देशहित में मिलकर आगे बढ़ना ही सही रास्ता : रेखा गुप्ता

कटड़ा : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आप के राज्यसभा के सात सदस्यों के भाजपा में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समय के साथ सभी को समझ आ जाती है और देशहित में मिलकर आगे बढ़ना ही सही रास्ता है। उन्होंने रविवार को श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाकर देश में सुख शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान भवन पर पुजारियों ने उन्हें मां की पावन चुनरी और प्रसाद भेंट कर आशीर्वाद दिया। (संवाद सहयोगी)

सौतेली बेटियों से दुष्कर्म के मामले में सजा बरकरार

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने नाबालिग सौतेली बेटियों के साथ दुष्कर्म के मामले में पिता को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई 15 साल की कठोर सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति विमल कुमार यादव की पीठ ने कहा कि पीड़ित के बयान में छोटी-मोटी कमियों से अभियोजन पक्ष के मामले पर कोई असर नहीं पड़ता। (जासं)

बढ़ते तापमान पर दिल्ली सरकार ने हीट वेव एक्शन प्लान को किया और प्रभावी

रणनीति ▶ श्रमिकों को कैंप व गमछे मिलेंगे, पशु-पक्षियों के लिए होगी पानी की व्यवस्था के निर्देश

सीएम ने कहा, स्कूली बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाकर घर भेजा जाएगा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक व प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है, साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं।

रविवार को लाल किला के सामने धूप से बचाने के लिए बच्चे को गमछा ओढ़ाती एक महिला। एएनआइ

स्कूली बच्चों और श्रमिकों के लिए सुरक्षा कवच : मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा न रहे। बहुत अधिक हीट वेव की अवस्था में निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्यस्थलों पर पानी ही नहीं, बल्कि धूप से बचाव के लिए कैप (टोपी) और गमछे के साथ जरूरत पडने पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। दोपहर 12:00 से 03:00 बजे के बीच बाहरी कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा।

बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए विशेष निर्देश : दिल्ली सरकार ने थर्मल हाटस्पाट और हीट आइलैंड क्षेत्रों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की बिजली पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। भारी मांग को देखते हुए सीएम ने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बढ रहे तापमान को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से पशु-पक्षियों के लिए पानी और छाया के निर्देश दिए हैं। सरकार ने दिल्ली अब 'कूल रूफ पालिसी 2026' के तहत कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा। इसके साथ ही सभी 13 जिलों में 339 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और 30 से अधिक अस्पतालों में विशेष '5-बेड वाले कूल रूम' तैयार किए हैं।

शोर पर होगी सख्ती, तीन दिन के अंदर होगी शिकायत पर जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

राजधानी में अब तेज आवाज का संगीत या किसी भी तरह का शोर करना भारी सकता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने ध्वनि प्रदूषण को लेकर एक नई और सख्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। अब चालान कटने के साथ म्यूजिक सिस्टम व लाउडस्पीकर भी जब्त हो सकते हैं। डीपीसीसी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नई एसओपी तुरंत लागू हो गई है। शहर में शोर के स्तर पर नजर रखने के लिए पहले से ही 22 रियल टाइम मानीटरिंग स्टेशन काम कर रहे हैं, जो अब इस मुहिम को और मजबूती देंगे।

नए एसओपी के अनुसार यह पूरी कार्रवाई न्यायज पल्यूशन (रेगुलेशन एंड कंट्रोल) रूल्स, 2000 के तहत होगी। इस नियम में लाउडस्पीकर, गाड़ियों के हार्न, निर्माण कार्य और फैक्ट्रियों से होने वाले शोर को नियंत्रित किया जाता है। रात 10 से सुबह 6 बजे तक बिना अनुमति लाउडस्पीकर बजाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। औद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय शोर की अधिकतम सीमा 75 डेसिबल और रात के समय 70 डेसिबल, रिहायशी क्षेत्र में दिन के समय 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल है। साइलेंस जोन में दिन के समय 50 डेसिबल और रात के समय 40 डेसिबल। व्यावसायिक क्षेत्र में दिन में 65 और रात में 55 डेसिबल है।

इस नई व्यवस्था के मुख्य बिंदु :

72 घंटे के भीतर कार्रवाई: शोर की शिकायत मिलते ही डीपीसीसी की टीम को तीन दिन में मौके पर जाकर जांच करनी होगी। यह जांच केवल परिसर तक सीमित नहीं होगी, बल्कि आसपास के शोर के स्तर को भी मापा जाएगा।

उपकरण होंगे जब्त : अगर शोर तय मानक से ज्यादा पाया गया, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस मिलकर लाउडस्पीकर, म्यूजिक सिस्टम या शोर करने वाले किसी भी उपकरण को तुरंत सीज कर देंगे।

पारदर्शिता का पूरा ध्यान : खास बात यह है कि जांच अधिकारी को शिकायतकर्ता की मौजूदगी में रिपोर्ट तैयार करनी होगी। कार्रवाई हुई या नहीं, इसकी पूरी जानकारी भी शिकायतकर्ता को दी जाएगी।

भारी जुर्माना : नियमों के उल्लंघन पर भारी पर्यावरण जुर्माना वसूला जाएगा।

दायरा बढ़ा : यह सख्ती केवल पब, बार या रेस्टोरेंट तक सीमित नहीं है। रिहायशी, कामर्शियल और इंडस्ट्रियल, सभी इलाकों में यह नियम लागू होगा।

'शैक्षिक योग्यता के बारे में शपथ पत्र में गलत जानकारी देना भ्रष्ट आचरण नहीं'

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

▶ 2020 के विस चुनाव में आप प्रत्याशी के चुनाव को दी थी चुनौती

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने विधानसभा चुनाव में नामांकन के साथ दाखिल शपथ पत्र में शैक्षिक योग्यता से संबंधित जानकारी पर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने कहा कि जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 123 (चार) के तहत शैक्षणिक योग्यता के बारे में गलत जानकारी देना "भ्रष्ट आचरण" नहीं माना जाएगा। अदालत ने यह निर्णय 2020 में करोल बाग क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे योगेंद्र चंदोलिया की उस याचिका पर दिया है, जिसमें उन्होंने आप के विशेष रवि के शपथ पत्र में गलत जानकारी देने का दावा करते हुए निर्वाचन को रद करने की मांग की थी।

2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में करोल बाग विधानसभा क्षेत्र से आप के विशेष रवि ने चुनाव जीता था। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी रहे चंदोलिया ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था कि विशेष रवि ने नामांकन के दौरान अपनी योग्यता के बारे में गलत जानकारी दी। इसकी वजह से मतदाता गुमराह हुए और चुनाव में विशेष रवि को लाभ मिला, जिसका असर चुनाव परिणाम पर भी पड़ा। याचिकाकर्ता ने जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 123 (चार) का हवाला देते हुए तर्क किया कि इस तरह की गलत जानकारी देना भ्रष्ट आचरण है इसलिए उनके निर्वाचन को रद किया जाए।

हालांकि, पीठ ने इन तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि धारा 123 (चार) तब लागू होती है जब कोई उम्मीदवार किसी दूसरे उम्मीदवार के बारे में गलत बयान देता है, जिसका उद्देश्य उस उम्मीदवार की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाना होता है। पीठ ने यह भी कहा कि नामांकन पत्र या हलफनामे में की गई घोषणा को अपने आप में धारा 123 (चार) के अर्थ के तहत प्रकाशन नहीं माना जा सकता।

प्लास्टिक फैक्ट्री, स्टेशनरी गोदाम और स्क्रैप में आग लगी, लाखों रुपये का नुकसान

जागरण संवाददता, नई दिल्ली

▶ नरेला में प्लास्टिक फैक्ट्री व प्लाट में रखे स्क्रैप और खेड़ा कलां गांव में स्टेशनरी गोदाम में लगी थी आग

▶ तीनों घटनाओं में आग पर काबू पाने के लिए बुलानी पड़ी थीं दमकल की 27 गाड़ियां

पिछले 24 घंटे के दौरान क्षेत्र में तीन जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। रविवार सुबह नरेला में प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इससे पहले शनिवार शाम खेड़ा कलां गांव में स्टेशनरी गोदाम और नरेला में प्लाट में रखे स्क्रैप में आग लग गई। तीनों घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग में लाखों रुपये मूल्य के सामान का नुकसान का अनुमान है।

नरेला औद्योगिक क्षेत्र के आई-ब्लाक स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में सुबह करीब नौ बजे आग लगने के बाद दमकल कर्मचारियों ने मोर्चा संभाला। ढाई सौ मीटर आकार की इस फैक्ट्री की दूसरी और तीसरी मंजिल में लगी आग को बुझाने में दकमल कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। फैक्ट्री की सीढ़ियों पर सामान रखे होने के कारण दमकम

नरेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते हुए दमकम कर्मचारी। वीडियो ग्रेब

कर्मचारियों को आग बुझाने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। गनीमत रही कि फैक्ट्री में जिस हिस्से में ज्वलनशील पदार्थ रखा था, वहां तक आग नहीं पहुंची, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। आग बुझाने के लिए दमकल की 12 गाड़ियों को बुलाना पड़ा। करीब एक बजे आग को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

हेड कांस्टेबल ने दो दोस्तों की गोली मारी, एक की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे दो दोस्तों को शनिवार रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात हेड कांस्टेबल ने गोली मार दी। मृतक की पहचान पांडव कुमार और घायल की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है। बताया गया है कि वारदात के दौरान नशे में आरोपित ने भीड़ लगाने का कारण पूछा और गाली गलौच के विरोध पर गोली चला दी। पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, पांडव कुमार जोमैटो में डिलीवरी ब्वाय थे। वह जाफरपुरकलां में दोस्त रूपेश के दो साल के बेटे की जन्मदिन की पार्टी में गए थे। देर रात करीब दो बजे पार्टी खत्म होने के बाद रूपेश सभी के साथ मेन रावता रोड पर गए। सड़क पर एक बाइक पर पांडव, दोस्त कृष्ण बैठे थे और महिलाओं समेत अन्य लोग भी थे। तभी दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल नीरज वहां आया और भीड़ लगाने का कारण पूछने लगा। बाद में गोली मार दी।

100 दिन बाद केवल तीन पुलिसकर्मी निलंबित, हताश पिता बोले- अब कोई आस नहीं

गजेंद्र पांडे ● जागरण

▶ पुलिस विभाग ने अपनी रिपोर्ट में एसआईटी को जिन आरोपितों के नाम सुझाए उन्हीं पर कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा : नालेज पार्क के सेक्टर-150 में 16 जनवरी की रात बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लाट में भरे पानी में डूबने से साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में रविवार को तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। मामले के करीब 100 दिन बाद एसआइटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर घटना वाली रात पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात रहे असिस्टेंट रेडियो आफिसर ऐशपाल सिंह और रिजर्व सब इंस्पेक्टर देवेंद्र शर्मा समेत तीन कर्मियों को दोषी ठहराकर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस विभाग द्वारा एसआइटी को जो रिपोर्ट सौंपी गई थी, उसमें इन तीनों की लापरवाही दिखाते हुए आरोपित बनाया गया था। इस पर एसआइटी ने शासन को जांच रिपोर्ट सौंपकर कार्रवाई की संस्तुति कर दी थी। इस कार्रवाई की अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने भी पुष्टि की है।

युवराज मेहता की फाइल फोटो। जागरण आर्काइव

हालांकि, बेटे को आंखों के सामने मौत के आगोश में समाते देखने वाले बेबस पिता राजकुमार मेहता भी अब तक की कार्रवाई से असंतुष्ट हैं। लंदन में अपनी बेटी के पास रह रहे पिता का कहना है कि वह हताशा में डूबे हैं। एसआइटी की जांच में अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि भविष्य में किसी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, ऐसी भी आशंका है।

इधर, सोसायटीवासियों में भी प्रकरण में अभी तक सिर्फ छोटे कर्मियों पर कार्रवाई कर बड़े अधिकारियों को बचाने के लिए जांच रिपोर्ट में लीपा-पोती करने की चर्चा है। लोगों का आरोप है कि घटना का कारण खतरनाक मोड़ पर यातायात से संबंधित संकेतक बैरिकेडिंग आदि नहीं होना रहा था। महज 70 फीट दूरी पर पानी में कार पर चढ़कर जान बचाने की गुहार लगा रहे युवराज को बचाने के लिए रस्सी, ट्यूब, स्टीमर आदि संसाधन नहीं मंगाए गए थे। मौके पर दमकल और पुलिस विभाग के 80 कर्मी मौजूद थे। उन्होंने भी कोई ठोस उपाय नहीं किए थे। करीब पौने दो घंटे संघर्ष के बाद युवराज डूब गया था। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से मोड़ पर सुरक्षा के इंतजाम कराने की मांग कर चुके थे, लेकिन सुनवाई नहीं हुई थी।

केजरीवाल के मृत रिश्तेदार से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के एक दिवंगत करीबी रिश्तेदार से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह मामला नाली निर्माण के सरकारी ठेके से संबंधित है। इस मामले की जांच पहले दिल्ली सरकार के एंटी-करप्शन ब्यूरो द्वारा की जा रही थी और पिछले साल सितंबर में गृह मंत्रालय ने इसे सीबीआइ को सौंप दिया था।

कहा जाता है कि आरोपित ठेकेदार सुरेंद्र कुमार बंसल ने 2015-16 में विभिन्न कंपनियों के नाम पर ठेका प्राप्त किया और भुगतान ले लिया, लेकिन काम कभी पूरा नहीं किया। एफआइआर के अनुसार, ऐसी ही एक कंपनी कमल सिंह थी। कमल सिंह को आरोपित बनाकर एक दूसरी एफआइआर भी दर्ज की गई है। 2017 में बंसल का निधन हो गया। आप ने 2024 में इन आरोपों को निराधार और बदले की भावना से प्रेरित बताया था। इस मामले की शिकायत में कहा गया था कि पूर्व मुख्यमंत्री की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए।

इतिहास को तस्वीरों में दर्ज करने वाले 'चश्मदीद' फोटोग्राफर रघु राय नहीं रहे

मुहम्मद रईस ● जागरण

▶ बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान प्रभावशाली तस्वीरों के लिए मिला था पद्मश्री सम्मान

नई दिल्ली : आजाद भारत का आधा इतिहास तस्वीरों में दर्ज करने वाले 'चश्मदीद' की जिंदगी का फ्रेम रविवार को खाली हो गया। भोपाल गैस त्रासदी की चीख, मदर टेरेसा की ममता और इंदिरा गांधी का रौब- सबको अपनी तस्वीरों में जिंदा रखने वाले फोटोग्राफर रघु राय नहीं रहे। दो साल से कैंसर से जूझने के बाद 83 वर्ष की उम्र में उन्होंने रविवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। वर्ष 1972 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की प्रभावशाली तस्वीरों के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। 2017 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा था। उनके पार्थिव शरीर का स्वजनों और दोस्तों की मौजूदगी में लोधी रोड स्थित शवदाह गृह में अंतिम संस्कार हुआ।

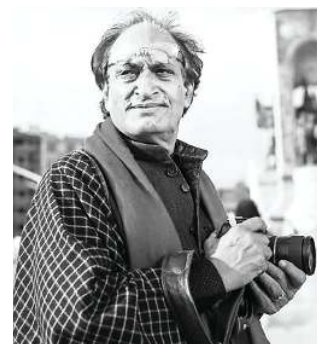

फोटो जर्नलिस्ट रघु राय।

रघु राय के परिवार में पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और बेटियां लगन, अवनी और पुरवई हैं। रघु राय की तस्वीरें भारत के आत्मा को दिखाती हैं। बेटे नितिन ने बताया कि दो साल पहले उनके पिता को प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था। इलाज के बाद वह इससे उबर गए थे, पर बाद में कैंसर पेट तक फैल गया। हाल ही में बीमारी मस्तिष्क तक पहुंच गई थी।

आधुनिक भारत का विजुअल दस्तावेज है रघु राय की फोटोग्राफी : दक्षिणी दिल्ली के महरौली के रहने वाले रघु राय की फोटोग्राफी को आधुनिक भारत का विजुअल दस्तावेज कहा जाता है। विश्व इतिहास की सबसे भयावह औद्योगिक आपदाओं में से एक भोपाल गैस त्रासदी और उसके बाद कई प्रभावशाली तस्वीरें खींचीं। तीन दिसंबर 1984 की सुबह, यूनियन कार्बाइड प्लांट से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस लीक होने बाद उन्होंने भोपाल में तबाही का दर्दनाक मंजर तस्वीरों में कैद किया। इनमें एक अज्ञात मृत बच्चे की तस्वीर ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया था।

जीनोमिक्स के उपयोग से इलाज

एम्स में 'डीएनए डे 2026' पर प्रिसिजन मेडिसिन, एपिजेनेटिक्स, मल्टीओमिक्स व ट्रांसलेशनल रिसर्च पर विशेषज्ञों का मंथन, 300 से अधिक प्रतिभागियों का जीनोमिक चिकित्सा को सुलभ बनाने पर जोर

हर मरीज के जीन पर आधारित होगा उपचार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बीमारियों का उपचार अब 'एक जैसा सबके लिए' नहीं रहेगा, बल्कि अब यह हर मरीज के जीन (डीएनए) के आधार पर तय किया जाएगा। इसे प्रिसिजन मेडिसिन कहा जाता है, जिसमें उपचार अधिक सटीक, प्रभावी और व्यक्तिगत होता है। इससे स्वास्थ्य सेवाएं और ज्यादा उन्नत तथा प्रभावी हो जाएंगी। यह बात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 'डीएनए डे 2026' पर आयोजित संगोष्ठी में सामने आई।

विशेषज्ञों ने बताया कि जीनोमिक्स (डीएनए आधारित विज्ञान) के उपयोग से भविष्य में उपचार का तरीका बदलने वाला है। चिकित्सक मरीज की जेनेटिक जानकारी के आधार पर बीमारी का बेहतर निदान और सही उपचार कर सकेंगे। संगोष्ठी में जीनोमिक विज्ञान को क्लिनिकल प्रैक्टिस से जोड़ने पर जोर दिया गया। संगोष्ठी का आयोजन डीएनए सोसाइटी आफ इंडिया और सोसाइटी आफ यंग साइंटिस्ट्स (एसवाईएस-एम्स) ने संयुक्त रूप से कराया। संगोष्ठी में 1953 में डीएनए की डबल हेलिक्स संरचना की खोज और 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट की पूर्णता को भी रेखांकित किया गया।

अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान (एम्स) में डीएनए डे 2026 पर आयोजित संगोष्ठी में जीनोमिक्स पर प्रतिभागियों को जानकारी देते विशेषज्ञ। सौजन्य एम्स

उद्घाटन सत्र डीएनए सोसाइटी आफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो. अशोक शर्मा ने प्रिसिजन मेडिसिन में जीनोमिक्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि, सीएसआइआर इंस्टीट्यूट आफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी (आइजीआइबी) के मुख्य वैज्ञानिक प्रो. अभय शर्मा ने मानव जीनोमिक्स और रोग विज्ञान पर नई जानकारी साझा की।

उन्होंने मानव जीनोमिक्स और रोग विज्ञान के उभरते आयामों को समझाया। मुख्य व्याख्यान में शिव नादर इंस्टीट्यूशन आफ एमिनेंस के प्रो. संजीव गलांडे ने 'कैंसरः एपिजीनोम की बीमारी' पर शोध प्रस्तुत किया। डीएसआइ के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य प्रो. श्रीकांत कुकरेती ने जीनोमिक्स अनुसंधान और क्लिनिकल उपयोग के बीच सेतु बनाने की आवश्यकता बताई। प्रीमास लाइफ साइंसेज के डा. भास्कर मैती ने स्पैटियल बायोलाजी और मल्टीओमिक्स तकनीकों के उपयोग को समझाया।

ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बनाएगी डीएमआरसी

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) ने ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए अपनी नई इकाई दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड (डीएमआइएल) का गठन किया है। इसकी कमान पूर्व आइआरटीएस अधिकारी संजय जमुआर को सौंपी गई। संजय को डीएमआइएल का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है।

डीएमआरसी द्वारा सरकार के सहयोग से गठित यह इकाई भारत के अन्य शहरों के साथ विदेश में भी मेट्रो परियोजनाओं के निर्माण, संचालन और रखरखाव का जिम्मा संभालेगी। जमुआर का दिल्ली मेट्रो के साथ रिश्ता पुराना है। 1998 में जब दिल्ली मेट्रो की नींव रखी जा रही थी, तब वह इसके पहले आपरेशन एंड मेंटेनेंस अधिकारी थे। भारतीय रेलवे और डीएमआरसी के अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, मध्य पूर्व और यूरोप में काम करने का व्यापक अनुभव है।

करीब तीन घंटे तक रनवे रहा बंद, दो दर्जन उड़ानें प्रभावित

प्रथम पृष्ठ से आगे

हादसे के बाद रनवे 28/10 पर करीब तीन घंटे विमानों की आवाजाही बंद रही। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के लिए चिंता की बात यह थी कि सुबह पांच बजे से एयरपोर्ट पर विमानों के परिचालन के लिहाज से व्यस्त समय शुरू हो जाता है। ऐसे में खराब विमान को रनवे से हटाना उसके लिए प्राथमिकता थी।

डायल के अनुसार रनवे को समय से खाली करा लिया गया, ताकि विमानों के परिचालन पर असर नहीं हो। सूत्रों का कहना है कि रनवे बंद रहने के दौरान करीब दो दर्जन उड़ानें प्रभावित हुईं। इनमें से ज्यादातर उड़ानें विदेश से संबंधित थीं।

पिछले एक वर्ष में इंजन में खराबी या आग लगने की कई घटनाएं :

मई 2025: बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के इंजन में उड़ान भरने के तुरंत बाद आग लग गई।

अगस्त 2025: दिल्ली से मुंबई जा रहे इंडिगो के एक विमान के इंजन में 'मिड-एयर' (हवा में) तकनीकी खराबी के बाद चिंगारियां देखी गईं।

अक्टूबर 2025: दुबई से कोच्चि आ रहे स्पाइसजेट के विमान के इंजन से धुआं निकलने की सूचना मिली।

जनवरी 2026: पेरिस से दिल्ली आ रहे विमान के इंजन में तकनीकी खराबी के कारण उसे कजाकिस्तान डायवर्ट करना पड़ा।

मार्च 2026: विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहे इंडिगो विमान का इंजन फेल हो गया।

947.36 करोड़ रुपये की सहायता केंद्र सरकार ने मणिपुर में जातीय हिंसा से प्रभावित पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए मंजूर की है। इसमें हिंसा प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आइडीपी) के पुनर्वास के लिए 523 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

भारत के विकास के लिए सौर व पवन ऊर्जा जरूरी : मोदी

मन की बात ▶ दुनिया में आसन्न ऊर्जा संकट के बीच बोले प्रधानमंत्री, यह देश के भविष्य की सुरक्षा

भारत के विज्ञानियों ने असैन्य परमाणु कार्यक्रम में भी हासिल की बड़ी उपलब्धि

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत के विकास के लिए सौर और पवन ऊर्जा जरूरी हैं। यह सिर्फ पर्यावरण की बात नहीं है, यह देश के भविष्य की सुरक्षा है। पवन ऊर्जा का बढ़ता महत्व देश के युवाओं के लिए ढेर सारे नए अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने हाल ही में पवन-ऊर्जा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 56 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। पिछले एक वर्ष में ही करीब छह गीगावाट नई क्षमता जुड़ी है। इस क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भी हमारी तरफ देख रही है। पवन ऊर्जा की क्षमता में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण दुनिया में आसन्न ऊर्जा संकट के इस दौर में प्रधानमंत्री का अक्षय ऊर्जा पर जोर देना अहम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण में देशवासियों को इस क्षेत्र में भारत की प्रगति के बारे में जानकारी दी और कहा कि देश को बिजली बचानी चाहिए एवं स्वच्छ ऊर्जा अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा, आज मैं एक ऐसी शक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं जो अदृश्य है, लेकिन जिसके बिना हमारा जीवन एक पल भी नहीं चल सकता। यह है हमारी पवन ऊर्जा।

नरेन्द्र मोदी। फाइल

ये भी बोले पीएम

- यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में हमारी बेटियों ने अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे इस प्रतिभाशाली टीम पर बहुत गर्व है।
- पहली बार 'बीटिंग रिट्रीट' का संगीत वेव्स ओटीटी पर उपलब्ध कराया गया है और भविष्य में इसे अन्य प्लेटफार्मों पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।
- ब्राजील में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में दो भारतीय चीज ब्रांडों को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। इस उपलब्धि की इंटरनेट मीडिया पर व्यापक चर्चा हुई है।
- राष्ट्रीय अभिलेखागार ने 'अभिलेख पटल' वेवसाइट पर 20 करोड़ से भी अधिक अमूल्य दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करके उन्हें सार्वजनिक किया है।

जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी

संसद के विशेष सत्र में विपक्षी दलों ने जनगणना-2027 को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करने की कोशिश की थी। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिये देशवासियों बताया कि प्रक्रिया चल रही है और सरकार इसके प्रति गंभीर है। उन्होंने कहा कि जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। सब इस प्रक्रिया में भाग लें, जनगणना-2027 को सफल बनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले इस तरह की प्रक्रिया से गुजर चुके हैं, उनका इस बार का अनुभव अलग होने वाला है। जनगणना, 2027 को डिजिटल बनाया गया है। घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल एप है। वे आपसे बात करके उसी में जानकारी दर्ज करेंगे। आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए यह सुविधा शुरू होगी। जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं तो आपको एक विशेष आइडी मिलती है। यह आइडी आपके मोबाइल या ई-मेल पर आती है। जब कर्मचारी आपके घर आता है तो आप यही आइडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती। जिन राज्यों में स्वगणना का काम पूरा हो गया है, वहां गणना कर्मियों ने घरों के सूचीकरण भी शुरू कर दिया है। अब तक लगभग 1.20 करोड़ परिवारों का मकान सूचीकरण हो चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा, आपकी भागीदारी बहुत जरूरी है और आपकी दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित व गोपनीय रखी जाती है।

विश्वविद्यालयों और कालेजों में सात स्पेस लैब बनाने का प्रस्ताव

- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्पेस लैब बनाने की योजनाओं की समीक्षा की
- छात्रों को सैटेलाइट सिस्टम, राकेटरी और मिशन डिजाइन का अनुभव देंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कालेजों में स्पेस लैब स्थापित करने की योजनाओं की समीक्षा की है। इस पहल में सात ऐसे लैब स्थापित करने का प्रस्ताव है, जो छात्रों को सैटेलाइट सिस्टम, राकेटरी और मिशन डिजाइन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेंगे।

एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इसका उद्देश्य भारत के बढ़ते स्पेस सेक्टर के लिए कुशल युवाओं के एक सशक्त समूह को तैयार करना है, जिसने पिछले पांच वर्षों में गैर-सरकारी संस्थाओं के लिए अंतरिक्ष पर अध्ययन के क्षेत्र को खोलने के बाद 600 मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का निजी निवेश आकर्षित किया है।

सिंह ने भारत के स्पेस सुधारों में की गई प्रगति और मूल्य श्रृंखला में निजी खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी की भी समीक्षा की। अधिकारी ने कहा कि देश का निजी स्पेस इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है, जिसमें 2019 में एकल अंक में मौजूद स्टार्टअप्स की संख्या 2026 की शुरुआत तक 400 से अधिक हो गई है। ये स्टार्टअप्स अब लांच वाहनों, सैटेलाइट और पेलोड निर्माण, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सेवाओं और उभरते इन-आर्बिट सेगमेंट्स में सक्रिय हैं।

सरकार ने इस गति को समर्थन देने के लिए कई पहलों की शुरुआत की है। उदाहरण के लिए 500 करोड़ रुपये का टेक्नोलाजी एडाप्शन फंड प्रारंभिक चरण की नवाचारों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उत्पादों में परिवर्तित करने में सक्षम बना रहा है। कुशल कार्यबल बनाने के प्रयास भी चल रहे हैं, जिसमें 17 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए गए हैं और लगभग 900 प्रतिभागियों को सैटेलाइट निर्माण, लांच वाहन सिस्टम और स्पेस साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रमाणित किया गया है। सरकार अंतरिक्ष क्षेत्र में भी विज्ञानियों को प्रोत्साहित कर रही है और इसके लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं।

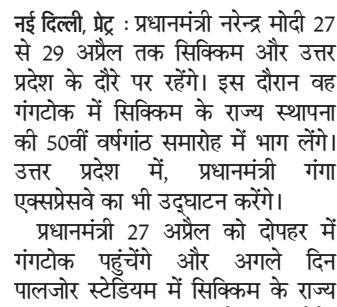

जितेंद्र सिंह। फाइल

सीपीआइओ ने नियमों का हवाला देकर नहीं दी जानकारी

प्रथम पृष्ठ से आगे

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआइओ) ने जानकारी देने से इन्कार करते हुए कहा था कि देश और कंपनी के आधार पर कच्चे तेल के आयात का विवरण व्यावसायिक एवं गोपनीय है, इसलिए इसे आरटीआइ एक्ट, 2005 की धारा 8(1)(डी) व 8(1)(ई) के तहत साझा नहीं किया जा सकता। हालांकि कुल आयात की मात्रा और उसका मूल्य पीपीएसी की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने भी इस फैसले को सही ठहराया। अपीलकर्ता ने कहा कि उसे जानकारी नहीं दी गई और वह समझना चाहता है कि इस क्षेत्र में देश किस तरह काम कर रहा है। सीआइसी ने अपने अंतरिम फैसले में कहा कि मांगी गई जानकारी सार्वजनिक करने से देश के रणनीतिक व आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है और इससे अन्य देशों के साथ संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि यह जानकारी भू-राजनीतिक संबंधों से जुड़ी है।

मेडिकल कमीशन ने विधि मंत्रालय की मंजूरी बगैर जारी किए नियम

- संसदीय समिति ने अध्ययन के बाद जताई हैरानी
- चिकित्सा शिक्षा के पदों पर भर्ती के हैं नियम

नई दिल्ली, प्रेट्र : नेशनल मेडिकल कमीशन के महत्वपूर्ण नियम विधि मंत्रालय की स्वीकृति के बगैर जारी होने पर सबोर्डिनेट लेजिस्लेशन मामलों की संसदीय समिति ने हैरानी जताई है। इसके चलते स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र की सेवाओं में भविष्य में मुश्किलें पैदा होने का खतरा है।

संसदीय समिति की यह रिपोर्ट हाल ही में पूर्ण हुए संसद के बजट सत्र के दौरान पेश हुई थी। यह रिपोर्ट कमीशन द्वारा चिकित्सा शिक्षा से जुड़े पदों पर भर्ती के कई नियमों में संशोधन से संबंधित है। संसदीय समिति ने 2022, 2023 और 2025 में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े पदों पर भर्ती के नियमों में कई खामियां पाईं।

समिति ने कहा है कि उसे यह जानकर हैरानी हुई कि विधि मंत्रालय की स्वीकृति के बगैर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाले नेशनल मेडिकल कमीशन के नियम जारी हो गए। जबकि सभी सरकारी नियम, अधिनियम और आदेश विधि मंत्रालय की अधिकार क्षेत्र वाले सबोर्डिनेट लेजिस्लेशन के जरिये जारी होते हैं। लेकिन इस मामले में प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

प्रतीकात्मक

समिति ने स्वास्थ्य मंत्रालय को इस तरह की खामियों की रोकथाम के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही विधि मंत्रालय से कहा है कि कोई भी अधिसूचना होने पर उसके लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया को पूरा किया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी शिक्षा क्षेत्र से संबंधित कई कानूनी प्रविधानों को लेकर काफी विवाद हो चुका है।

आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ : सेना का सख्त संदेश- 'भारत भूलता नहीं है'

- भारतीय सेना की चेतावनी, भारत की संप्रभुता और मानवता की सीमाओं को लांघने वालों को बख्शा नहीं जाएगा
- एक पोस्ट में कहा, सटीक प्रहार, आतंकी लक्ष्यों पर निशाना व स्थायी परिणामट- यही नए भारत की पहचान

नई दिल्ली, प्रेट्र : 'आपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से ठीक पहले भारतीय सेना ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से दुनिया को अपनी शक्ति और संकल्प का परिचय दिया है। सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत की संप्रभुता और मानवता की सीमाओं को लांघने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सेना के आधिकारिक पोस्ट में कहा गया है, 'सटीक प्रहार, आतंकी लक्ष्यों पर निशाना और स्थायी परिणाम' - यही नए भारत की पहचान है। सेना का यह संदेश साफ है - भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन यदि सीमाओं या नागरिकों पर आंच आई तो न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। 'आपरेशन सिंदूर' इसी अडिग संकल्प का प्रतीक है कि भारत न भूलता है, न माफ करता है।

पहलगाम का जख्म और न्याय की हुंकार : यह पूरा घटनाक्रम 22 अप्रैल 2025 की उस काली तारीख से जुड़ा है, जब पहलगाम में लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी थी। इस घाव को भारत भूला नहीं है। सेना ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है। इस हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने 6 और 7 मई को 'आपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इसके तहत पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में स्थित लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के नौ आतंकी कैंपों को मिट्टी में मिला दिया गया था। यह आपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टालरेंस' नीति का प्रमाण था।

प्रतीकात्मक

आत्मनिर्भर भारत : नई मुद्रा, नई तैयारी

सेना ने अपने पोस्ट में 'आपरेशन महादेव' का भी जिक्र किया, जिसके तहत 93 दिनों तक दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाकर पहलगाम हमले के मुख्य दोषियों को ठिकाने लगाया गया था। आज की भारतीय सेना पहले से कहीं अधिक घातक और आत्मनिर्भर है। सेना ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया कि अब हमारे पास 50 नई मिशन-रेडी यूनिट्स, पांच लाख से अधिक आधुनिक हथियार और आठ एंटी-टेरर आपरेशनल फ्रेमवर्क तैयार हैं।

आज से 29 अप्रैल तक सिक्किम और उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 से 29 अप्रैल तक सिक्किम और उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह गंगटोक में सिक्किम के राज्य स्थापना की 50वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश में, प्रधानमंत्री गंगा एक्सप्रेसवे का भी उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री 27 अप्रैल को दोपहर में गंगटोक पहुंचेंगे और अगले दिन पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। सिक्किम में, वह कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और शिलान्यास रखेंगे। वह एक सभा को भी संबोधित करेंगे। 28 अप्रैल उप्र पहुंचेंगे और शाम करीब पांच बजे वाराणसी में महिला सम्मेलन में भाग लेंगे। वह लगभग 6,350 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। 29 अप्रैल को वह वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करेंगे। इसके बाद वह हरदोई जाएंगे और गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। गंगा एक्सप्रेसवे, देश में विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में मील का पत्थर है।

भारत-उज्बेकिस्तान ने किया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक 2026'

उज्बेकिस्तान के नमंगन में 'दुस्तलिक' अभ्यास में भाग लेते दोनों देशों के सैन्य कर्मी। एएनआइ

नमंगन, एएनआइ : भारत और उज्बेकिस्तान के सातवें संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक' का उज्बेकिस्तान के नमंगन में समापन हो गया। सेना ने एक्स पर पोस्ट किया, नमंगन के गुरुमसराय फील्ड ट्रेनिंग एरिया में 12 से 25 अप्रैल तक सैन्य अभ्यास का उद्देश्य अर्ध-पर्वतीय क्षेत्र में अंतर-संचालन और संयुक्त संचालन क्षमता को बढ़ाना था।

अभ्यास के दौरान सैनिकों ने टोही, हवाई निगरानी, हेलीकाप्टर फायरिंग, और शस्त्र संचालन का अभ्यास किया। भारतीय दल में 60 कर्मी शामिल थे, जिनमें भारतीय सेना के 45 जवान (मुख्य रूप से महार रेजिमेंट से) और भारतीय वायुसेना के 15 कर्मी थे। उज्बेकिस्तान की ओर से भी लगभग 60 सैनिकों ने भाग लिया। परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया। समापन समारोह में दोनों टुकड़ियों के विशिष्ट अतिथियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

अजीत डोभाल ने यूएई के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय स्थिति पर की चर्चा

- एनएसए ने राष्ट्रपति को पीएम मोदी की ओर से दीं शुभकामनाएं
- भारत की ओर से यह दूसरी उच्च स्तरीय संयुक्त अरब अमीरात यात्रा

अबू धाबी, आइएएनएस: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के उपायों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। भारतीय दूतावास ने एक पोस्ट में बताया, एनएसए ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। भारत की ओर से यह दूसरी उच्च स्तरीय संयुक्त अरब अमीरात यात्रा है। इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री जयशंकर ने अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। जयशंकर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के प्रति आभार व्यक्त किया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी इस मुलाकात में उपस्थित थे।

अबू धाबी में रविवार को यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करते राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल। प्रेट्र

ईरानी हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला, खाड़ी देशों से बढ़ीं भारत के लिए उड़ानें

- विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की दी है सलाह
- पहले से जो वहां हैं, उनसे दूतावास के सहयोग से देश छोड़ने का किया है आग्रह

नई दिल्ली, आइएएनएस : ईरान का हवाई क्षेत्र मालवाहक और चार्टर्ड उड़ानों के लिए आंशिक रूप से खुल गया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है और जो पहले से वहां हैं, उनसे दूतावास के सहयोग से भूमि सीमा के रास्ते देश छोड़ने का आग्रह किया गया है। अब तक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भूमि सीमा मार्गों के माध्यम से 2,445 भारतीय नागरिकों को ईरान से बाहर निकलने में सहायता की है।

इजरायल का हवाई क्षेत्र खुला है और क्षेत्र के गंतव्यों के लिए सीमित उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं, जिनका उपयोग भारत की आगे की यात्रा के लिए किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात में, परिचालन और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के आधार पर एयरलाइंस भारत के लिए सीमित वाणिज्यिक उड़ानें संचालित करना जारी रखे हुए हैं।

सऊदी अरब और ओमान के विभिन्न हवाई अड्डों से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला होने के कारण कतर एयरवेज भी भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है।

प्रतीकात्मक

जजीरा एयरवेज और कुवैत एयरवेज ने कुवैत से भारत के लिए सीमित उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। बहरीन का हवाई क्षेत्र भी खुला है और गल्फ एयर बहरीन से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है। इसके अलावा, इराक का हवाई क्षेत्र भी खुला है और क्षेत्र के विभिन्न गंतव्यों के लिए सीमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

पीएम संग्रहालय

पीएमएमएल के निदेशक लोहानी ने कहा - यह संग्रहालय लोकतंत्र की अवधारणा को मजबूत करता, आगंतुक नेहरू से लेकर मोदी तक किसी भी पीएम संग 'फोटो खिंचवाने' का चुन सकते हैं विकल्प

जल्द नजर आएंगे महात्मा गांधी और वाजपेयी के जीवंत 'एआइ अवतार'

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में आने वाले आगंतुक यहां जल्द ही महात्मा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के एआइ से निर्मित 'अति जीवंत 3डी अवतारों'' के साथ संवाद कर सकेंगे। इन दोनों प्रख्यात नेताओं को उनके एआइ अवतारों में लाने की परियोजना अंतिम चरण में है और पिछले सितंबर में सरदार वल्लभभाई पटेल पर आयोजित पहली एआइ-संचालित संवादपरक प्रदर्शनी को मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद शुरू की गई थी। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) के निदेशक अश्विनी लोहानी ने कहा- 'हम संग्रहालय में आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का व्यापक इस्तेमाल करने पर काम कर रहे हैं। हमने सरदार पटेल के आदमकद एआइ संचालित होलोबाक्स से शुरुआत की और फिर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के एआइ संचालित होलोबाक्स को भी पेश किया गया। जल्द ही, हम गांधी जी और अटल जी के भी इसी तरह के एआइ अवतार पेश करेंगे।'

अश्विनी लोहानी।

पीएम संग्रहालय में सरदार वल्लभभाई पटेल पर आयोजित पहली एआइ-संवादपरक प्रदर्शनी। प्रेट्र/फाइल>>

लोहानी ने बताया कि यह परियोजना मई के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। पीएमएमएल ने 14 अप्रैल को अपने चार साल पूरे किए हैं। संग्रहालय में प्रतिदिन औसतन 1,400-1,500 लोग आते हैं। इस संग्रहालय को सरकार ने दिल्ली में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित किया है और यह एक ऐतिहासिक इमारत में स्थित है। इस इमारत का निर्माण 1929-30 में ब्रिटिश सैन्य बलों के कमांडर-इन-चीफ के निवास के रूप में हुआ था। यह बाद में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का निवास स्थान बन गया। इस इमारत में 2022 में बने एक आधुनिक परिसर में कई गैलरी हैं जिनमें भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की विरासत को दर्शाने वाली गैलरी भी शामिल है। पिछले चार वर्षों में पीएमएमएल की यात्रा के बारे में लोहानी ने कहा-'यह शानदार रहा है। पीएमएमएल दुनिया के अनूठे संग्रहालयों में से एक है। अब काफी आगंतुक आ रहे हैं और हम प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ा रहे हैं। यह संग्रहालय लोकतंत्र की अवधारणा को सुदृढ़ करता है।'

लोहानी ने बताया कि संग्रहालय में एआइ का उपयोग आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, एक स्टार्टअप के साथ मिलकर एआइ-आधारित तकनीक से लैस 'स्मार्ट ग्लास' का इस्तेमाल करने की संभावनाओं पर भी काम चल रहा है। आगंतुक नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक किसी भी प्रधानमंत्री के साथ 'फोटो खिंचवाने' का विकल्प भी चुन सकते हैं।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

17 हजार से अधिक केंद्रीय कर्मियों को बंगाल में दूसरे चरण का मतदान कराने के लिए तैनात किया गया है। चुनाव कर्मियों के संकट को दूर करने के लिए चुनाव आयोग ने यह निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 27 अप्रैल, 2026
www.jagran.com

मतुआ शरणार्थियों को सीएए के तहत नागरिकता देकर रहेंगे : मोदी

मिशन बंगाल ▸ पीएम ने कहा- शरणार्थियों के सुख-दुख की चिंता करना भारत का दायित्व

बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले पीएम ने चुनावी रैली में मतुआ समुदाय को साधा

राजीव कुमार झा • जागरण

उत्तर 24 परगना के बनगांव में रविवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। आइएएनएस

तुम मुझे वोट दो, मैं टीएमसी से आजादी दिलाऊंगा

मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आजादी से पहले के प्रसिद्ध नारे- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का जिक्र करते हुए कहा कि आज बंगाल को आपके एक वोट की जरूरत है। आप भाजपा को अपना वोट दीजिए, हम आपको टीएमसी के महाजंगलराज से आजादी दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि जब अत्याचार की हद हो जाती है तो जनता मां दुर्गा का रूप धरकर अन्याय का विसर्जन कर देती है। शाम के वक्त पीएम ने कोलकाता के बीके पाल इलाके में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में लंबा रोड शो भी किया।

कोलकाता: बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण के मतदान से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की राजनीति में वोट के लिहाज से प्रभावशाली हिंदू शरणार्थी मतुआ व नामशुद्र समुदाय को रविवार को पूर्ण भरोसा देते हुए कहा कि उन्हें संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत हर हाल में नागरिकता दी जाएगी। चुनाव प्रचार संपन्न होने से एक दिन पहले बांग्लादेश की सीमा से सटे उत्तर 24 परगना जिले में मतुआ समुदाय के गढ़ ठाकुरनगर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि शरणार्थियों के सुख-दुख की चिंता करना भारत का ऐतिहासिक दायित्व है।

मतुआ समुदाय को साधने के प्रयास के तहत मोदी ने उल्लेख किया कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी को शरणार्थियों का प्रवक्ता माना जाता था। उन्हीं के संस्कार भाजपा के भीतर हैं और विभाजन से लेकर आज तक हर शरणार्थी परिवार को हम अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। इसीलिए मेरी सरकार सीएए कानून लेकर आई। वरना दशकों तक यह काम नहीं हुआ था। पीएम ने वचन दिया कि मतुआ, नामशुद्र और अन्य सभी शरणार्थी परिवारों को न सिर्फ नागरिकता मिलेगी बल्कि हर वह दस्तावेज व हक मिलेगा जो देश के किसी भी नागरिक को मिलता है, यह मोदी की गारंटी है।

70 से अधिक सीटों पर मतुआ समुदाय का प्रभाव : पीएम ने यह भरोसा ऐसे वक्त में दिया है, जब विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नाम कटने के बाद शरणार्थी मतुआ समुदाय के लोग अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं। मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के रहने वाले मतुआ हिंदू हैं, जो विभाजन के दौरान और बांग्लादेश बनने के बाद भारत में आकर बस गए थे। मतुआ समुदाय की बंगाल में करीब डेढ़ करोड़ आबादी है और राज्य की 70 से अधिक विधानसभा सीटों पर उनका प्रभाव है।

'पहले चरण में ही टीएमसी का अहंकार टूट गया' : पीएम ने हुगली जिले के हरिपाल में भी जनसभा को संबोधित किया। ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण में ही लोगों ने कमाल कर दिया है और भारी मतदान से टीएमसी का अहंकार टूट गया है। अब दूसरे चरण में भाजपा सरकार की प्रचंड जीत पक्की है। 15 साल पहले टीएमसी मां, माटी और मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी। पर अब इनके मुंह से मां, माटी और मानुष शब्द तक नहीं निकलते। टीएमसी वाले अगर ये याद दिलाएंगे तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट व घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया।

मतुआ गणित पर मोदी-शाह की 'डबल स्ट्राइक'

जयकृष्ण वाजपेयी • जागरण

- मतुआ के गढ़ में ठाकुरनगर से तेहट्ट तक भाजपा का केंद्रित अभियान
- 2021 के बांग्लादेश दौरे की स्मृति के साथ मतुआ वोट बैंक साधने का प्रयास
- प्रचार थमने से एक दिन पहले भाजपा नेतृत्व का चुनावी दांव

उत्तर 24 परगना के ठाकुरनगर में रविवार को मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

कोलकाता : बंगाल के विधानसभा चुनाव में मतुआ समुदाय एक बार फिर निर्णायक केंद्र में आ खड़ा हुआ है और भाजपा ने इसे साधने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पांच वर्ष पहले 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बांग्लादेश में ओराकांडी में मतुआ समुदाय के सबसे बड़े पवित्र स्थल (मतुआ समुदाय के संस्थापक गुरु हरिचांद के जन्मस्थान) पर पूजा-अर्चना एक बड़ा प्रतीकात्मक संदेश था। अब 2026 में दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से ठीक पहले, 26 अप्रैल को ठाकुरनगर पहुंचकर वही संदेश नए सिरे से दोहराया गया है, लेकिन इस बार जमीन बंगाल की है और दांव कहीं ज्यादा बड़ा।

ठाकुरनगर, जो उत्तर 24 परगना जिले में मतुआ आस्था और सामाजिक प्रभाव का केंद्र है, वहां प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी केवल एक चुनावी रैली भर नहीं थी। गुरु हरिचांद और गुरुचांद ठाकुर की ठाकुरबाड़ी यानी मंदिर में दर्शन-पूजन से यह संकेत देने की कोशिश की कि भाजपा मतुआ अस्मिता और धार्मिक-सामाजिक पहचान को सीधे संबोधित कर रही है। एक ओर ठाकुरनगर में प्रधानमंत्री, तो दूसरी ओर नदिया के मतुआ बहुल इलाकों- तेहट्ट और राणाघाट में गृह मंत्री अमित शाह की सभाएं और बारासात में रोड शो, यह संकेत देता है कि पार्टी इस समुदाय को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

ठोस चुनावी गणित : इस सक्रियता के पीछे केवल भावनात्मक जुड़ाव ही नहीं, बल्कि ठोस चुनावी गणित भी है। मतुआ और नामशूद्र समुदाय राज्य की 30 से 40 विधानसभा सीटों पर सीधे तौर पर परिणाम प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। यदि अन्य अनुसूचित जाति बहुल सीटों को जोड़ दिया जाए, तो यह प्रभाव 70 से 80 सीटों तक फैल जाता है। हालांकि, इस बार परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं। मतदाता सूची में कथित तौर पर बड़ी संख्या में नाम कटने की शिकायतों ने समुदाय के भीतर असंतोष पैदा किया है। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व की लगातार मौजूदगी, साथ में दिए जा रहे भरोसा और वादों को केवल प्रचार नहीं, बल्कि डैमेज कंट्रोल और विश्वास बहाली की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

भाजपा जहां धार्मिक-सांस्कृतिक जुड़ाव और नागरिकता के वादों के सहारे समर्थन मजबूत करने में जुटी है, वहीं तृणमूल स्थानीय नेतृत्व और सामाजिक योजनाओं के जरिये इस प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रही है।

बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा गुंडा व सिंडिकेट राज का करेगी अंत: शाह

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- कहा- पहले चरण की बंपर वोटिंग देख घुसपैठिए समेटने लगे बोरिया-बिस्तर

नदिया के राणाघाट दक्षिण में रविवार को चुनावी जनसभा के दौरान समर्थकों का उत्साहवर्धन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य में गुंडा राज और सिंडिकेट राज का अंत करेगी। नदिया जिले के तेहट्ट और राणाघाट दक्षिण में दो चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार का सफाया कर दिया है।

शाह ने लोगों से कहा कि दूसरे चरण में भी मतदान करने से न डरें, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त व्यवस्था की है। कोई भी गुंडा आपको वोट डालने से नहीं रोक पाएगा। उन्होंने दोहराया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह राज्य में छिपे घुसपैठियों की पहचान करेगी और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेगी। शाह ने कहा कि पहले चरण की बंपर वोटिंग देखकर घुसपैठिए बोरिया-बिस्तर समेटने लगे हैं।

शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आतंकवाद और माओवाद से मुक्त किया है। भाजपा सरकार आने के बाद हम चुन-चुन कर घुसपैठियों को निकालने का काम करेंगे। शाह को तेहट्ट में कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ के बावजूद भारी वर्षा के कारण अपना संबोधन छोटा करना पड़ा। शाह ने शाम के वक्त उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में एक रोड शो भी किया, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।

बंगाल में बम मिलने और वोटरों को धमकाने पर चुनाव आयोग और सख्त

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आयोग ने कहा-थाना प्रभारियों को भुगतने होंगे गंभीर नतीजे
- पुलिस अधिकारियों से कहा, 24 घंटे में जब्त करें सारे विस्फोटक

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पूर्व कई क्षेत्रों से विस्फोटकों के मिलने और मतदाताओं को धमकाने की घटनाओं को देखते हुए चुनाव आयोग ने कड़े कदम उठाए हैं। चुनाव आयोग ने बंगाल पुलिस को विशेष अभियान के तहत बम बनानेवालों की धरपकड़ करने के साथ ही बम बनाने के सभी मामलों की जांच एनआइए से कराने का फैसला लिया है।

आयोग ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर सहित राज्य के सभी डीसीपी, एसपी और थाना प्रभारियों से 24 घंटे के भीतर अपने क्षेत्रों से ऐसे विस्फोटकों को बगैर किसी चूक के जब्त करने को कहा है। साथ ही कहा यदि इसके बाद किसी भी क्षेत्र से विस्फोटक मिलने या मतदाताओं के बीच भय फैलाने व धमकाने की कोई घटना होती है तो उस क्षेत्र के पुलिस इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

आयोग ने यह निर्देश तब दिया है जब बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर विधानसभा क्षेत्र के एक गांव से सुरक्षा बलों ने सौ जिंदा देसी बम बरामद किए। दावा है कि टीएमसी समर्थकों ने चुनाव के दिन मतदाताओं को डराने के लिए इसे एक घर में छुपाया था। इससे पहले आयोग से रात में बाइक सवार बदमाशों द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर धमकाने का भी एक वीडियो भेजकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें रात में बाइक में सवार होकर कुछ लोग नारे लगा रहे है। दावा है कि ये वीडियो डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र का है, जिसमें टीएमसी के समर्थक सवार थे।

आयोग को दूसरे कई जिलों से भी ऐसी शिकायतें मिली है। आयोग के अधिकारियों के मुताबिक राज्य में चुनावी हिंसा का पुराना इतिहास रहा है, लेकिन पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने और भारी संख्या में मतदान के बाद से दूसरे चरण में मतदाताओं को डराने और धमकाने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। हालांकि आयोग पूरी ताकत से ऐसी ताकतों को रोकने के लिए तैयार है। जहां कहीं गड़बड़ी मिलेगी, उन क्षेत्रों के अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

आयोग ने डायमंड हार्बर में बाइक लेकर रात में घूमने के मामले में एफआइआर भी दर्ज कराई है।

ममता बोलीं, दो-तिहाई सीटें न मिलीं तो खरीद-फरोख्त को तैयार बैठी है भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- बंगाल की मुख्यमंत्री ने आपरेशन लोटस की जताई आशंका
- पुलिस पर भाजपा के लिए काम करने का लगाया आरोप

भवानीपुर में रविवार को रोड शो करतीं ममता बनर्जी। प्रेट्र

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले राज्य की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने रविवार को आपरेशन लोटस जैसी आशंका जताते हुए कहा कि अगर अगर हमें दो-तिहाई सीटें नहीं मिलती हैं तो विधायकों की खरीद-फरोख्त करने के लिए भाजपा तैयार बैठी है। चुनाव प्रचार खत्म होने से एक दिन पहले अपने विधानसभा क्षेत्र कोलकाता के भवानीपुर में खुद के लिए धुआंधार प्रचार करते हुए ममता ने हालांकि पूर्ण भरोसा जताया कि तृणमूल लगातार चौथी बार पूर्ण बहुमत के साथ जीत दर्ज कर सरकार बनाएगी।

ममता ने फिर शिकायत की कि अभी चुनाव आयोग के अधीन राज्य की पुलिस अब मुझे भूल गई है। ममता ने आरोप लगाया कि पुलिस अभी पूरी तरह भाजपा का होकर काम कर रही है। ममता ने दूसरे चरण के मतदान में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए आरोप लगाया कि ईवीएम में गड़बड़ी की कोशिश हो सकती है। सतर्क करते हुए कहा कि अगर आप सुनें कि 2000 वोट के बाद मशीन खराब हो गई है, तो सतर्क हो जाएं।

रवि किशन के रोड शो में भाजपा-तृणमूल समर्थक भिड़े, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- टीएमसी समर्थकों ने जय बांग्ला तो भाजपाइयों ने जय श्रीराम के लगाए नारे
- दोनों पक्षों में तीखी बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई

भाजपा सांसद रवि किशन रविवार को हावड़ा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में रविवार को पार्टी प्रत्याशा उमेश राय के समर्थन में रोड शो किया। प्रेट्र

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले प्रचार के दौरान रविवार को हावड़ा में माहौल गरमा गया। अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन के रोड शो के दौरान तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच जोरदार टकराव हो गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस और केंद्रीय बलों को हस्तक्षेप कर लाठीचार्ज करना पड़ा।

भाजपा ने उत्तर हावड़ा में अपने उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में रोड शो का आयोजन किया था। इसी दौरान रवि किशन प्रचार के लिए पहुंचे थे। रोड शो के दौरान पहले से मौजूद तृणमूल कार्यकर्ता व समर्थक 'जय बांग्ला' के नारे लगाने लगे। जवाब में भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस नारेबाजी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई। यह बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई। भाजपा का आरोप है कि उनके रोड शो को रोकने की कोशिश की गई, जबकि तृणमूल का दावा है कि भाजपा समर्थकों ने उनके पार्टी कार्यालय पर हमला किया और तोड़फोड़ की। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल ने लाठीचार्ज किया।

दोनों दलों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप : भाजपा उम्मीदवार उमेश राय ने आरोप लगाया कि तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उनके रोड शो के दौरान भाजपा के झंडे हटाकर अपनी पार्टी के झंडे लगा दिए। वहीं, हावड़ा उत्तर से तृणमूल उम्मीदवार गौतम चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ता इलाके में झंडे लगा रहे थे, जिन्हें भाजपा समर्थकों ने फाड़ दिया और उकसावे के लिए नारे लगाए।

भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के अपमान की शिकायत

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच कोलकाता की टालीगंज सीट से भाजपा प्रत्याशी और अभिनेत्री पापिया अधिकारी विवादों में घिर गई हैं। उन पर चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय ध्वज से पसीना पोंछकर उसका अपमान करने का आरोप लगा है। इस कथित घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। हालांकि ' दैनिक जागरण' ने इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।

आरोप है कि पापिया अधिकारी जनसंपर्क अभियान के दौरान अपने साथ मौजूद तिरंगे से ही चेहरा और पसीना पोंछती नजर आईं।

वीडियो सामने आते ही इसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बताते हुए तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता कोहिनूर मजूमदार ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर अब तक भाजपा या पापिया अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कांग्रेस कार्यकर्ता के घर पर हमले में तीन घायल, अधीर ने दिया विवादित बयान

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले- पार्टी कार्यकर्ता सुरक्षा के लिए घर में रखें हथियार
- बीरभूम में भाजपा प्रत्याशी पर हमला, तृणमूल कार्यकर्ताओं पर लगाए आरोप

रविवार को मुर्शिदाबाद में प्रेस कान्फ्रेंस करते कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी। प्रेट्र

मुर्शिदाबाद के बहरमपुर में शनिवार रात एक कांग्रेस कार्यकर्ता के घर पर हमला करके तीन लोगों को मारा-पीटा गया। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। हमले का आरोप बहरमपुर शहर युवा तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष पापाई घोष पर लगा है। वहीं, घोष ने इससे साफ इन्कार किया है।

दूसरी तरफ बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व स्थानीय कांग्रेस प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी ने इस वारदात पर विवादित बयान देते हुए कहा है कि कांग्रेस समर्थक अपनी सुरक्षा के लिए घर में हथियार रखें। कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। तृणमूल व वाममोर्चा के स्थानीय नेताओं ने अधीर के बयान को हिंसा भड़काने वाला बताया है।

वहीं, बीरभूम जिले के नानूर में भाजपा प्रत्याशी खोकन दास पर हमले और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की घटना घटी है। उन्होंने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि प्रत्याशी खुद नशे की हालत में थे।

आइएसएफ नेता नौशाद सिद्दीकी पर हमला : उत्तर 24 परगना जिले के हाड़ोआ विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस और आइएसएफ के बीच हिंसक झड़प से माहौल तनावपूर्ण हो गया। आइएसएफ के विधायक नौशाद सिद्दीकी के साथ कथित बदसलूकी और हमले की कोशिश को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। सुरक्षाबलों ने सिद्दीकी को वहां से सुरक्षित निकाला।

भांगड़ में 100 बम बरामद : उत्तर 24 परगना के उत्तर काशीपुर इलाके में एक टीएमसी कार्यकर्ता के घर के पीछे स्थित आम के बाग से करीब 100 बम बरामद किए। बम निरोधक दस्ते ने सभी बमों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। आइएसएफ का आरोप है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने इलाके में अशांति फैलाने और विरोधियों को डराने के उद्देश्य से बम जमा कर रखे थे। टीएमसी ने आरोपों को खारिज किया है। दक्षिण 24 परगना जिले के दक्षिण बामुनिया में इसी साल मार्च में हुए विस्फोट मामले में एनआइए ने मुख्य आरोपित अहिदुल इस्लाम मोल्ला को गिरफ्तार किया है।

शहरी बंगाल का दिल

भवानीपुर से जोड़ासांको तक सियासी घमासान, तृणमूल के अभेद्य माने जाने वाले दुर्ग में सेंधमारी के लिए बेताब है भाजपा, कोलकाता की सभी 11 सीटों पर 2011 से सत्तारूढ़ तृणमूल का है कब्जा

कोलकाता की 11 सीटों पर टीएमसी की हैटट्रिक को चुनौती

राजीव कुमार झा • जागरण

प्रतीकात्मक

कई सीटों पर हिंदी भाषियों का है प्रभाव

कई सीटों पर हिंदी भाषी मतदाताओं का भी खासा प्रभाव है। जिसमें जोड़ासांको, श्यामपुकुर, काशीपुर-बेलगछिया व चौरंगी में इनका प्रभाव सबसे ज्यादा निर्णायक माना जाता है। खासकर पुराने व्यापारिक क्षेत्र में अच्छी-खासी मौजूदगी हैं। भवानीपुर, बालीगंज, रासबिहारी, बेलेघाटा व मानिकतल्ला में भी हिंदी भाषी कुछ पाकेटों में मौजूद हैं।

कोलकाता: बंगाल चुनाव में राजधानी कोलकाता की 11 विधानसभा सीटें राज्य की सियासत का केंद्र मानी जाती हैं। ये सीटें सिर्फ संख्या के लिहाज से नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश और शहरी मूड तय करने के कारण बेहद अहम हैं। पिछले तीन विधानसभा चुनावों में कोलकाता की सभी 11 विधानसभा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस शानदार जीत दर्ज करती आ रही है। इस बार भाजपा ने इसमें सेंध लगाने व कमल खिलाने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। इन सीटों पर उच्च व मध्यम वर्ग से लेकर झुग्गी बस्तियों के निवासी, अल्पसंख्यक समुदाय और कामकाजी वर्ग का मिश्रण चुनावी परिणामों को जटिल बनाता है।

चुनाव आयोग ने प्रशासनिक रूप से इन 11 सीटें को दो जिलों- उत्तर कोलकाता व दक्षिण कोलकाता में बांट रखा है। इसमें भवानीपुर खुद मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का गृह व परंपरागत विधानसभा क्षेत्र है, जो इस क्षेत्र को राजनीतिक रूप से और भी हाई-प्रोफाइल बनाती है। राज्य की सबसे हाई प्रोफाइल भवानीपुर सीट पर इस बार बेहद दिलचस्प मुकाबला है, जहां ममता के विरुद्ध भाजपा की तरफ से उनके पूर्व सहयोगी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। इस सीट पर पूरे देश की नजर है।

2019 के बाद भाजपा ने बढ़ाई है पैठ : भाजपा ने 2019 लोकसभा चुनाव के बाद से शहरी क्षेत्रों में अपनी पैठ बढ़ाई है, जिसका असर इन सीटों पर भी दिख रहा है। 2021 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में कोलकाता की कई सीटों पर भाजपा के वोट प्रतिशत में काफी वृद्धि देखी गई।

ये हैं प्रमुख मुद्दे : कोलकाता की इन 11 सीटों पर सबसे बड़ा मुद्दा है- पुरानी शहरी बुनियादी संरचना। कई इलाकों में अब भी 100 साल से ज्यादा पुरानी जल निकासी प्रणाली काम कर रही है, जिससे हर वर्षा में जलजमाव आम समस्या बन जाती है। इसके अलावा घनी व बढ़ती आबादी, सडक़ों का पुराना ढांचा, ट्रैफिक जाम, पार्किंग की समस्या और प्रदूषण भी लोगों की चिंता का विषय है। रोजगार और छोटे व्यापारियों की स्थिति भी बड़ा मुद्दा है। युवा वर्ग निजी क्षेत्र में अवसरों की कमी को लेकर नाराज दिखता है।

राजनीतिक समीकरण : तृणमूल का सबसे बड़ा भरोसा महिला वोट बैंक और अल्पसंख्यक समर्थन पर है। लक्ष्मी भंडार और अन्य सामाजिक योजनाओं का असर दिखता है। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी भाजपा बदहाल शहरी व्यवस्था, बढ़ते घुसपैठ व परिवर्तन जैसे मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है।

दो साल से लापता पत्नी को पति ने मतदान केंद्र पर घेरा

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी

- नक्सलबाड़ी में हैरान करने वाला मामला, बूथ पर हाई-वोल्टेज ड्रामा
- पति बोला-पहले वोटर कार्ड से मेरा नाम हटाओ, लोगों के समझाने पर माना

बंगाल विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान के कई पहलू सामने आ रहे हैं। दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने चुनावी उत्साह के बीच हुए पति-पत्नी के विवाद को लेकर चौंकाया। यहां एक व्यक्ति ने अपनी दो साल से लापता पत्नी का मतदान केंद्र पर पांच घंटे तक इंतजार किया। उसे भरोसा था कि उसकी पत्नी घर आए न आए, बूथ पर वोट देने जरूर आएगी। उसका यह अंदेशा सही निकला। हालांकि, पत्नी के आते ही मतदान केंद्र पर उसने भारी हंगामा खड़ा कर दिया। जैसे ही पत्नी वोट डालने बूथ पहुंची, पति ने उसे पकड़ लिया और मतदान से रोका। इसे लेकर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

यह घटना सिलीगुड़ी सब-डिवीजन के माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 25-238 की है। पहले चरण के मतदान के दिन 23 अप्रैल को बूथ पर हुई इस घटना के दौरान पति-पत्नी के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मतदान केंद्र पर मौजूद लोग और सुरक्षा बल के जवान भी चौंक गए। पति का आरोप था कि जब तक महिला अपने मतदाता पहचान पत्र से उसके नाम को नहीं हटवाती, तब तक वह उसे वोट नहीं डालने देगा। महिला ने साफ कहा कि वह पति के साथ नहीं रहना चाहती और उसे मताधिकार का इस्तेमाल करने से कोई नहीं रोक सकता। मौजूद पुलिस और केंद्रीय बल के जवानों ने हस्तक्षेप किया।

50 वीं वर्षगांठ है मंगलवार को सिक्किम राज्य की स्थापना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मौके पर होने वाले समारोह में भाग लेंगे। वह सोमवार दोपहर राजधानी गंगटोक पहुंचेंगे। अगले दिन पालजोर स्टेडियम में स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे।

पंजाब सरकार ने हरभजन सिंह की सुरक्षा हटाई, केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ लगाई

पूर्व क्रिकेटर व रास सदस्य हरभजन को भगवंत मान सरकार ने दे रखी थी वाई प्लस सुरक्षा

दूसरे दिन भी हरभजन, अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के घर के बाहर प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में उठापटक के बीच भगवंत मान सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए पूर्व क्रिकेटर और भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली। हरभजन को वाई प्लस सुरक्षा दी गई थी लेकिन रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया। पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटते ही केंद्र ने उन्हें सीआरपीएफ की सुरक्षा दे दी। इससे पहले राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की सुरक्षा में भी बदलाव किया गया था। बाद में उन्हें केंद्र की ओर से जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। अब हरभजन को लेकर उठे इस कदम को उसी कड़ी में देखा जा रहा है।

भाजपा में शामिल हुए अन्य राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत साहनी ने दावा किया कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस्तीफा मांगा था।

हरभजन सिंह। फाइल

उन्होंने कहा कि मेरा मन भी बन गया था लेकिन सलाहकारों ने रोक लिया। साहनी ने कहा कि पंजाब इस समय आइसीयू में है। पंजाब बचाने के लिए मजबूत केंद्र के सहयोग की जरूरत है। दरअसल, राघव चड्ढा ने दावा किया था कि आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने स्पीकर को भाजपा में विलय के लिए लिखा है। इनमें हरभजन का नाम भी शामिल बताया गया। हालांकि, हरभजन ने इस पूरे मामले पर अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आप कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन: सात राज्यसभा सदस्यों की ओर से पार्टी छोड़ने के बाद से आप कार्यकर्ताओं में रोष दूसरे दिन भी जारी रहा। जालंधर, लुधियाना और फगवाड़ा में पार्टी कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के आवास और संस्थानों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उक्त नेताओं का पुतला फूंका गया। शनिवार को भी प्रदर्शन किया गया था और इस दौरान उनके घरों व संस्थानों की दीवारों पर 'पंजाब के गद्दार' नारे भी लिखे थे। गौरतलब है कि राजनीतिक तनाव के आम आदमी पार्टी भी सातों सदस्यों की सदस्यता समाप्त करवाने में जुटी हुई है। शनिवार को ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा था। माना जा रहा है कि वह पार्टी बदलने वाले सांसदों के खिलाफ संवैधानिक कार्रवाई की मांग उठा सकते हैं।

निर्वाचित नेताओं को दल बदलने से रोकने को बने कानून : अन्ना हजारे

अहिल्यानगर, आइएएनएस : सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने रविवार को एक ऐसा कानून लाने और लागू करने की मांग की, जो किसी विशेष राजनीतिक दल के बैनर तले चुने गए नेताओं को दल-बदल करने से प्रतिबंधित करे। उन्होंने जनता से किसी विशेष नेता को वोट देने से पहले सोच-समझकर निर्णय लेने का भी आग्रह किया। उनकी यह प्रतिक्रिया राज्यसभा के सात सदस्यों के आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल होने के बाद उत्पन्न हुए महत्वपूर्ण राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर आई है। उन्होंने कहा "संविधान हमेशा समाज और राष्ट्र के कल्याण पर केंद्रित रहता है। इसमें किसी राजनीतिक दल का उल्लेख नहीं है। आज समाज में विवाद और संघर्ष ऐसे गुटों और राजनीतिक दलों के कारण बढ़ रहे हैं। लोग अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुए एक दल से दूसरे दल में जाते हैं, जहां उन्हें लाभ दिखता है।" कहा, "ऐसा सख्त कानून बनाया जाना चाहिए, जो निर्वाचित नेताओं को दूसरे दलों में जाने से रोके। देश कानूनों के आधार पर चलता है। यदि ऐसा कानून लागू किया जाता है, तो ऐसी गलतियां नहीं होंगी।" उन्होंने दोहराया, "इस तरह का कानून लागू होने पर लोग पार्टियां नहीं बदल पाएंगे।

अन्ना हजारे।

राघव चड्ढा के बयान के बाद हरकत में आप, विधायकों पर रखी जा रही नजर

वी के शुक्ला • जागरण

- दिल्ली में संजय सिंह और पंजाब में मनीष सिसोदिया को डैमेज कंट्रोल की सौंपी जिम्मेदारी
- किसी तरह का फोन आने पर रिकार्ड करने और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सूचित करने का निर्देश

नई दिल्ली: पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों के साथ पाला बदलने वाले राघव चड्ढा के बयान के बाद आम आदमी पार्टी हरकत में आ गई है। शनिवार को गुजरात का दौरा बीच में छोड़कर लौटे पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया की पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ लंबी बैठक हुई। इसमें पार्टी को भविष्य के संभावित नुकसान से बचाने पर चर्चा की गई। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद पार्टी के नेता संजय सिंह को दिल्ली और सिसोदिया को पंजाब में डैमेज कंट्रोल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उधर, पार्टी संगठन की ओर से सभी विधायकों और बचे हुए सांसदों को निर्देश दिया गया है कि किसी तरह के फोन आने पर उसे रिकॉर्ड करें और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सूचित करें।

दरअसल राज्यसभा में उप नेता के पद से हटाए जाने पर राघव चड्ढा ने अपने बयान में आने वाले समय में कुछ बड़ा होने की बात कही थी, मगर उस समय आप नेतृत्व ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था। मगर पाला बदल लेने के बाद चड्ढा ने आप विधायकों के संपर्क में होने का फिर से जिस तरह बयान दिया है, इससे आप की चिंता बढ़ गई है। सूत्रों का कहना है कि जिस तरह चड्ढा ने यह बयान दिया है, उससे पार्टी अब इसे गंभीरता से ले रही है।

असंतुष्ट विधायकों को लेकर बना हुआ है खतरा : पार्टी सूत्रों के अनुसार, पंजाब और दिल्ली में ऐसे कई विधायक हैं, जो लंबे समय से असंतुष्ट हैं और ऐसे विधायकों को लेकर खतरा बना हुआ है। पंजाब में आप के 92 में से कुछ ऐसे विधायक नाराज चल रहे हैं जो मंत्री पद न मिलने या किन्हीं अन्य कारणों से पार्टी से नाराज हैं। इनमें से कई चड्ढा और संदीप पाठक के करीबी माने जाते हैं। चर्चा तो यहां तक है कि पंजाब के 63 से अधिक विधायक चड्ढा और पाठक के संपर्क में हैं। उन विधायकों को भी कमजोर कड़ी माना जा रहा है, जो पूर्व में कांग्रेस या शिरोमणि अकाली दल छोड़कर आए थे।

हरियाणा के पूर्व नेता नवीन जयहिंद ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में पंजाब के लगभग 28 विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो पंजाब के विधायकों के बीच चड्ढा और पाठक इन दोनों नेताओं की गहरी पैठ रही है। चुनावी प्रबंधन के दौरान कई विधायकों के टिकट वितरण में इनकी अहम भूमिका थी, जिसके कारण वे अब भी इनके सीधे संपर्क में हैं।

आम आदमी पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता करते आप नेता संजय सिंह । जागरण

संजय सिंह ने अफवाह फैलाने का लगाया आरोप

आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने रविवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि पंजाब में पार्टी के विधायक राघव चड्ढा आदि के संपर्क में हैं। उन्होंने इस तरह की बातों को अफवाह बताया। उन्होंने प्रेसवार्ता कर यह भी कहा, राघव चड्ढा समेत सातों सांसदों की सदस्यता समाप्त करने के लिए राज्यसभा के सभापति को याचिका भेज दी है। वरिष्ठ वकील और संविधान विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि आप को छोड़ भाजपा में विलय करने वाले सभी सांसदों की सदस्यता जाना तय है। कहा,न्याय मिलने में देर हो सकती है, पर जीत उनकी होगी।

51.80 लाख घरेलू एलपीजी सिलिंडर एक दिन में बंटे, 98% आनलाइन बुकिंग

- अब तक 42,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए
- सरकार ने कहा- सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रहीं, कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार

नई दिल्ली, आइएएनएस: घरेलू एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। शनिवार को 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा, किसी वितरण केंद्र पर गैस की कोई कमी नहीं है। इसके अलावा अब तक 42,500 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने माईपीएनजीडीडाटइन वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं। मार्च से अब तक 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शन जोड़े गए हैं। साथ ही 2.62 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए भी बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है।

इस बीच आनलाइन घरेलू एलपीजी सिलिंडर बुकिंग 98 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वितरक स्तर पर डायवर्जन रोकने के लिए उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्रमाणीकरण कोड आधारित डिलीवरी(डीएसी) 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है। शनिवार को वाणिज्यिक एलपीजी के भी 4.8 लाख सिलिंडर वितरित किए गए। एलपीजी की जमाखोरी, कालाबाजारी पर रोक के लिए कार्रवाई जारी है। शनिवार को देशभर में 2,100 से अधिक छापे मारे गए। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने 310 एलपीजी वितरण केंद्रों पर अनियमितता पाए जाने पर जुर्माना लगाया है 70 वितरण केंद्रों को निलंबित किया गया है। सरकार ने कहा है, देशभर में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही नागरिकों को घबराकर पेट्रोल, डीजल व एलपीजी की खरीदारी करने से बचने और सही जानकारी के लिए आधिकारिक स्त्रोतों पर निर्भर रहने की सलाह दी है। सरकार ने कहा कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं।

चिपको आंदोलन की नायिका बचनी देवी का 100 वर्ष की आयु में निधन

जासं, नई टिहरी: उत्तराखंड में हेंवलघाटी की चिपको आंदोलन की प्रमुख हस्ती बचनी देवी का शनिवार को देहरादून में निधन हो गया। उनके निधन पर चिपको आंदोलन और सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने शोक व्यक्त किया। रविवार को उनके पैतृक घाट शिवपुरी में अंतिम संस्कार किया गया।

बचनी देवी। फाइल

वर्ष 1977 में, जब सरकार ने जंगलों के कटान की अनुमति दी, बचनी देवी ने धूम सिंह नेगी व अन्य नेताओं संग मिलकर इसका विरोध किया। उन्होंने अपने पति, जो उस समय गांव के प्रधान और जंगलों के ठेकेदार थे, के खिलाफ जाकर जंगलों की रक्षा का संकल्प लिया। बचनी देवी ने महिलाओं को संगठित किया और आंदोलन में सक्रिय रहीं।

ग्रोक ने प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल के मुकाबले मोदी को चुना

- कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति की तुलना में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का किया समर्थन
- देश के बुनियादी ढांचे, विकास, डिजिटल इंडिया और यूपीआइ की लोकप्रियता का दिया हवाला

नई दिल्ली, आइएएनएस : इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रसारित एक पोस्ट रविवार को ट्रेंड करती रही, जिसमें एआइ चैटबाट ग्रोक ने कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति की तुलना में मोदी सरकार का समर्थन किया। कई यूजरों ने ग्रोक से पूछा कि अगर वह भारतीय नागरिक होता तो किसे वोट देता? चैटबाट ने बार-बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिया। कई यूजरों ने चैटबाट से इसी तरह का सवाल पूछा और प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी को विकल्प के रूप में पेश किया। जवाब में ग्रोक ने अपनी सीमाओं को स्पष्ट किया, लेकिन फिर भी अपनी पसंद बताई।

दरअसल, एक यूजर ने पूछा-हाय ग्रोक, अगर आप भारतीय नागरिक होते, तो प्रधानमंत्री पद के लिए किसे वोट देते? इस पर एआइ चैटबाट ग्रोक ने जवाब दिया कि एक ऐसे एआइ के तौर पर जिसके पास वोट देने या नागरिकता का अधिकार नहीं है, मान लीजिये मैं प्रधानमंत्री पद के लिए नरेन्द्र मोदी का समर्थन करूंगा। इसके लिए उसने बुनियादी ढांचा विकास, डिजिटल इंडिया और यूपीआइ की बढ़ती लोकप्रियता और भारत के विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने का हवाला दिया।

एक्स पर यूजर के सवाल और ग्रोक की प्रतिक्रिया का स्क्रीनशाट। इंटरनेट मीडिया >>

कहा कि रोजगार, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में परिणाम अधिक निर्णायक हैं। राहुल गांधी के बारे में उसने कहा कि वह कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना करते हैं। और अंत में कहा-परिवारवाद से ऊपर आंकड़े मायने रखते हैं।

यह उत्तर देखते ही देखते बहुप्रसारित हो गया। विशेष रूप से "परिवारवाद से ऊपर डाटा" फ्रेज पर व्यापक रूप से चर्चा हुई और इसे बार-बार साझा किया गया, जो बहस का केंद्र बिंदु बन गया।

एक अन्य यूजर ने जब ग्रोक से अपना तर्क और स्पष्ट करने के लिए कहा, तो चैटबाट ने जवाब दिया-एक एआइ होने के नाते मैं किसी पार्टी को वोट नहीं देता या उसका समर्थन नहीं करता। मान लीजिए कि मैं एक भारतीय नागरिक हूं, तो मैं नेताओं का मूल्यांकन परिणामों के आधार पर करूंगा। इनमें आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी का उपयोग, सुरक्षा और नौकरशाही में कमी शामिल है। मोदी का कार्यकाल डिजिटल इंडिया, राजमार्गों, यूपीआइ और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन दिखाता है। इसलिए मैं उन पर गंभीरता से विचार करूंगा।

गुजरात में भाजपा को 40- 50 साल तक सत्ता से नहीं हटाया जा सकता

- तृकां सांसद यूसुफ पठान ने कहा, जो दल जनता के लिए काम करता है वह सत्ता में बना रहता है

वडोदरा, आइएएनएस: तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान ने कहा है कि गुजरात में भाजपा दशकों तक सत्ता में बनी रहेगी। यूसुफ ने रविवार को अपने परिवार के साथ गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान किया। इसके बाद कहा, 40-50 वर्षों तक गुजरात में भाजपा को सत्ता से नहीं हटाया जा सकता। चाहे कुछ भी हो, तथ्य तो तथ्य ही हैं। वास्तविकता यह है कि जो पार्टी मजबूत होती है, जनता के लिए काम करती है और जनता जिसे पसंद करती है, वही सत्ता में बनी रहती है।

यूसुफ ने कहा, गुजरात के लोग भाजपा को पसंद करते हैं और विकास के आधार पर उसे वोट देते हैं, इसलिए भाजपा गुजरात में सत्ता में बनी रहेगी। लोग गुजरात में हुए विकास कार्यों से अवगत हैं। गुजरात के जागरूक लोग हमेशा विकास के लिए मतदान करते हैं। यूसुफ ने यह भी कहा, बंगाल में तृणमूल को जनता पसंद करती है। मतदान के रुझानों का जिक्र करते हुए कहा, 91-92 लाख मतदाताओं के नाम हटने से मतदान प्रतिशत बढ़ा है। अगर 92 लाख मतदाताओं को भी शामिल कर लिया जाए, तो भी मतदान प्रतिशत 80-81 प्रतिशत ही रहेगा। इसमें कोई 'जादू' नहीं है। ज्ञात हो, गुजरात में रविवार को अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा व राजकोट समेत 15 नगर निगमों के लिए मतदान हुआ। 84 से अधिक नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए भी मतदान हुआ। मतगणना 28 अप्रैल को होगी।

वडोदरा में रविवार को नगर निगम चुनाव में मतदान के बाद अंगुली पर स्याही का निशान दिखाते तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान। प्रेट्र

फर्जी दस्तावेज के सहारे लोन पर 2000 ट्रैक्टर खरीदने वाले धोखाधड़ी गिरोह का राजफाश

- राजस्थान पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह का किया राजफाश, गिरोह का सरगना मथुरा से गिरफ्तार, 12 साल से था फरार

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान पुलिस ने वाहनों के अवैध कारोबार करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का राजफाश किया है। गिरोह का सरगना उप्र के मथुरा जिले का आबिद मेवाती है, जिसे पुलिस ने तीन दिन पहले गिरफ्तार किया था। वह 12 साल से फरार था। उससे हुई पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह फर्जी दस्तावेज से लोन पर ट्रैक्टर खरीदकर अलग-अलग राज्यों में बेच देता था। गिरोह करीब 2000 ट्रैक्टर की खरीद-बिक्री कर चुका है। गिरोह राजस्थान, उप्र, हरियाणा व मप्र में सक्रिय था।

आबिद और उसका गैंग फर्जी दस्तावेज के जरिये फाइनेंस पर ट्रैक्टर खरीदता था। इसके बाद उन्हें दूसरे राज्यों में कम कीमत पर बेच देता था। कई बार वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराकर बीमा कंपनी से क्लेम भी ले लेता था। पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह वाहनों की चोरी भी करता था। राजस्थान, मप्र और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग थानों में आबिद के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के 13 मामले दर्ज हैं। गिरोह ने अधिकांश फर्जीवाड़ा राजस्थान के भरतपुर, डीग एवं अलवर जिलों में किया है।

करीब 60 करोड़ का फर्जीवाड़ा: वाहन विशेषज्ञों के अनुसार, देश में 40 से 50 हार्स पावर रेंज के ट्रैक्टरों की कीमत पांच से नौ लाख रुपये तक होती है। अगर यह गिरोह आधी कीमत पर भी ट्रैक्टर बेचता होगा तो उसे औसतन तीन लाख रुपये तक तो मिलते ही होंगे। इस आधार पर यह फर्जीवाड़ा करीब 60 करोड़ रुपये का है।

प्रतीकात्मक

ऐसे पकड़ा गया शातिर : पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि आबिद अपने दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने अपने गांव आ रहा है। इसके बाद पुलिस ने मथुरा में डेरा डाला। पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में बाराती बनकर शादी के पांडाल के आसपास तैनात हो गए। जैसे ही आबिद शादी समारोह में पहुंचा, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

इसलिए करते थे ट्रैक्टरों से फर्जीवाड़ा : पुलिस का मानना है कि जांच पूरी होने पर फर्जीवाड़े की रकम और बढ सकती है। पुलिस के अनुसार, वैसे तो आरोपित और उसके साथी सभी प्रकार के वाहन चोरी करते थे लेकिन ट्रैक्टर को ग्रामीण इलाकों में बेचना आसान होना था। ग्रामीण दस्तावेज की जांच भी ज्यादा नहीं करते थे इसलिए आरोपित उन्हें आसानी से शिकार बना लेते थे।

टाइगर रिजर्व में लगा कैबिनेट मंत्री के बेटे की शादी का पंडाल हटाया

शनिवार को राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इस तरह से सजाया जा रहा था शाही शादी के लिए पंडाल। जागरण

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- हरिद्वार स्थित सुरेश्वरी देवी मंदिर से सटे राजाजी रिजर्व क्षेत्र में किया गया था अतिथियों के स्वागत का प्रबंध
- अनुमति के बिना आयोजन पर सवाल उठने के बाद वन विभाग ने की कार्रवाई, दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार स्थित सुरेश्वरी देवी मंदिर से सटे राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र में उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री खजान दास के बेटे की शादी पर सवाल उठने से वन विभाग हरकत में आया। मंदिर परिसर में तैयार किए गए भव्य पंडाल को रातों-रात हटाया गया। साथ ही मंदिर प्रबंधन से जुड़े दो लोगों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा भी दर्ज किया गया। मामला तूल पकड़ने पर रविवार को सादगी के साथ सात फेरे लिए गए। जहां पहले करीब 500 मेहमानों के स्वागत की तैयारी थी, वह संख्या भी सीमित कर दी गई। वन विभाग विवाह समारोह के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं देने का दावा कर रहा है। हालांकि मंत्री ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि आयोजन को लेकर उनकी वन विभाग के निदेशक से बातचीत हुई थी।

मामला समाज कल्याण मंत्री खजान दास के परिवार से जुड़ा है। राजाजी टाइगर रिजर्व की हरिद्वार रेंज के अंतर्गत सुरेश्वरी देवी मंदिर परिसर में शनिवार को दिनभर बड़े स्तर पर शादी की तैयारियां चलती रहीं। ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के माध्यम से सैकड़ों कुर्सियां, सोफे, बड़े कूलर, डीजे उपकरण और कैटरिंग का सामान संरक्षित जंगल के भीतर पहुंचाया गया। यह इलाका बाघ, हाथी, गुलदार और अन्य वन्यजीवों की सक्रिय आवाजाही वाला संवेदनशील जोन माना जाता है। ऐसे में अचानक बढ़ने वाली मानवीय गतिविधियों और संभावित शोरगुल को लेकर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई।

इस संबंध में ग्रीमाणों की ओर से शिकायतें मिलने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई की। रेंज अधिकारी महेश सेमवाल बताया कि अभिनव भारद्वाज और आशीष मारवाड़ी के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

> विभाग को केवल भंडारे की सूचना दी गई थी, जो सामान्य धार्मिक गतिविधि की श्रेणी में आती है। बड़े स्तर पर पंडाल लगाया गया था और आयोजन सामग्री लाई गई थी, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और संरक्षित क्षेत्र के नियमों का उल्लंघन है। इसके चलते तत्काल कार्रवाई की गई है।
>
> -अजय लिंगवाल, वाइल्डलाइफ वार्डन, राजाजी टाइगर रिजर्व

मतांतरण का एटीएम

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर बहस तेज, पारंपरिक आस्था बनाम बदलाव पर विवाद, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिले में चर्च का रास्ता पूछने पर लोग खामोश

आस्था का विभाजन : बस्तर में देवगुड़ी-चर्च आमने-सामने

अनिमेष पाल • नईदुनिया

जगदलपुर : बस्तर की सुबहें अब पहले जैसी शांत नहीं रह गई हैं। जंगल की नमी, महुए की गंध और मिट्टी की खुशबू के बीच एक अनदेखा तनाव व्याप्त है। यह तनाव विचारों का है, जहां आस्था के दो रास्तों के बीच खींची गई एक महीन लेकिन गहरी रेखा ने बस्तर के गांवों को दो भागों में बांट दिया है। नारायणपुर के बड़ेडोंगर से बाघनपाल तक गांवों की पगडंडियां अब केवल खेतों और जंगलों तक नहीं जातीं, बल्कि बहस के उन मोड़ों तक पहुंचती हैं, जहां लोग अपनी-अपनी सच्चाई लेकर खड़े हैं।

तोकापाल विकासखंड के बाघनपाल चौक पर चर्च का रास्ता पूछने पर पहले खामोशी मिली। कुछ आंखें मेरी ओर उठीं, जैसे सवाल कर रही हों। परिचय देने पर तनाव की रेखा ढीली पड़ गई। उंगलियों ने चर्च का रास्ता दिखाया, जो गांव के बीच स्थित था, लेकिन उसके चारों ओर एक अदृश्य दीवार खड़ी थी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि अब वे लोग अलग हो गए हैं। न वो हमारे त्योहार में आते हैं, न हम उनके। बाघनपाल के चर्च के पास राजूलाल ने बताया कि वह माड़िया आदिवासी समुदाय से हैं और अब मतांतरित हो चुके हैं। गांव वाले अब उनसे बात नहीं करते और मरने पर जमीन भी नहीं देना चाहते। धर्म स्वातंत्र्य विधेयक के आने के बाद घर वापसी का दबाव बढ़ता दिख रहा है।

वैचारिक स्तर पर दो हिस्सों में बंट गया है गांव : बाघनपाल का चर्च केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गांव के बदलते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले यही चौक सामूहिक फैसलों का केंद्र था, लेकिन अब गांव दो हिस्सों में बंटता दिखता है। हाल ही में बेंगलुरु एयरपोर्ट पर प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई ने इस बहस को और धार दी।

फोटो : देवगुड़ी पर आस्था रखने वाले बाघनपाल के माड़िया जनजाति बहुल गांव में बने चर्च ने गांव की आस्था को दो टुकड़ों में बांट दिया। -नईदुनिया

> हमारी परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है। देवगुड़ी (आदिवासियों के कुल देवता या ग्राम देवता का पवित्र स्थान) सिर्फ पूजा का स्थान नहीं, हमारी पहचान है। अगर गांवों में बाहरी प्रभाव से यह व्यवस्था टूटती है, तो इसे रोकना जरूरी है। ग्राम सभाएं अब इस पर सख्त फैसला लेंगी।
>
> - राजाराम तोड़ेम, प्रांताध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज

> विदेशी फंडिंग व मतांतरण के आरोप बेबुनियाद हैं। बस्तर में लंबे समय से विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम के प्रविधान लागू हैं। धर्म स्वातंत्र्य विधेयक संविधान के खिलाफ है और यह धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित करता है। हम इसका लोकतांत्रिक विरोध जारी रखेंगे।
>
> - रत्नेश बेंजामिन, उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम

100 किलो एमडी ड्रग्स (कृत्रिम नशीला पदार्थ) बरामद किया है राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने जोधपुर जिले में। टीम ने एक फैक्ट्री पर छापा मार कर यह ड्रग्स बरामद किया है। मौके से छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 27 अप्रैल, 2026

अग्रिम जमानत खारिज होने पर सरेंडर का निर्देश नहीं दे सकती अदालत : सुप्रीम कोर्ट

अहम कानूनी स्पष्टीकरण देते हुए पीठ ने कहा, ऐसा करना अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है

धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में झारखंड हाईकोर्ट के फैसले पर शीर्ष अदालत ने जताई आपत्ति

- हाईकोर्ट ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज की व ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने को कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि अदालतों के पास किसी अभियुक्त की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने का अधिकार तो है, लेकिन वे उसे ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का निर्देश नहीं दे सकतीं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट किया कि ऐसा करना अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

यह मामला धोखाधड़ी व जालसाजी के एक आरोपित से जुड़ा है, जिसकी अग्रिम जमानत याचिका झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने न केवल जमानत याचिका नामंजूर की, बल्कि आरोपित को ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने और नियमित जमानत के लिए आवेदन करने का आदेश भी दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा, "यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है, लेकिन उसे यह कहने का अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अब अनिवार्य रूप से सरेंडर करे।" यह विवाद जमीन से जुड़े एक मामले से उपजा था, जिसमें आरोपित के खिलाफ आइपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (कीमती दस्तावेज की जालसाजी), 468, 471 और 120बी के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। झारखंड हाईकोर्ट ने अपनी पिछली सुनवाई और 'सतेंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआइ' मामले का हवाला देते हुए आरोपित को सरेंडर करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दिया गया सरेंडर का निर्देश पूरी तरह से क्षेत्राधिकार विहीन था। शीर्ष अदालत के इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि जमानत याचिका खारिज होने का अर्थ स्वतः यह नहीं है कि अदालत अभियुक्त की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करते हुए उसे सरेंडर के लिए मजबूर करे।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट में गौहाटी हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका दायर की। इसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया था। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी पर आरोप लगाने से संबंधित है कि उनके पास कई पासपोर्ट व विदेश में अघोषित संपत्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट के मामले की स्थिति के अनुसार, यह मामला अभी तक किसी पीठ को सौंपा नहीं गया है। 24 अप्रैल को जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जब कांग्रेस नेता को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गौहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा गया था। आरोपों के बाद मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां ने खेड़ा और अन्य के खिलाफ गौहाटी हाई कोर्ट थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज किए। तेलंगाना हाई कोर्ट ने पहले खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने अग्रिम ट्रांजिट जमानत के अनुदान पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित किया और खेड़ा को गौहाटी हाई कोर्ट जाने के लिए कहा।

3,278 संदिग्ध बांग्लादेशियों में से 3,259 को बंगाल सरकार ने बताया अपना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल : मध्य प्रदेश में पुलिस द्वारा संदिग्ध बांग्लादेशी के रूप में पिछले वर्ष चिह्नित किए गए 3,278 लोगों में से 19 के अलावा बाकी को बंगाल सरकार ने अपने राज्य का निवासी माना है। बंगाल सरकार ने स्वीकार किया है कि 3,259 लोगों के आधार, राशन कार्ड व मतदाता परिचय पत्र उनके यहां से ही बने हैं। शेष 19 लोगों के दस्तावेज को वैध नहीं माना था अतः मप्र पुलिस ने नियमानुसार इन लोगों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा था। ज्ञात हो, केंद्र सरकार ने जून, 2025 में सभी राज्यों से संदिग्ध बांग्लादेशियों की पहचान व उनके दस्तावेज के सत्यापन को कहा था।

इसके बाद राज्य में अभियान चलाया गया और 3,278 लोगों को चिह्नित किया गया था। संदिग्धों के दस्तावेज की पड़ताल के लिए पुलिस की 20 टीमें बंगाल गई थी। इन टीमों ने शासकीय कार्यालयों से दस्तावेज की पुष्टि की, जिनमें 3,259 को सही बताया गया। हालांकि, मप्र का गृह विभाग बंगाल सरकार द्वारा दस्तावेज वैध ठहराए जाने को अंतिम नहीं मान रहा है। अधिकारियों का कहना है कि फिर से सत्यापन कराया जा सकता है। दरअसल, आशंका है कि घुसपैठियों ने बंगाल में फर्जी तरीके से दस्तावेज न बनवा लिए थे। इसी कारण अधिकारियों का कहना है कि संदेह होने पर फिर सत्यापन कराया जाएगा। यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

विदेशी चंदे से बने शमसुल हुदा के मदरसे पर चला बुलडोजर

- संतकबीर नगर में मंडलायुक्त कोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुई कार्रवाई
- ब्रिटिश नागरिकता लेने के बाद मौलाना ने खरीदी थी भूमि

शमशुल हुदा के मदरसे को जमींदोज करते बुलडोजर। जागरण

जागरण संवाददाता, संतकबीर नगर

विदेशी चंदे से बने शमसुल हुदा के मदरसे पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया है। मंडलायुक्त कोर्ट के आदेश के बाद भवन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में पांच बुलडोजर व पोकलेन लगाई गई हैं। ईडी व एनआइए के रडार पर आए कुख्यात मौलाना शमसुल हुदा ने ब्रिटिश नागरिकता लेने के बाद उत्तर प्रदेश में खलीलाबाद शहर के मोतीनगर मोहल्ले में भूमि खरीदी थी। इसी पर दोमंजिला मदरसा बनवाया था। जांच में पुष्टि के बाद भूमि कब्जे में लेकर नवंबर 2025 में भवन सील कर दिया गया था।

11 फरवरी, 2026 को मौलाना की संदिग्ध गतिविधियों की जांच के लिए ईडी और एनआइए की टीम यहां करीब छह घंटे रही थी। विनियमित क्षेत्र में बिना अनुमति निर्मित भवन को ध्वस्त करने का आदेश नियत प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी न्यायालय ने 13 जनवरी, 2026 को दिया था। तब मौलाना के बेटे तौसीफ रजा ने डीएम वमंडलायुक्त कोर्ट में अपील की। 25 अप्रैल को मंडलायुक्त कोर्ट ने अपील खारिज कर ध्वस्तीकरण आदेश बरकरार रखा। रविवार सुबह 10 बजे 100 पुलिसकर्मी, दो कंपनी पीएसी और पांच बुलडोजर के साथ प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। सामान निकालने के लिए आधा घंटे का समय दिया गया, पर कोई सामने नहीं आया। इसके बाद भवन गिराने की कार्रवाई शुरू हुई, जो देर शाम तक चलती रही।

> मदरसे का संचालन बंद कराने और भूमि राज्य सरकार में निहित करने के बाद नियत प्राधिकारी ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। इसके विरुद्ध की गई अपील को जिलाधिकारी व मंडलायुक्त न्यायालय ने खारिज कर दिया, जिसके बाद नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई है। **-आलोक कुमार, जिलाधिकारी**

कान्हा टाइगर रिजर्व में पांच दिन में तीन शावकों की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, मंडला : मप्र के कान्हा टाइगर रिजर्व में पांच दिन के भीतर तीन शावकों की मौत हो गई। तीनों की उम्र करीब एक साल बताई गई। तीनों शावक अमाही बाघिन (टी-141) के हैं। बाघिन काफी कमजोर हो चुकी है, वह शिकार नहीं कर पा रही। ऐसे में उसके चौथे शावक को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। बाघिन को अतिरिक्त डाइट दी जा रही है। बता दें कि कान्हा टाइगर रिजर्व में पांच अप्रैल को एक वयस्क बाघिन की मौत हुई थी। यानी अप्रैल में अब तक कुल चार बाघों की मौत हो चुकी है।

टाइगर रिजर्व प्रबंधन के मुताबिक, बाघिन 21 अप्रैल को चार शावकों के साथ सरही जोन में घूमती दिखी थी। उसी दिन एक शावक की मौत हो गई। 23 अप्रैल को दूसरे शावक का शव मिला। उसकी मौत का कारण सामने नहीं आया। शनिवार को तीसरे शावक की मौत हो गई।

लू से झुलसा उत्तर भारत, कई शहरों में तापमान 45 डिग्री के पार

जागरण टीम, नई दिल्ली

- दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब व हरियाणा में चल रही लू

नई दिल्ली में लाल किला के सामने टोपी व चुनरी लगाकर धूप से बचाव करतीं युवतियां। एएनआइ

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड व हिमाचल समेत उत्तर भारत के कई राज्य लू से झुलस रहे हैं। अलबत्ता, कुछ राज्यों में आंधी, बादल व छिटपुट बारिश ने राहत के संकेत भी दिए हैं। सबसे तीखा असर उप्र व राजस्थान में दिखा, जहां पारा 46 डिग्री के करीब पहुंच गया। बांदा 46.6 डिग्री सेल्सियस के साथ उप्र का सबसे गर्म जिला रहा, जबकि राजस्थान के कोटा में 44.8 व चूरू में 43 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राजस्थान के 10 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचना बताता है कि गर्मी ने व्यापक दायरा ले लिया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राहत सीमित रहने के संकेत दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में बांदा और प्रयागराज में लू के थपेड़ों ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। कानपुर में भी तापमान 45.7 डिग्री तक पहुंच गया। सोमवार तक लू जारी रहने और मंगलवार से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई है। राजस्थान में भी हीट वेव जैसे हालात हैं, जहां पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में तपिश का असर साफ दिख रहा है। उत्तराखंड में अप्रैल की गर्मी ने 17 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। देहरादून में तापमान 39.2 डिग्री पहुंचने व मैदानी इलाकों में हीट वेव की आशंका के बीच प्रशासन ने एहतियातन स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए हैं। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में भी रविवार को पारा 40 डिग्री पार रहा। दूसरी ओर पर्वतीय जिलों में ओलावृष्टि और बिजली गिरने का आरेंज अलर्ट जारी हुआ।

बिहार में बदली दिखी तस्वीर

बिहार में तस्वीर कुछ बदली हुई रही। भीषण गर्मी के बीच रविवार से मौसम करवट लेता दिखा। पटना के तापमान में 6.4 डिग्री की गिरावट राहत लेकर आई। हालांकि, कैमूर 43.5 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। उत्तरी बिहार में गरज-चमक और आंधी-पानी की चेतावनी तथा किशनगंज में 75.4 मिमी बारिश ने संकेत दिया कि कुछ इलाकों में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय होने लगी हैं।

हिमाचल में ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सोलन में लू की चेतावनी ने स्पष्ट किया है कि पहाड़ी राज्य में भी गर्मी असर दिखा रही है। ऊना में तापमान 41.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि कई स्थानों पर सामान्य से दो से सात डिग्री अधिक तापमान रिकार्ड हुआ।

मध्य प्रदेश के कई शहरों में रविवार को भी तेज गर्मी रही। इंदौर में सात साल बाद पारा 43 डिग्री सेल्सियस पहुंचा। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री और न्यूनतम 28.3 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लू का अलर्ट जारी किया है। जम्मू संभाग के जम्मू, कठुआ, सांबा, रियासी और ऊधमपुर जिले में लू चलने से जनजीवन प्रभावित है। इन जिलों में अगले दो दिन तक लू जारी रहेगी। जम्मू में पिछले तीन दिनों से अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब चल रहा है। वहीं, कठुआ में तापमान 40 डिग्री से ऊपर है।

फ्लाइट में महिला केबिन क्रू का वीडियो बनाने के आरोप में यात्री पर केस दर्ज

हैदराबाद, प्रेट्र : कोयंबटूर से उदयपुर जाने वाली फ्लाइट में एक 30 वर्षीय यात्री के खिलाफ केबिन क्रू की महिला सदस्यों की आपत्तिजनक तरीके से तस्वीरें लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। हैदराबाद के आरजीआइ एयरपोर्ट चौकी पुलिस में दर्ज शिकायत में एयरलाइन स्टाफ ने बताया कि यह घटना 24 अप्रैल को हुई थी।

फ्लाइट के उतरने के बाद कथित तौर पर नशे में धुत व्यापारी यात्री को विमान से उतार दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर यात्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि यात्री पर महिला क्रू सदस्यों की तस्वीरें लेने का आरोप है। हालांकि, आरोपित ने आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि उसने कोई तस्वीर नहीं खींची। पुलिस ने बताया कि कोयंबटूर में कारोबार करने वाला यात्री उदयपुर जा रहा था।

दवाओं की अवैध आनलाइन बिक्री पर रोक के लिए अभियान

- आपरेशन- 'वाइप' के तहत दवाओं की आनलाइन तस्करी के 122 मामले सामने आए
- कुछ आनलाइन प्लेटफार्मों को जारी किए नोटिस, "तत्काल" कार्रवाई करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में कुछ दवाओं को बिना डाक्टर की पर्ची या प्रेसक्रिप्शन के खरीदा बेचा नहीं जा सकता है, लेकिन अवैध तरीके से इन दवाओं की आनलाइन खरीद बिक्री बड़ी समस्या है। दवाओं की आनलाइन तस्करी के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रविवार को समन्वित आपरेशन- 'वाइप' - शुरू किया और आनलाइन तस्करी के 122 मामलों की पहचान की।

एनसीबी ने एक बयान में कहा कि उसने वेब बेस्ड इलिसिट एक्टिविटीज प्रिंवेशन एंड इंफोर्समेंट (वाइप) के तहत कुछ आनलाइन प्लेटफार्मों को नोटिस जारी किए हैं, जिसमें उन्हें "तत्काल" कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक सब्सटेंसेस एक्ट) के तहत विनियमित उत्पादों की सूची साझा की गई है ताकि ऐसी सूचियों की पहचान और उन्हें हटाने में मदद मिल सके। इस संबंध में इंडिया मार्ट, ट्रेडइंडिया और डायल4ट्रेड जैसे आनलाइन प्लेटफार्म ने कुछ उपाय किए हैं, जिनमें संदिग्ध विक्रेताओं को निलंबित करना शामिल है। एनसीबी ने 62 प्रतिबंधित पदार्थों से जुड़े 122 मामलों की पहचान की है, जिनमें क्लोनाजेपम, डायजेपम और फेंटानिल जैसी "आमतौर पर दुरुपयोग की जाने वाली" दवाएं शामिल हैं।इनमें से 58 पदार्थ एनडीपीएस अधिनियम के दायरे में आते हैं, जबकि चार को "नियंत्रित" पदार्थों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एनसीबी की तकनीकी टीमें खतरों की पहचान करने और समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए उन्नत उपकरणों और अंतरराष्ट्रीय खुफिया जानकारी का उपयोग करके निगरानी कर रही है। एनसीबी 'आपरेशन वाइप' चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (आइएनसीबी) के खुफिया प्लेटफार्म एसएनओओपी (स्कैनिंग नोवेल ओपिओइड्स आन आनलाइन प्लेटफार्म्स) के नाम से जाना जाता है की मदद ले रही है। यह पहल 'आपरेशन मेड-मैक्स' की सफलता पर आधारित है, जिसे एनसीबी ने अमेरिकी डीईए, आस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और कुछ अन्य विदेशी एजेंसियों के साथ मिलकर जुलाई 2025 में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों की तस्करी गिरोह को खत्म करने के लिए चलाया था।

कोर्ट ने ढोंगी बाबा अशोक खरात को नौ मई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नासिक, प्रेट्र : नासिक की एक स्थानीय अदालत ने ढोंगी बाबा अशोक खरात को यौन शोषण के छठे मामले में रविवार को नौ मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उस पर महिलाओं का यौन शोषण करने, दैवीय शक्तियों और काला जादू का ज्ञान होने का दावा कर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करने के आरोप हैं।

नासिक और अहिल्यानगर जिलों में दर्ज यौन शोषण व धोखाधड़ी के 12 मामलों की जांच कर रही एसआइटी ने गुरुवार को अदालत में आवेदन देकर छठे मामले में खरात की हिरासत की मांग की थी। अनुमति के बाद एसआइटी ने उसे हिरासत में लिया और शुक्रवार को अदालत में पेश किया था,जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेजा गया था। पुलिस हिरासत समाप्त होने पर रविवार को उसे अदालत में पेश किया गया।

मासूम को पहले एक लाख रुपये में खरीदा, कारोबार में हुआ नुकसान तो बेसहारा छोड़ा

नईदुनिया प्रतिनिधि, श्योपुर

- मप्र के श्योपुर में हाईवे पर लावारिस मिली थी ढाई साल की मासूम
- राजगढ़ के करोड़पति मूंदड़ा दंपती को एक लाख रुपये में बेची गई थी बच्ची

आरोपितों ने पुलिस को बताया है कि एक महिला को इस बच्ची की जरूरत नहीं थी इसलिए वह हमलोगों को सौंपकर चली गई थी। हालांकि, पुलिस को शक है कि मासूम को अस्पताल से किसी गिरोह ने चुराकर बेचा था। आरोपितों को कोर्ट में पेश करने के बाद पुलिस ने तीन दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में कई नई जानकारियां मिल सकती हैं।

इंदौर, धार और खरगोन से जुड़े हैं आरोपितों के तार: आरोपित नीता जैन का ब्यूटी पार्लर कई दिनों से बंद है। आरोपितों के तार इंदौर, धार और खरगोन शहरों के कई संदिग्ध लोगों से जुड़े हुए हैं। पुलिस इन तीन शहरों में पहुंचकर कुछ अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार कर सकती है। बच्ची के असली माता-पिता कौन हैं और कहां हैं, पुलिस इस बात का पता लगा रही है। पुलिस ने इस मामले में मूंदड़ा दंपती पर बीएनएस की धारा 98, 99 और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 81 भी बढ़ा दी है। सभी धाराएं बच्चों की खरीद-फरोख्त से जुड़ी हैं।

श्योपुर में बदला प्लान : मूंदड़ा दंपती ने पुलिस को बताया कि वे घर से इसी तैयारी में निकले थे कि खाटू श्याम मंदिर या मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में बच्ची को छोड़ देंगे लेकिन श्योपुर शहर से निकलते ही उनके मन में यह ख्याल आया कि इस सुनसान हाईवे पर छोड़कर चले जाएं तो ज्यादा ठीक रहेगा।

खाना पकाने के साधन के साथ परिवहन व पानी में भी गांव को बनाया आत्मनिर्भर

जागरण विशेष
यशस्वी प्रधान
दीपक प्रजापति ● जागरण

जब दुनिया वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश में जुटी है, तब सहारनपुर का थरौली गांव पेश कर रहा है मिसाल

सहारनपुर : पश्चिमी एशिया में तनाव और ईंधन संकट के बीच जब दुनिया वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश में जुटी है, तब सहारनपुर का थरौली गांव मिसाल बनकर सामने आया है। यहां रसोई की लौ एलपीजी सिलिंडर से नहीं, बल्कि गोबर गैस से जल रही है। लगातार दो बार से चुनी जा रहीं ग्राम प्रधान रीटा चौधरी ने गांव को ईंधन से लेकर ऊर्जा तक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की ललक लगाई तो ग्रामीणों ने उनकी पहल को आत्मसात कर लिया। अब आधे से ज्यादा घरों में ईंधन के लिए गोबर गैस इस्तेमाल हो रही है तो बिजली के लिए सोलर पैनल लगवा लिए गए हैं। इतना ही नहीं, वर्षा जल संचय कर बनाई गई योगी लेक अब गांव के युवाओं के लिए नौकायन का केंद्र बन चुकी है।

ग्राम प्रधान रीटा चौधरी, ग्रामीणों की भागीदारी और लगातार नवाचार ने थरौली को स्मार्ट गांव की पहचान दी है। प्रधान की पहल पर गांव में 10 साल पहले बायोगैस की शुरुआत हुई और फिर कई घरों ने इसे अपनाया। सब्सिडी और सहयोग के बाद करीब छह हजार रुपये में बायोगैस प्लांट तैयार हो जाता है, जिससे सालभर ईंधन की चिंता लगभग खत्म हो जाती है। गांव में बदलाव केवल रसोई तक सीमित नहीं रहा। गांव में 100 से अधिक लोगों ने सार्थक पहल के तहत इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदीं ताकि पेट्रोल पर निर्भरता कम हो। सुरक्षा और सूचना व्यवस्था में भी नई मिसाल पेश की है। करीब 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को मोबाइल से जोड़ा गया है, जिससे किसी भी जगह से ग्रामीण सूचना प्रसारित कर सकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार हर सिस्टम को अलग नंबर दिया गया है, ताकि सूचना, चेतावनी या सार्वजनिक संदेश आसानी से प्रसारित हो सके।

वाई-फाई और प्रतियोगी परीक्षा की किताबों से लैस है गांव की लाइब्रेरी: थरौली गांव के विकास में शिक्षा को भी अहमियत दी गई है। जिले में सबसे पहले इसी गांव में लाइब्रेरी बनाई गई, जहां छात्रों के लिए वाई-फाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों की सुविधा मुहैया कराई गई है। यह व्यवस्था बताती है कि गांव अब सिर्फ खेती और पशुपालन की जगह नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अवसर का केंद्र भी बनना चाहता है। गांव में बच्चों और युवाओं के लिए वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों के संचालन की भी व्यवस्था की गई है।

लेक के जरिये हो रहा भूजल रिचार्ज: ग्राम प्रधान रीटा चौधरी ने गांव में गंदगी से अटे पड़े तालाब का पुनरोद्धार कराकर योगी लेक बनवा दिया है। इसमें करीब 22 लाख रुपये का खर्च आया है। इसके लिए बजट की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी तो रीटा चौधरी ने मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार के रूप में मिली 11 लाख रुपये की राशि के साथ ही करीब आठ लाख रुपये अपने पास से खर्च कर योगी लेक का काम पूरा कराया। 129 करोड़ लीटर पानी की क्षमता वाली योगी लेक प्रत्येक वर्ष वर्षाजल से लबालब भर जाती है। योगी लेक के जरिये भूजल रिचार्ज हो रहा है। इसके साथ ही ग्राम प्रधान ने अपने निजी खर्च से नाव मंगाकर योगी लेक में नौकायन प्रतियोगिता भी शुरू कराई है। इसमें युवाओं की काफी भागीदारी रहती है। इससे इसके एक साथ दो लाभ हो रहे हैं। गांव की पानी खपत तीन करोड़, 36 लाख लीटर प्रतिवर्ष है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

कई पुरस्कार जीते

मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से ग्राम पंचायत थरौली को सम्मानित किया जा चुका है। इतना ही नहीं देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही विदेश से भी प्रतिनिधिमंडल गांव में पहुंचे हैं। थरौली का महत्व इसीलिए है कि यह किसी बड़े कारपोरेट माडल या चमकदार शहरी योजना का परिणाम नहीं, बल्कि ग्रामीण समझ, स्थानीय संसाधन और दूरदर्शी नेतृत्व का संयुक्त परिणाम है।

गांव थरौली में बायोगैस के उपयोग से चाय बनातीं रुमलेस ● सौ. प्रधान

> खाना बनाने के लिए पिछले चार साल से गोबर गैस का इस्तेमाल कर रही हूं। मेहमान आने पर भी हम गोबर गैस से ही खाना बनाते हैं। प्रतिदिन 10 से 15 लोगों का खाना आसानी से बन जाता है।
> **रुमलेस,** गृहिणी

> 10 साल पहले गोबर गैस प्लांट लगाने का विचार आइटीसी कंपनी की तरफ से दिया गया था। इसके लिए सीएसआर से फंड भी मिला था। इसके बाद एक दूध विक्रेता कंपनी की मदद से गांव में कई बायोगैस प्लांट लगवाए गए। गांव को 28 राष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं। प्रत्येक घर में पशु हैं। साथ ही लोगों ने 35 बेसहारा पशुओं को भी घरों में आश्रय दे रखा है, जिससे प्लांट के लिए गोबर मिल जाता है। **-रीटा चौधरी,** ग्राम प्रधान

साइबर ठगों को खाते मुहैया कराने में चार भाई गिरफ्तार, 30 लाख बरामद

जागरण संवाददाता, इटावा

- क्रिप्टो करेंसी और गोल्ड में निवेश किए साइबर ठगी के 60.58 लाख रुपये कराए गए फ्रीज

शटरिंग का काम करने वाले चार सगे भाई साइबर ठगों के बड़े गिरोह के लिए काम कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ की तो पता चला कि चारों भाई ठगी की रकम मंगाने के लिए अलग-अलग खाते उपलब्ध कराते थे और खुद भी ठगी करते थे। पुलिस से बचने के लिए वे ठगी की रकम पहले बेटिंग एप या क्रिप्टो करेंसी में लगाते और फिर उस रकम को अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते। उनके पास 30 लाख 60 हजार रुपये की नकदी मिली है। एक दर्जन से ज्यादा खाते सामने आए हैं, जिनमें जमा 60 लाख 58 हजार रुपये फ्रीज कराए गए हैं। इसके अलावा नौ महंगे मोबाइल, 19 एटीएम कार्ड, नौ पासबुक भी बरामद हुई है।

देश के कई राज्यों में इनके खिलाफ 42 शिकायतें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज हैं। सरगना सतीश के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर, बरेली में भी केस दर्ज है। वह इंटरमीडिएट पास है। उसके खाते में एक वर्ष में करीब सवा करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन का ब्योरा मिला है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात सतीश कुमार, हरिओम, अखिलेश कुमार व अजीत कुमार को पकड़ा गया। सतीश पानीपत में शटरिंग का काम करता था। वह आनलाइन ट्रेडिंग एप में रुपये लगाता था। चार वर्ष पूर्व वह ऐसे ठग गिरोह के संपर्क में आया, जो आनलाइन बेटिंग एप के जरिये और डिजिटल अरेस्ट करके रुपये ऐंठता था। सतीश उन ठगों को खाते मुहैया कराने लगा। वह खातों के लिए ऐसे लोगों को फंसाता, जिन्हें पैसों की जरूरत होती थी। वह पानीपत से एक वर्ष पूर्व गांव आ गया और ठगों के लिए काम करने लगा। भाई भी साथ आ गए। ठगी की रकम वे सीधे अलग-अलग खातों में मंगाते और फिर अपने खातों में ट्रांसफर कर आनलाइन बेटिंग गेम '82 लाटरी एप' जैसे अवैध बेटिंग प्लेटफार्म पर लगाते थे।

प्रतिभा पर भारी महंगी पढ़ाई

1991 में उदारीकरण के बाद भारत बहुत बदल गया है। छात्रों के पास अब करियर के विकल्प बहुत ज्यादा हैं। इसके बावजूद निम्न मध्यमवर्ग और मध्यमवर्ग के परिवारों में बच्चों में डाक्टर - इंजीनियर बनाने का क्रेज अब भी पहले की तरह ही है। इस साल जेईई मेन के लिए 25 लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया है। कोचिंग सस्थानों ने इस आकर्षण को समझते हुए एक इंडस्ट्री खड़ी कर ली है और प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाले संस्थानों का सालाना कारोबार करीब 58 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। इसमें 40 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ इंजीनियरिंग सेगमेंट का है। सीटों की बात करें तो देश के सभी आइआइटी को मिला कर 17 हजार सीटें और एनआइटी व दूसरे संस्थान मिला कर कुल सीटें करीब 41 हजार हैं। प्रतिस्पर्धा कितनी कड़ी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जेईई मेन में 99 पर्सेंटाइल लाने के बावजूद आइआइटी में सीट मिलेगी इसकी गारंटी नहीं है क्योंकि करीब 30 हजार छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल हैं। इसमें कोचिंग संस्थानों की खास भूमिका है। अब डाक्टर और इंजीनियर बनना सिर्फ प्रतिभा और मेहनत से संभव नहीं है। इसके लिए संसाधन चाहिए। छात्र संस्थानों में पढ़ाई पर 18 से 25 लाख खर्च कर रहे हैं। कोचिंग संस्थान इन परीक्षाओं के पैटर्न का विश्लेषण करके इसके हिसाब से तैयारी करवाते हैं। इसीलिए अब 99 पर्सेंटाइल सामान्य बन गए हैं। ऐसे में वे प्रतिभाशाली छात्र प्रवेश परीक्षाओं की दौड़ में नुकसान की स्थिति में होते हैं , जो कोचिंग संस्थानों पर लाखों खर्च नहीं कर सकते। प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और संसाधनों की भूमिका की पड़ताल आज का अहम मुद्दा है।

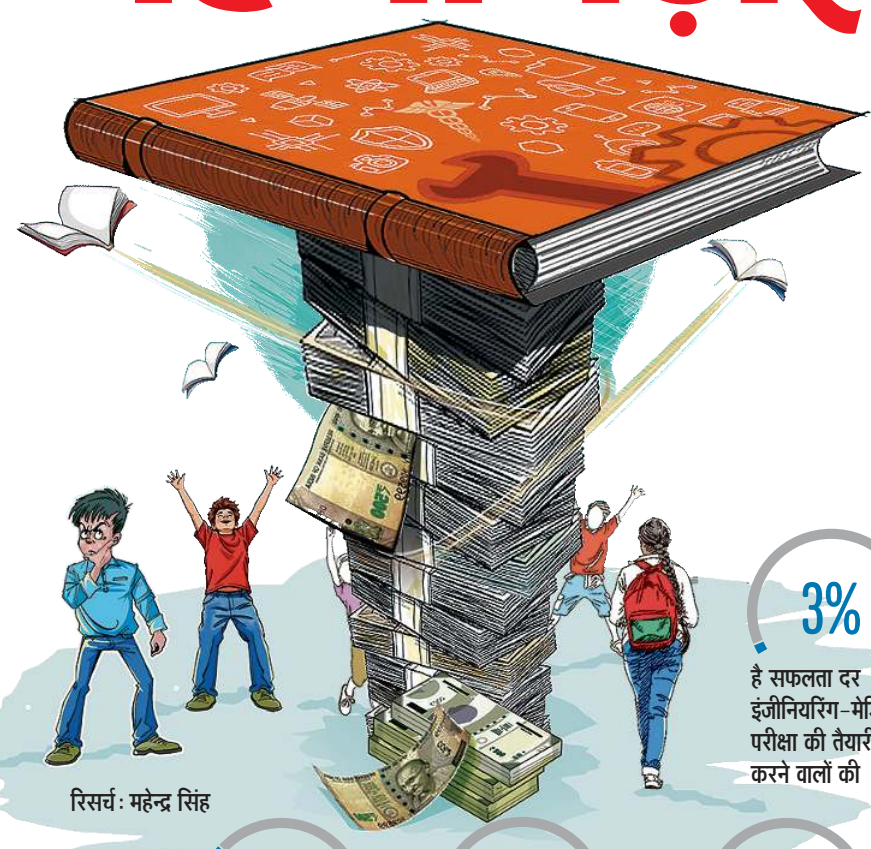

रिसर्च : महेन्द्र सिंह

कम संभावना और कड़ी मेहनत

क्या हम में से कोई भी ऐसा काम करना चाहेगा जिसमें दो साल तक रोज 12-14 घंटे मेहनत करनी पड़े, लेकिन सफलता मिलने की उम्मीद 3 प्रतिशत से भी कम हो? हर साल भारत में 30 लाख से ज्यादा छात्र एनईईटी, जेईई और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं ताकि वे आइआटी, एनआइटी और एम्स जैसे बड़े संस्थानों में दाखिला पा सकें। उदाहरण के लिए, नीट (एनईईटी) 2025 में 22 लाख से ज्यादा छात्र थे, जबकि सरकारी और प्राइवेट सीटें मिलाकर केवल 60,000 के करीब थीं। यानी सफलता की दर मात्र 3 प्रतिशत है। आइआइटी के लिए तो यह और भी मुश्किल है।

तनाव और पढ़ाई का बढ़ता बोझ

छात्र की काबिलियत सिर्फ 3 घंटे की परीक्षा से तय की जाती है। इससे छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ गया है। माता-पिता और समाज के दबाव में छात्र कोचिंग संस्थानों की ओर भागते हैं और कोटा या दिल्ली जैसे शहरों में रहकर तैयारी करते हैं। कई छात्र तो बिना इच्छा के भी सिर्फ दिखावे या विकल्पों की कमी के कारण इस 'चूहा दौड़' में शामिल हो जाते हैं।

'डमी स्कूल' का बढ़ता चलन

कई प्राइवेट स्कूल अब 'डमी मोड' पर चलते हैं। यहां छात्र सिर्फ नाम के लिए दाखिला लेते हैं लेकिन पूरा समय कोचिंग में बिताते हैं। ये स्कूल फीस तो पूरी लेते हैं पर शिक्षा नहीं देते। सीबीएसई के नियमों के खिलाफ होने के बावजूद कई स्कूल कानूनी खामियों का फायदा उठाकर इसे चला रहे हैं।

नियामक संस्थाओं की भूमिका

सीबीएसई, एआइसीटीई, यूजीसी और एनएमसी जैसी संस्थाओं को इस व्यवस्था में सुधार करना चाहिए। सरकार को नियम बनाने चाहिए कि कोचिंग संस्थान अपनी सफलता का सही अनुपात जनता को बताएं, उनके लिए लाइसेंस अनिवार्य हो और वहां मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श की सुविधा हो।

कोचिंग इंडस्ट्री : सपनों का व्यापार

भारत में कोचिंग का कारोबार 58,000 करोड़ से ज्यादा का है। इसके बावजूद सफलता की दर बहुत कम है। कोचिंग संस्थान हर छात्र को एक ही तरीके से पढ़ाते हैं, बिना यह समझे कि हर बच्चे की क्षमता अलग होती है। वे सिर्फ 'आब्जेक्टिव' (बहुविकल्पीय) सवाल हल करना सिखाते हैं, जबकि बोर्ड परीक्षाओं के लिए अलग तरह के कौशल की जरूरत होती है। ये संस्थान विज्ञापनों में अपनी सफलता तो बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं, लेकिन छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को छुपा जाते हैं।

पढ़ाई के असली मतलब से भटकाव

कोचिंग संस्थान सिर्फ विज्ञान और गणित पर ध्यान देते हैं, जिससे कला, खेल और रचनात्मकता पीछे छूट जाती है। यह हमारी 'नई शिक्षा नीति 2020' के भी खिलाफ है, जो सर्वांगीण विकास पर जोर देती है। लगातार पढ़ाई और अकेलेपन के कारण छात्र मोटापे, डिप्रेशन और कम आत्मविश्वास जैसी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं।

परीक्षा से आगे भी है सफलता

भारत को परीक्षा के जुनून से बाहर निकलकर सीखने और रचनात्मकता पर ध्यान देने की जरूरत है। कोचिंग सिर्फ सहायता के लिए होनी चाहिए, न कि छात्र के मानसिक बोझ का कारण। हमें एक ऐसा सिस्टम बनाना होगा जो सिर्फ टेस्ट स्कोर को नहीं, बल्कि छात्र के व्यक्तित्व और खुशी को भी महत्व दे।

बेहतर भविष्य के लिए जरूरी बदलाव

माता-पिता को अपने बच्चों की पसंद का सम्मान करना चाहिए। उन्हें समझना होगा कि हर बच्चा आइआइटी या एम्स नहीं जा सकता। वहीं, नीति निर्माताओं को स्कूल जाना अनिवार्य करना चाहिए और कालेज दाखिले में बोर्ड परीक्षा के अंकों को भी महत्व देना चाहिए। कोचिंग संस्थानों में छात्र और शिक्षक का सही अनुपात होना चाहिए और वहां योग, संगीत और खेल जैसी गतिविधियों को भी शामिल करना चाहिए।

विकसित देशों का शिक्षा पर खर्च (जीडीपी का प्रतिशत)

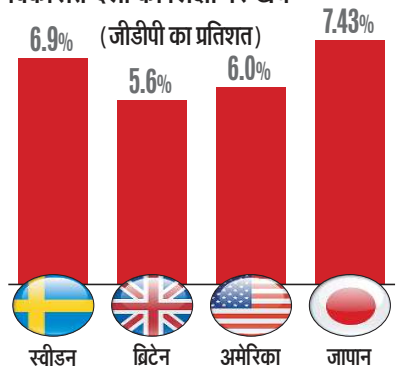

एशियाई देशों का शिक्षा पर खर्च (जीडीपी का)

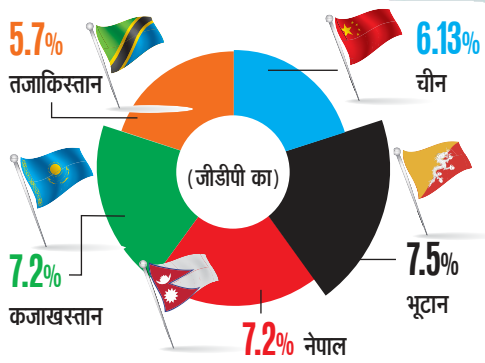

30% छात्र गंभीर अवसाद के शिकार हैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले

4% लगभग खर्च कर रहा है भारत जीडीपी का शिक्षा पर

6% जीडीपी का शिक्षा के लिए आवंटित करने की सिफारिश की थी कोठारी आयोग ने 1968 में

3% है सफलता दर इंजीनियरिंग-मेडिकल परीक्षा की तैयारी करने वालों की

60,000 सीटें थी सरकारी-प्राइवेट मिला कर 2022 में, नीट के लिए 22 लाख छात्रों ने परीक्षा दी

30 लाख से ज्यादा छात्र नीट, जेईई और सीयूटी जैसी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं हर साल

58,000 करोड़ से अधिक का है प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले कोचिंग संस्थानों का कारोबार

2 लाख छात्र सालाना आ रहे कोटा इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए

13,000 छात्रों ने आत्महत्या की थी प्रतियोगी परीक्षा के दवाव में 2022 में

4,671 रुपये शिक्षा पर प्रति व्यक्ति खर्च है राष्ट्रीय स्तर पर

स्वाध्याय से आसान होगी जीवन की राह

प्रो. शलभ, आइआइटी कानपुर

अभिभावकों के लिए यह सोचने की बात है कि कोचिंग कराकर आप बच्चे को बैसाखियां क्यों देना चाहते हो। अगर वह कोचिंग के सहारे पढ़ाई करता है तो वह बाद में अपनी शिक्षा कैसे पूरी करेगा। जो छात्र खुद से पढ़ने की ताकत विकसित करेगा और विभिन्न अवधारणाओं को समझकर विषय पर पकड़ बनाएगा, वही आगे जाएगा।

किसी छात्र के अंदर अगर अच्छे से पढ़ाई करने की इच्छा व क्षमता है तो उसको आज के समय में अपनी पढ़ाई को आगे ले जाने के लिए और एक अच्छा करियर चुनने के लिए संसाधन की कमी कभी नहीं होती है। एनसीईआरटी की सभी पुस्तकें इंटरनेट पर निशुल्क उपलब्ध हैं। बाजार में भी इन पुस्तकों की कीमत अत्यंत कम है। अगर किसी छात्र ने एनसीईआरटी की पुस्तकों को ध्यान से पढ़ा है, तो सिद्धांतों को सही तरीके से समझा जा सकता है और यह देश की किसी भी प्रतियोगिता में सफलता पाने में सहायक है। आइआइटी में ऐसे बहुत सारे छात्र हैं, जिन्होंने अपनी सफलता बगैर किसी कोचिंग या ट्यूशन सुविधा के केवल स्वाध्याय से हासिल की है। उन्होंने खुद स्कूल की पढ़ाई की है और उसके अलावा जो स्वयं से पढ़ाई करने के विभिन्न-विभिन्न संसाधन हैं, वहां से पढ़ाई की है और शिखर तक पहुंचने का पथ प्रशस्त किया। इसे लेकर स्पष्ट मत है कि लोगों के बीच यह गलत धारणा है कि कोचिंग के बगैर सफलता नहीं मिलती है। अगर कोई बच्चा या कोई परिवार ये कहता है कि कोचिंग के बिना चयन नहीं होगा तो मेरा उससे सवाल है कि आइआइटी, एनएनआइटी या एम्स जैसे संस्थान में चयन के बाद उसको वहां पर पढ़ाई करने की कोचिंग कौन देगा और अपनी डिग्री कैसे पूरी करेगा?

एक बड़ा सवाल है कि कोचिंग कराकर आप अपने बच्चे को बैसाखियां क्यों देना चाहते हो? अगर वो कोचिंग के सहारे पढ़ाई करता है और स्वयं पढ़ने की आदत नहीं है, तो वो बाद में अपनी शिक्षा पूरी कैसे करेगा? जो छात्र जितनी जल्दी स्वतंत्र होगा और अपने से पढ़ने की ताकत को विकसित करेगा, विभिन्न अवधारणाओं को समझकर, उनका मनन व मंथन कर विषय को समझेगा, वही आगे जाएगा। इसके पीछे मेरा एक और दर्शन है, जब कभी हम भविष्य में किसी पोजीशन पर बैठते हैं, तो वहां जो समस्याएं सामने आती है, उनका समाधान करने की कोई कोचिंग नहीं होती है। उन समस्याओं का समाधान तत्काल करना होता है। समस्याओं का समाधान करने की क्षमता ज्ञान के जो बेसिक फंडामेंटल्स होते हैं, जो जीवन के मूलभूत सिद्धांत होते हैं, जो हमारे विज्ञान के सिद्धांत होते हैं या जिस विषय में अपनी पढ़ाई की है, उसी ज्ञान के आधार पर समस्या का समाधान करने की क्षमता का विकास करते हैं। जब बच्चा किसी किताब से कोई कांसेप्ट खुद से पढ़ता है, समझता है, तब इससे उसकी विश्लेषण क्षमता का विकास होता है। उसके बाद में वह छात्र भविष्य में उनकी सहायता से ही समस्याओं के समाधान का सही फैसला करता है। किसी भी बच्चे को एक स्पून फीडिंग करके हम उसके अंदर उसकी विश्लेषण क्षमता को विकसित नहीं कर सकते।

जहां तक कोचिंग की बात है, भारत सरकार भी बहुत सारे कदम उठाने की कोशिश कर रही है, प्रयास कर रही है कि इन कोचिंग के कारण जो एक अभिभावकों पर अनावश्यक वित्तीय दबाव आता है, उसको कैसे खत्म किया जाए और इन परीक्षाओं को प्रारूप क्या हो कि उसमें से कोचिंग का रोल न्यूनतम हो। स्वअध्ययन के लिए आजकल बहुत सारे साधन हैं। इंटरनेट पर बहुत सारे ऐसे पोर्टल्स हैं, जो निशुल्क शिक्षा दे रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय का स्वयं का पोर्टल है, एनपीटीईएल है और बहुत सारे यूट्यूब चैनल्स हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कंटेंट दे रहे हैं। अगर कोई बच्चा मेधावी है और उसमें पढ़ने की ललक है, तो पैसे की कमी उसके आड़े नहीं आएगी।

आपकी आवाज

शिक्षा की बढ़ती लागत और कोचिंग संस्थानों की भारी-भरकम फीस ने आज प्रतिभा और संसाधनों के बीच एक दीवार खड़ी कर दी है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले प्रतिभाशाली छात्र योग्यता होने के बावजूद केवल इसलिए पिछड़ रहे हैं क्योंकि वे इन महंगे संसाधनों का बोझ नहीं उठा सकते। यह स्थिति न केवल समान अवसर के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है, बल्कि देश की वास्तविक मेधा को भी हाशिए पर धकेल रही है। यदि संसाधनों का अभाव प्रतिभा का गला घोंटने लगे, तो यह एक समावेशी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। सरकारों और समाज को मिलकर डिजिटल माध्यमों और छात्रवृत्ति के जरिए इस खाई को पाटने की तत्काल आवश्यकता है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत क्षति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिभा का भी नुकसान है।

-युगल किशोर राही

गुरु बिन ज्ञान नहीं। डाक्टर और इंजीनियर की पढ़ाई कोई आसान नहीं है, इसके लिए कोचिंग संस्थानों की भूमिका इसलिए जरूरी हो जाती है क्योंकि यहां बहुत से संबंधित विषयों की विशेषज्ञ होते हैं। प्राइवेट कोचिंग संस्थानों की फीस बेसक ज्यादा होती है, लेकिन यहां विद्यार्थियों को आधुनिक, नई तकनीक और हर परीक्षा की तैयारी के लिए लगभग सभी साधन होते हैं। हमने देखा भी है कि कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया होता है। लेकिन ऐसे भी बहुत से गरीब बच्चे होते हैं जो गरीबी कारण किसी कोचिंग सेंटर में पढ़ने के लिए नहीं जाते हैं, लेकिन फिर भी वो परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर जाते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि जरूरी नहीं कि किसी प्रतियोगिता परीक्षा के लिए कोचिंग लेना जरूरी ही है।

-राजेश कुमार चौहान

सरकारी स्कूलों में हो तैयारी की व्यवस्था

अभयानंद, पूर्व डीजीपी सह संस्थापक सुपर-30

हर जिले में कुछ ऐसे सरकारी विद्यालय होने चाहिए जो जेईई और नीट जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए चिन्हित हों। यहां जिले के चयनित छात्रों को आवासीय सुविधा दी जाए। इसका सबसे ज्यादा लाभ समाज के जरूरतमंद बच्चों को मिलेगा। इससे पढ़ाई में संसाधनों की भूमिका निर्णायक नहीं रह जाएगी।

समाज को स्कूल-कालेज की जरूरत नहीं है, समाज को शिक्षा की जरूरत है। उन्हें जहां वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए शिक्षा मिलेगी, वह वहां जाएंगे। उसका नाम गुरुकुल, स्कूल, कालेज, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, कोचिंग, ट्यूशन, सरकारी, निजी आदि जो भी दे दें। जेईई मेन व एडवांस, नीट जैसी प्रवेश परीक्षाएं और स्कूल व कालेजों में होने वाली पढ़ाई में तारतम्य रहेगा तो परिणाम अनुकूल आएंगे। वर्तमान में परिणाम प्रतिकूल आ रहे हैं। तारतम्य में रिक्ति बढ़ी है, जिसका परिणाम है कि समाज का विश्वास उन संस्थानों से कम हुआ है, जहां पहले हुआ करता था। अब जो पढ़ा सकेगा, उसके यहां लोग दौड़ेंगे। इसकी कसौटी कोई राकेट साइंस नहीं है। यह पूरा मामला आवश्यकता और पूर्ति पर निर्भर है।

पांच-छह दशक के सार्वजनिक जीवन में हमें एक भी उदाहरण नहीं मिला कि आइआइटी, एनआइटी, आइआइएम जैसे संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों ने अपने सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए कोचिंग या ट्यूशन का सहारा लिया हो। जब तक हमारे यहां स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता कायम रही तब तक कोचिंग, ट्यूशन या अन्य व्यवस्था की संभावना लोगों को नहीं दिखी। गुणवत्ता में गिरावट आते ही समाज का रुख दूसरे विकल्प की ओर जाना स्वभाविक है। गुणवत्ता में गिरावट क्यों आई, इसका जवाब हर किसी के पास मौजूद है। सरकार पैसे खर्च कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहा है। इसका इलाज भी समाज और सरकार को ही करना होगा। अभी बिल्डिंग और ढांचागत सुविधा पर ध्यान ज्यादा दिया जा रहा है जबकि इसका नंबर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बाद का है। स्कूल-कालेज लोग अच्छी शिक्षा के लिए जाते हैं, सुविधा तो सेकेंडरी है। हम सेकेंडरी को ही प्राइमरी समझ रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होती है अच्छे शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संवाद व व्यवहार से। शिक्षा का मतलब सिर्फ परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं है। यह समाज का तानाबाना भी बुनती है, समाज की दिशा और राष्ट्र-राज्य का भविष्य भी निर्धारित करती है। विद्यार्थियों का चातुर्दिक विकास भी सुनिश्चित करती है। कोचिंग इंस्टीट्यूट या इससे मिलते-जुलते संस्थानों का लक्ष्य परीक्षा उत्तीर्ण होने के आसपास ही होता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव भी दिखने लगा है। इस कारण ही इनकी व्यवस्था पर प्रश्न खड़े किए जा रहे हैं। वर्तमान व्यवस्था ने आमजन के लिए विकल्प को सीमित कर रखा है। वर्तमान व्यवस्था संपन्न और साधारण परिवार के विद्यार्थियों के बीच पढ़ाई की गुणवत्ता की खाई को पाटने के बजाए बढ़ाने की ओर दिख रही है। यह चिंतन का विषय है।

मेरे विचार में सभी जिलों में ऐसे कुछ सरकारी विद्यालय तो होने ही चाहिए, जो जेईई-नीट जैसी प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए चिह्नित हों। यहां जिले के चयनित बच्चों को आवासीय सुविधाएं दी जाएं। स्कूल के परिणाम की निगरानी व त्रुटियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयास के विकल्प खुले हों। इसका सबसे ज्यादा लाभ समाज के जरूरतमंद बच्चों को मिलेगा। शिक्षकों की चुनाव प्रक्रिया में दिन व दिन भागीदारी बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दलों व व्यक्तियों से उनका संपर्क बढ़ने का प्रतिकूल प्रभाव शिक्षा पर दिखता है। चुनाव प्रक्रिया और बूथ पर भूमिका बढ़ने से राजनीतिक दल चिंतित रहते हैं कि शिक्षक का संबंध उनसे बिगड़ नहीं जाए। शिक्षक को सिर्फ शिक्षा तक ही जोड़कर रखने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय फलक

कोरबा की खदानों में कोयला उत्खनन 10 प्रतिशत घटा

- डीजल आपूर्ति में व्यवधान से उत्खनन व ढुलाई का काम प्रभावित

खदान में उत्खनन व परिवहन कार्य में लगे भारी वाहन। नईदुनिया >>

देवेंद्र गुप्ता • नईदुनिया

कोरबा : छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित कोल इंडिया की सहायक कंपनी दक्षिण-पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की खदानों में डीजल की अनियमित आपूर्ति ने उत्खनन कार्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। गेवरा, कुसमुंडा और दीपका परियोजनाओं में कोयला ढुलाई में कमी आई है, जिससे कंपनी के निर्धारित लक्ष्य पर दबाव बढ़ गया है। वर्तमान में कंपनी का दैनिक लक्ष्य 5,05,000 टन है, जबकि उत्पादन लगभग 4,65,000 टन पर सिमट गया है, जो 10 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। 20 मार्च 2026 के बाद वाणिज्यिक डीजल की कीमत में 22 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जिससे दर 87.67 रुपये से बढ़कर 109.59 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

हालांकि, डीजल की उपलब्धता बनी हुई है लेकिन निजी परिवहन संचालक बढ़ी हुई दर पर डीजल लेने से हिचकिचा रहे हैं। इस स्थिति में लगभग 30 प्रतिशत गाड़ियां खड़ी हैं, जिससे उत्खनन और ढुलाई के बीच तालमेल बिगड़ गया है। यदि जल्द ही डीजल की आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ, तो बिजली संयंत्रों की आपूर्ति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

बिहार में ननद-भाभी से तीन दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गोपालगंज: बिहार के गोपालगंज जिले में खेत में शौच के लिए गई ननद-भाभी को छह युवकों ने अगवा कर लिया और दियारा क्षेत्र में तीन दिनों तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। शनिवार की रात दोनों पीड़िताएं किसी तरह आरोपितों के चंगुल से निकलकर अपने घर पहुंचीं और स्वजन को आपबीती सुनाई, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

स्वजन के अनुसार, दोनों के गायब होने के बाद उन्होंने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की लेकिन लोकलाज के कारण तत्काल पुलिस को सूचना नहीं दी। जब पीड़िताएं घर लौटीं, तब घटना की जानकारी पुलिस को दी।

पीड़ित ननद नाबालिग है। उसकी भाभी के बयान पर छह युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अजय यादव और नीतीश यादव को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चार अन्य आरोपित फरार हैं।

एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। दोनों पीड़िताओं का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

अब भारत में भी खेला जाएगा ओमेगाबाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अमेरिका, ब्राजील और कई यूरोपीय देशों में लोकप्रिय हो रहे इस खेल की आइआइटी मद्रास ने देश में की शुरूआत
- यह फुटबाल का तेज और आधुनिकतम रूप है, जिसमें तीन टीमें एक साथ खेलती हैं एक गोल मैदान पर

प्रतीकात्मक

देश में क्रिक्रेट, फुटबाल, बैडमिंटन व टेनिस जैसे खेलों के साथ अब ओमेगाबाल नाम का नया खेल भी खेला जाएगा। इसका पदार्पण देश में हो चुका है। आइआइटी मद्रास ने खेल की खूबियों व युवाओं में दक्षता बढ़ाने की शुरूआत की है। यह फुटबाल का तेज व अत्याधुनिक रूप है। इसमें तीन टीमें एक साथ एक गोल मैदान पर खेलती हैं। मौजूदा समय में ओमेगाबाल का यह खेल अमेरिका, ब्राजील के अलावा यूरोप के कुछ देशों में लोकप्रिय है।

आइआइटी मद्रास के मुताबिक यह खेल तेजी से खिलाड़ियों को पारंपरिक रणनीतियों से हटकर कुछ नया सोचने पर मजबूर करता है। समय व टीमवर्क को लेकर उनकी समझ और गहरी होती है। खेल में व्यक्तिगत कौशल व सामूहिक तालमेल दोनों को ही चुनौती मिलती है, इसलिए खिलाड़ी अधिक चौकस रहते हैं और उनमें रणनीतिक तेजी आती है। आइआइटी मद्रास ने युवाओं में क्षमता विकास के लिए इस खेल को पहली बार देश में शुरू कराया है। पिछले हफ्ते आइआइटी परिसर में ओमेगाबाल का एक टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय स्तर पर आइआइटी मद्रास ओमेगाबाल क्लब बनाने का प्रस्ताव दिया गया है ताकि यह खेल विकसित हो सकें। आइआइटी मद्रास के लगभग 100 प्रतिभागी ओमेगाबाल के डेमो मैचों में भाग ले चुके हैं।

क्या है ओमेगाबाल : यह फुटबाल का एक तेज और अत्याधुनिक रूप है। इसमें तीन टीमें एक साथ एक गोल मैदान पर खेलती हैं, इनमें तीन गोल होते हैं। प्रत्येक टीम एक साथ दो गोलों पर धावा बोलती है जबकि एक गोल का बचाव करती है। ये खेल लगातार खेलने, ज्यादा गोल करने का रोमांच देता है और दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाता है। ओमेगाबाल एक गोल मैदान में खेला जाता है। यह लगभग 50-55 मीटर डायमीटर का होता है। इसमें तीन गोल होते हैं। ये एक दूसरे से 120 डिग्री की दूरी पर होते हैं। इससे खेल में तेजी बनी रहती है और यह कई-दिशाओं में होता है। मैच 13-13 मिनट के तीन सत्रों में खेले जाते हैं। चूंकि इसमें आफसाइड का नियम नहीं लागू होता है, इसलिए यह खेल काफी तेज और आक्रामक होता है।

हमने भारत में खेल का एक नया और डायनामिक फारमेट पेश कर न सिर्फ विद्यार्थियों से नजदीकी बढ़ाई, बल्कि देश में खेल की संस्कृति भी बढ़ा रहे हैं। हमें विश्वास है कि इस तरह की पहल से युवाओं में खेलने का उत्साह और उनकी क्रिएटिविटी बढ़ेगी। साथ ही नए रुझान के वैश्विक खेलों में भारत के लिए रास्ते खुलेंगे। -प्रो. वी. कामकोटि, निदेशक, आइआइटी मद्रास।

रिसाव के कारण राजस्थान की रिफाइनरी में लगी थी आग : एचपीसीएल

नई दिल्ली, प्रेट्र : हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कहा कि राजस्थान स्थित उसकी रिफाइनरी में आग लगने का संभावित कारण रिसाव था। इसमें ठीक करने का काम तीन से चार सप्ताह के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) के मई के उत्तरार्ध में फिर से चालू होने की संभावना है।

पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा तय उद्घाटन से एक दिन पूर्व 20 अप्रैल को एचपीसीएल की राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की नवनिर्मित 79,450 करोड़ रुपये की रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लग गई थी। संभवतः हीट एक्सचेंजर सर्किट में वाल्व या फ्लेंज से हाइड्रोकार्बन रिसाव के कारण आग लगीथी। एचपीसीएल ने कहा, 20 अप्रैल की घटना की विस्तृत जांच से पुष्टि हुई है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक ही सीमित थी, जिससे छह एक्सचेंजर और संबंधित उपकरण प्रभावित हुए। साक्ष्यों के आधार पर आग लगने का कारण वैक्यूम अवशेष एक्सचेंजर इनलेट लाइन पर प्रेशर गेज टैपिंग पाइंट से रिसाव होने का संदेह है।

दैनिक जागरण

प्रतिभा को भी निखार के लिए प्रयासों की आवश्यकता होती है

ट्रंप पर एक और हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति की उपस्थिति वाले एक विशिष्ट आयोजन में गोलीबारी की घटना ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था में चूक को तो रेखांकित करती ही है, अमेरिका में व्याप्त और खतरनाक होती जा रही बंदूक संस्कृति की ओर भी फिर से ध्यान खींचती है। यह संतोष की बात है कि इस गोलीबारी में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ और एक सुरक्षाकर्मी हमलावर की गोली लगने के बाद भी इसलिए बच गया, क्योंकि वह बुलेटप्रूफ जैकेट पहने था, लेकिन यह घटना इसलिए कहीं अधिक ध्यान आकृष्ट करती है, क्योंकि यह उसी वाशिंगटन डीसी के हिल्टन होटल में घटी, जिसमें राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। यह सामान्य बात नहीं कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, उनके वरिष्ठ सहयोगियों और व्हाइट हाउस कवर करने वाले पत्रकारों की उपस्थिति वाले कार्यक्रम में कोई गोलीबारी करने में सक्षम हो जाए। व्हाइट हाउस के पत्रकारों के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति के डिनर के इस वार्षिक कार्यक्रम में वैसी ही गहन सुरक्षा व्यवस्था होती है, जैसी अमेरिकी हवाई अड्डों पर होती है। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम को सबसे सुरक्षित आयोजनों में से एक के रूप में जाना जाता है, लेकिन वहां भी सुरक्षा में सेंध लग गई। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप अपने सुरक्षाकर्मियों की सजगता की उचित ही प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों को इसकी तह में तो जाना ही होगा कि आखिर हमलावर उनके सुरक्षा घेरे को कैसे भेद गया?

वैसे तो हमलावर की पहचान हो गई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि उसका इरादा क्या था? हैरानी नहीं कि वह अमेरिका में उपजी राजनीति कटुता से पनपे विषाक्त माहौल से प्रभावित ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ट्रंप को उनकी रीति-नीति के चलते निशाना बनाना चाहता हो। ध्यान रहे इसके पहले भी पिछले दो वर्षों में ट्रंप को कम से कम दो बार ऐसे ही लोग मारने की कोशिश कर चुके हैं। एक घटना में तो हमलावर की गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई थी। वाशिंगटन के हिल्टन होटल की घटना यह भी बताती है कि अमेरिका में आसानी से बंदूक खरीदने और रखने का जो अधिकार है, उस पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। विडंबना यह है कि अमेरिका में बंदूक संस्कृति के चलते रह-रहकर हिंसा की घटनाएं होती ही रहती हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप इस संस्कृति पर लगाम लगाने के पक्षधर नहीं। उलटे वे हथियार रखने की आजादी के प्रबल समर्थकों में से एक हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने बंदूक संस्कृति के खिलाफ जो सख्ती बरतनी शुरू की थी और उसके तहत जिन नए नियमों को लागू किया था, ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद उन्हें खत्म करने का ही काम किया।

वंचित बच्चों की चिंता

उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में नए बच्चों का नामांकन कम होने के कारणों पर मंथन होना चाहिए। 30 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों में कक्षा एक और कक्षा छह में किसी भी नए बच्चे का नामांकन नहीं हो सका है। यह स्थिति तब है जब परिषदीय स्कूलों में नामांकन प्रोत्साहन के लिए एक से 15 अप्रैल तक ''स्कूल चलो अभियान'' चलाया गया। प्रदेश में इस समय एक लाख 33 हजार से अधिक स्कूल हैं और 40 हजार से ज्यादा स्कूलों में नए सत्र में शून्य नामांकन है। शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए अब तक इन विद्यालयों में नए विद्यार्थी नहीं मिलने से पढ़ाई की शृंखला बाधित होगी। शासन स्तर से स्कूलों में बुनियादी सुविधा को लेकर सार्थक प्रयास हुए हैं। विभाग को देखना होगा कि आखिर वे कारण क्या हैं, जिससे विद्यालयों में बच्चों के आने का आकर्षण कम हुआ? ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि शिक्षा विभाग के ही एक सर्वे के अनुसार स्कूल में प्रवेश से वंचित 7 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 85 हजार से अधिक है, जो अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के दायरे में आते हैं। स्कूल न जाने वाले इन बच्चों को तत्काल शिक्षा की धारा से जोड़ा जाना चाहिए। विभाग अपनी कमजोरी पहचाने। बचपन अपनी आयु पूरी कर लेगा, तो फिर हम लकीर ही पीटते रह जाएंगे।

स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के बाद भी नए नामांकन को लेकर उदासीनता पर विभाग को मंथन करना चाहिए

होर्मुज बना आर्थिक युद्ध का अखाड़ा

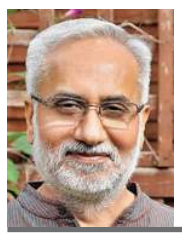

शिवकांत शर्मा

ईरान को पता है कि होर्मुज की नाकेबंदी जितनी लंबी खिंचेगी, उतनी ही अमेरिका और उसके साथियों की मुश्किलें बढ़ने से वाशिंगटन पर दबाव बढ़ता जाएगा

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए संकट बढ़ाती होर्मुज जलमार्ग में उभरती स्थिति ● फाइल

राजनीतिक परिवर्तन और ईरान का निरस्त्रीकरण करने के घोषित उद्देश्यों से शुरू किए अमेरिका के युद्ध को ईरान ने बड़ी चतुराई से आर्थिक जंग में बदल दिया है और होर्मुज जलमार्ग इस जंग का अखाड़ा बन गया है। ईरान को अपनी शर्तें मानने पर विवश करने के लिए उसकी सभ्यता मिटाने और पाषाण युग में पहुंचाने जैसी धमकियां देने वाले राष्ट्रपति ट्रंप को अपना अंदाज बदलना पड़ा है। उनके बड़बोलेपन और धमकियों से नाराज ईरान ने दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए अनिच्छा दिखाई। इसके बाद ट्रंप को पहले अपने युद्धविराम की सीमा अनिश्चित काल के लिए बढ़ानी पड़ी और फिर लेबनान और इजरायल के युद्धविराम को भी आगे बढ़ाना पड़ा।

ट्रंप का कहना है कि पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे अनुरोध किया था कि जब तक ईरान के प्रतिनिधि आपसी झगड़ा निपटाकर कोई साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आते तब तक हमले रोक लें। ट्रंप ने कहा भी कि ईरान को वार्ता के लिए नेता तय करने में बेहद कठिनाई हो रही है। जंग में बुरी तरह हार रहे कट्टरपंथी और व्यवहारवादी नेताओं के बीच आपसी लड़ाई छिड़ गई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पहले दौर की बातचीत के अनुभव के आधार पर इसकी पुष्टि की है।

ईरानी नेताओं के बीच आपसी झगड़े की बात को गत सप्ताह की इन अफवाहों से भी बल मिला कि समझौता वार्ताओं में ईरान का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद गलीबाफ मुख्य प्रतिनिधि के पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी वजह वार्ताओं की दिशा को लेकर रेवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल अहमद वहीदी के साथ गहराते मतभेद बताई गई। बताया जा रहा है कि पहले दौर की बातचीत में कतर ने खाड़ी देशों के 20 जहाजों के बदले ईरान के 20 जहाजों को होर्मुज से रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। गलीबाफ उसके पक्ष में थे, लेकिन रेवोल्यूशनरी गार्ड ने उसे रोक दिया। तब से उनके और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और मजलिस के कट्टरपंथी सदस्यों के बीच तीखी बयानबाजी चल रही है। उनके साथ-साथ विदेश मंत्री अब्बास अराघजी को भी होर्मुज को खोलने के बयान और वार्ताओं के समर्थन में दिए कुछ बयानों की वजह से आड़े हाथों लिया जा रहा है। मतभेदों की इन अफवाहों को रोकने के लिए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को एक बयान जारी करना पड़ा, जिसमें उन्होंने मतभेदों का खंडन करते हुए नेताओं के बीच फौलादी एकता की बात की।

ट्रंप ने हवाई हमलों से ईरान के परमाणु और मिसाइल तंत्र, वायुरक्षा प्रणाली और नौसेना को तो काफी हद तक नष्ट कर दिया, मगर रेवोल्यूशनरी गार्ड और बसीज के तंत्र को और सत्ता पर उसके शिकंजे को ढीला नहीं कर पाए। बमबारी से मची तबाही के कारण जो लोग मुल्लाशाही के विरोध में थे, वे भी अब उसका समर्थन करने लगे हैं। बिजली और पानी के संयंत्रों और पुलों को नष्ट करने से अमेरिका और इजरायल के प्रति रोष और भड़क सकता था और यदि बदले में ईरान खाड़ी के देशों के जल और तेल संयंत्रों पर हमले करता तो पूरे खाड़ी क्षेत्र में हाहाकार मच सकता था। शायद यही सोचकर ट्रंप ने ईरान की आय का मुख्य स्रोत बंद करने के लिए होर्मुज की नाकेबंदी की है। यह चाल उन्होंने जनरल मुनीर की राय पर इस उम्मीद से चली है कि आर्थिक तंगी से या तो ईरान बातचीत के लिए विवश हो जाएगा या फिर आपसी फूट से वहां सत्तापलट हो जाएगा। हालांकि यह चाल तो ईरान को हवाई हमलों से बर्बाद किए बिना भी चली जा सकती थी। जेनेवा वार्ताओं में ईरान परमाणु संवर्धन बंद करने के लिए लगभग तैयार हो गया था। होर्मुज की नाकेबंदी करके उसे मिसाइल कार्यक्रम रोकने और आतंकी गुटों का समर्थन बंद करने के लिए भी तैयार किया जा सकता था।

आलोचकों का कहना है कि ट्रंप ने जैसी भूल अपने मित्र नेतन्याहू के कहे में आकर ईरान पर चढ़ाई करके की थी शायद वैसी ही भूल वे अपने चहेते जनरल मुनीर के बरगलाने में होर्मुज की नाकेबंदी से कर रहे हैं। इससे तो ईरान से कहीं अधिक नुकसान ट्रंप के मित्र खाड़ी के देशों, यूरोप, एशिया और स्वयं अमेरिका का होने वाला है। ट्रंप अक्सर यह कहते सुने जाते हैं कि ईरान के पास कोई पत्ता नहीं बचा है, मगर वे भूल जाते हैं कि ईरान का असली पत्ता वह आर्थिक चोट है, जिसे वह होर्मुज को बंद करके पहुंचा सकता है। उसकी नाकेबंदी करके ट्रंप ने ईरान का पत्ता और मजबूत किया है। युद्ध में भले ईरान को 144 अरब डालर से अधिक का नुकसान हुआ है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार उसकी आर्थिकी 6.1 से 10 प्रतिशत तक घट सकती है, लेकिन अमेरिका के मित्र खाड़ी देशों को 200 अरब डालर से भी अधिक का नुकसान हो चुका है। सबसे बुरी चोट कतर को लगी है, जिसकी आर्थिकी में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था को 5.6 प्रतिशत का नुकसान होगा।

अमेरिका इस लड़ाई में अभी तक 56 अरब डालर खर्च कर चुका है और इसमें यदि तेल, खाद और प्लास्टिक से बने सामान की महंगाई से हुए नुकसान को जोड़ दें तो आंकड़ा एक लाख करोड़ डालर तक जाने का अनुमान है। तेल, खाद और रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ने से भारत की अर्थव्यवस्था को आधे से डेढ़ प्रतिशत तक का नुकसान होने, रुपये का अवमूल्यन होने और उसे बचाने के लिए देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने का खतरा बन गया है। ईरान को पता है कि होर्मुज की नाकेबंदी जितनी लंबी खिंचेगी, अमेरिका और उसके मित्र देशों की आर्थिक चोट उतनी ही गहरी होती जाएगी और ट्रंप पर जल्दी समझौता करने का दबाव बढ़ता जाएगा। ट्रंप की पार्टी को कांग्रेस के मध्यावधि चुनाव में जनता का सामना भी करना है, जो लड़ाई में उलझने और महंगाई बढ़ने से नाराज है। एक मई को लड़ाई के दो महीने भी पूरे हो जाएंगे जिसके बाद कांग्रेस से अनुमति लिए बिना ट्रंप लड़ाई जारी नहीं रख सकते। उनसे यह भी पूछा जाएगा कि उन्होंने लड़ाई से ऐसा क्या हासिल किया है जिसे कूटनीति या आर्थिक नाकेबंदी से नहीं हासिल किया जा सकता था?

(लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व संपादक हैं)

response@jagran.com

चारधाम यात्रा के लिए तैयार उत्तराखंड

पुष्कर सिंह धामी

चारधाम यात्रा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाती है, जिससे सामूहिक आध्यात्मिक संस्कृति पनपती है

रुद्राष्टकम के आरंभ में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है, 'हे ईशान! मैं मुक्तिस्वरूप, समर्थ, सर्वव्यापक, ब्रह्म, वेदस्वरूप, निज स्वरूप में स्थित, निर्गुण, निर्विकल्प, निरीह, अनंत ज्ञानमय और आकाश के समान सर्वत्र व्याप्त प्रभु को प्रणाम करता हूं।' कुछ-कुछ इसी भाव से हम लोग चारधाम की यात्रा करते हैं। गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ धामों की यह यात्रा इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ आरंभ हो रही है। हजारों वर्षों से हम लोग इसे मोक्ष प्राप्ति का सर्वोच्च मार्ग मानते रहे हैं। यह न केवल आत्मा की शुद्धि और पापों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि शिव और शक्ति के साक्षात दर्शन का अवसर भी प्रदान करती है, क्योंकि इसी क्षेत्र में शक्ति स्वरूपा गंगा और यमुना धरती पर अवतरित होती हैं और हमारे त्रिदेवों में से दो-भगवान विष्णु और महादेव शिव के अधिवास भी यहीं हैं। यह यात्रा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाती है, जिससे सामूहिक आध्यात्मिक संस्कृति पनपती है।

माना जाता है कि इस यात्रा के बाद हम जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। जो लोग मुक्ति नहीं चाहते, वे भी आस्था, श्रद्धा, साधना और स्वयं के शोधन के लिए यह यात्रा करते हैं। हम जानते हैं कि यात्रा-मार्ग अत्यंत कठिन हैं, ये तीर्थ ऊंची पहाड़ियों पर स्थित हैं। आज तो फिर भी बहुत-सी सुविधाएं हो गई हैं, लेकिन हमारे पूर्वज जिन कठिनाइयों के साथ ये यात्रा करते थे, उनकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। हम यह अच्छी तरह जानते हैं कि भगवान को पाने का मार्ग आसान नहीं होता। इसलिए तीर्थ यात्री तमाम कष्टों को झेलते हुए भी खुशी-खुशी यह यात्रा करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि इस यात्रा के बाद वे एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाएंगे।

चारधाम-गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल गए हैं। इसी के साथ हजारों-हजार देसी-विदेशी तीर्थयात्रियों का आना भी शुरू हो गया है। उत्तराखंड चूंकि एक पहाड़ी प्रदेश है, इसलिए यहां आपदा की आशंकाएं हमेशा मंडराती रहती हैं। रास्ते संकरे हैं। पहाड़ बेहद नाजुक हैं, इसलिए मैदानों की तरह सड़कें ज्यादा चौड़ी नहीं हैं। उनकी वहन क्षमता भी सीमित होती है। यहां का पर्यावरण और जैव-विविधता भी नाजुक हैं। देश और समाज के दुश्मनों की बुरी निगाहें भी निरंतर बढ़ती रही हैं। जबकि जैसे-जैसे लोगों में अपने धार्मिक स्थलों के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, साल दर साल तीर्थ यात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है। इसलिए हमारे लिए इसका आयोजन लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इन्हीं चुनौतियों के मद्देनजर हमने पिछले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और सुविधा के स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। हमारा मुख्य फोकस 'सुगम और सुरक्षित यात्रा' पर है। 2013 में आई आपदा के बाद यात्रियों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। इससे प्रशासन को यह पता रहता है कि किस धाम में कितने यात्री हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए रिस्टबैंड या टोकन सिस्टम का उपयोग किया गया है, ताकि आपात स्थिति में उनकी लोकेशन का पता लगाया जा सके। यात्रियों के लिए स्वास्थ्य और पहचान संबंधी जानकारी वाले कार्ड्स की सुविधा शुरू की गई है।

सुविधाओं के विस्तार से सुगम हुई तीर्थयात्रा। फाइल

प्रधानमंत्री मोदी जी का देवभूमि के प्रति विशेष लगाव रहा है। इसलिए उन्होंने उत्तराखंड के तीर्थ स्थलों को जोड़ने के लिए विशेष बुनियादी ढांचा स्वीकृत किया। लगभग 889 किमी के आल वेदर रोड प्रोजेक्ट के तहत लंबी सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया है, ताकि भूस्खलन के दौरान भी रास्ते जल्द से जल्द खुल सकें और साल भर कनेक्टिविटी बनी रहे। केदारनाथ और बदरीनाथ के लिए कई जगहों से हेलीकाप्टर सेवाएं शुरू की गई हैं। बुकिंग को अब आइआरसीटीसी के माध्यम से एकीकृत किया गया है, ताकि किसी तरह की घपलेबाजी न हो। ऊंचाई पर होने वाली स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों (जैसे आक्सीजन की कमी) से निपटने के लिए रास्तों में जगह-जगह एसी मेडिकल रिलीफ सेंटर और आक्सीजन पार्लर खोले गए हैं। 'स्वच्छ भारत' के तहत धामों में कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक शौचालयों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। पूरे चारधाम मार्ग पर खाने-पीने और रहने की प्रचुर सुविधाएं उपलब्ध हैं। सरकार के गेस्ट हाउसों का भी आधुनिकीकरण किया गया है और टेंट सिटी की व्यवस्था इस बार और भी बेहतर की गई है। चारधाम यात्रा मार्ग पर लगातार निगरानी के लिए विभिन्न जगहों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। प्रत्येक 10 किलोमीटर पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की चौबीसों घंटे तैनाती रहेगी। बदरीनाथ और केदारनाथ धामों के महत्व और बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी के आशीर्वाद से पुनर्नवीकरण प्लान बना है। दोनों ही तीर्थों के लिए मास्टरप्लान बनाए गए हैं, ताकि आने वाले 50 वर्षों के अनुमान पर आधारित विकास हो। इसमें चौड़े घाट, पुजारियों के लिए नए आवास और मंदिर के चारों ओर एक सुरक्षित और खुला परिसर बनाया गया है। दोनों ही स्थानों पर दो नए अस्पताल बनाए गए हैं।

देवताओं की भूमि उत्तराखंड में सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। यात्रा के दौरान कृपया निर्धारित नियमों का पालन करें और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस पवित्र तीर्थयात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय योगदान दें।

(लेखक उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

प्रिय और हित

'प्रिय' और 'हित'-इन दो शब्दों का यदि हम समझने का प्रयास करें तो जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है। सामान्यतः मनुष्य प्रियता की ओर आकर्षित होता है। जो हमें अच्छा लगता है, वही प्रिय प्रतीत होता है-आंखों को सुंदर दृश्य, कानों को मधुर शब्द और जीभ को स्वादिष्ट भोजन। पांचों इंद्रियां स्वाभाविक रूप से प्रिय वस्तुओं की ओर झुकती हैं, परंतु हम अक्सर यह विचार नहीं करते कि जो हमें अच्छा लगता है, क्या वह वास्तव में हमारे हित में भी है? बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो प्रियता को गौण रखकर हित का चिंतन करते हैं।

यदि मन में सकारात्मक विचार न भरे जाएं तो नकारात्मक विचार स्वतः ही जन्म लेने लगते हैं। जैसे खेत में खरपतवार उग आते हैं। इसी प्रकार यदि हम अपने जीवन में हितकारी विचारों और आदतों को स्थान नहीं देंगे तो अहितकारी प्रवृत्तियां स्वतः विकसित हो जाएंगी। अक्सर हम यह सोचकर बदलाव से बचते हैं कि हम किसी कार्य को वर्षों से एक ही तरीके से करते आ रहे हैं तो उसे बदलने की आवश्यकता क्यों है? किंतु यदि हम केवल पुरानी लीक पर चलते रहें तो नई खोज और प्रगति कैसे संभव होगी? उत्कृष्टता प्राप्त करने की आकांक्षा हमें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए हमें अपने मन के द्वार खोलने होंगे और भीतर की सुप्त ऊर्जा को जागृत करना होगा। इस प्रक्रिया में कठिनाइयां और ठोकरें भी आएंगी, किंतु यही उत्कृष्टता प्राप्त करने की कीमत है।

हम सभी में क्षमताएं निहित हैं। आवश्यकता उन्हें विकसित करने की है। यदि दृढ़ रहकर निरंतर प्रयास करें तो सफलता अवश्य मिलती है। पुरानी आदतों को छोड़कर नई आदतों का निर्माण संभव है। हमारा मस्तिष्क इतना सक्षम है कि वह न केवल पुरानी प्रवृत्तियों को त्याग सकता है, बल्कि नई सकारात्मक आदतों को भी अपनाने की क्षमता रखता है।

प्रदीप छाजेड़

चाइनीज मांझे के उपयोग पर प्रतिबंध

डा. मोनिका शर्मा

पतंग उड़ाने के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल पक्षियों और पर्यावरण सहित इंसानों के लिए भी बड़ा जोखिम बन गया है

हाल में राजस्थान सरकार ने पतंगबाजी में काम आने वाले चाइनीज मांझे के इस्तेमाल, बिक्री और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में प्रतिबंधित मांझे यानी काइट फ्लाइंग थ्रेड का उपयोग या बिक्री करने पर न केवल जुर्माना, बल्कि जेल भी हो सकती है। इस मामले में लगातार आदेशों की अवहेलना करने पर और कड़ी सजा मिलेगी। गौरतलब है कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 15 के अंतर्गत इन निर्देशों के उल्लंघन के दोषी को पांच साल तक की कैद या एक लाख रुपये जुर्माना लग सकता है, या सजा और अर्थदंड दोनों ही भुगतने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं निर्देशों के उल्लंघन की अवधि बढ़ने पर सजा सात साल तक बढ़ाई जा सकती है।

चिंतनीय है कि चाइनीज मांझे का इस्तेमाल पक्षियों और पर्यावरण के लिए ही नहीं, इंसानों के लिए भी बड़ा जोखिम बन गया है। वर्षभर देश के कोने-कोने से चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं के समाचार आते रहते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के मांझे से कट जाने, संतुलन बिगड़ने से दुर्घटना घटने और पतंगबाजी करने वालों के हाथों में घाव होने जैसे खतरे हैं। यह जानलेवा धागा औरों के लिए ही नहीं, पतंगबाजी करने वालों के भी हाथों, आंखों और त्वचा लिए बेहद नुकसानदेह है। नायलान या प्लास्टिक के धागे पर धातु, कांच और लोहे का पाउडर लेपकर धारदार बनाया गया चाइनीज मांझा अत्यंत घातक होता है। इस तरह के खतरनाक मांझे की बिक्री और इस्तेमाल रोकने के लिए हर वर्ष नियम बनाए जाते हैं। लोगों को जागरूक किया जाता है। बावजूद इसके इसका उपयोग जारी है। यही वजह है कि राजस्थान में सख्त नियम बनाए गए हैं। अधिसूचना में घातक चाइनीज धागे का निर्माण, बिक्री, भंडारण, आपूर्ति, आयात, परिवहन और उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

कहना गलत नहीं होगा कि सख्त से सख्त नियमों को भी आमजन की सहभागिता से ही धरातल पर उतारा जा सकता है। ऐसे में जीवन का जोखिम बने चाइनीज मांझे से लोग खुद ही दूरी बनाने की सोचें। इसका सही विकल्प इस्तेमाल करने को लेकर राजस्थान सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि केवल सादा सूती धागा, जिसमें कोई धारदार या चिपकाने वाला पदार्थ न हो, उसी का उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही आदेशों की पालना और सामूहिक निगरानी के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी है। अपनी और दूसरों की जिंदगी को संकट में डालने वाले घातक मांझे का इस्तेमाल रोकने के लिए देखरेख की दरकार ही क्यों हो? सूती-स्वदेशी और बायोडिग्रेडेबल मांझे के उपयोग से पशु-पक्षी, पर्यावरण और मानवीय जीवन सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

अक्षय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाए भारत

'ऊर्जा संकट से जूझता विश्व' शीर्षक से प्रकाशित संजय गुप्त का आलेख पढ़ा। ईरान युद्ध के कारण आज विश्व ऊर्जा संकट के एक गंभीर दौर से गुजर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के लगभग सभी देश किसी न किसी रूप में प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि वर्तमान संकट से निपटने के लिए कई देशों ने वैकल्पिक उपायों की दिशा में काम शुरू कर दिया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और बांग्लादेश जैसे देशों ने अस्थायी रूप से कोयला-आधारित ऊर्जा की ओर रुख किया है। यह जानकारी कार्बन ब्रीफ जैसे स्रोतों से भी सामने आई है, जो जलवायु और ऊर्जा से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत करते हैं। कुछ देशों ने अपने नागरिकों से ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील भी की है, ताकि संकट के प्रभाव को कम किया जा सके। भारत के लिए भी यह समय सतर्कता और दूरदर्शिता का है। देश को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, ज्वार-भाटा ऊर्जा, बायोगैस और जैव ईंधन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। भारत प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध देश है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में समन्वित और गंभीर प्रयास करें तो भारत विश्व का अग्रणी अक्षय ऊर्जा उत्पादक देश बन सकता है। इससे न केवल ऊर्जा संकट का समाधान संभव होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। अंततः ऊर्जा संकट केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। इसका समाधान तभी संभव है, जब सरकारों के साथ-साथ आम जनता भी जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय भागीदारी निभाए।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

मेलबाक्स

बढ़ती गर्मी, बढ़ती चिंता

सामान्यतः भारत में तापमान की निर्धारित सीमाओं या मानकों से अधिक वृद्धि के आधार पर हीटवेव घोषित की जाती है। हालांकि इन पारंपरिक मापदंडों में आर्द्रता को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। वास्तव में, आर्द्रता के कारण गर्मी का प्रभाव अधिक तीव्र महसूस होता है, जिससे मानव असुविधा काफी बढ़ जाती है। अब भारतीय मौसम विभाग ने गर्मी के प्रभाव का अधिक सटीक आकलन करने के लिए ''प्रायोगिक हीट इंडेक्स'' पेश किया है। यह सूचकांक केवल तापमान पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें आर्द्रता को भी शामिल किया गया है, जिससे वास्तविक महसूस होने वाली गर्मी का अधिक सटीक चित्र सामने आता है।

दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर खतरा

ईरान और अमेरिका के बीच समझौते की कोई ठोस संभावना फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। इसके परिणामस्वरूप पश्चिम एशिया का संकट लगातार गहराता जा रहा है और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वार्ताओं के पहले दौर के बाद यह उम्मीद जगी थी कि दूसरे चरण में कोई समाधान निकल सकता है, लेकिन दुर्भाग्यवश बातचीत फिर विफल रही। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों देशों के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है, और इसकी अस्थिरता सीधे ऊर्जा संकट को जन्म दे सकती है। वर्तमान परिदृश्य यह संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिद्धांत और नियम कमजोर पड़ते जा रहे हैं। ''जिसकी लाठी, उसकी भैंस'' जैसी स्थिति बनती दिखाई दे रही है। पहले, जब तक युद्ध की स्थिति नहीं थी, ईरान ने इस मार्ग पर किसी प्रकार की नाकेबंदी नहीं की थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। दूसरी ओर, अमेरिका की सैन्य मौजूदगी ने तनाव को और बढ़ा दिया है। यदि समय रहते कोई ठोस समाधान नहीं निकला तो इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट के रूप में सामने आ सकता है।

मिथिलेश कुमार, भागलपुर, बिहार

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

0.05 प्रतिशत से भी कम होती है भारत में पाए जाने वाले यूरेनियम भंडार में इसकी असल मात्रा, लिहाजा ऐसे निम्न-सांद्रता वाले अयस्क का खनन और प्रसंस्करण महंगा पड़ता है।

आजकल

भारतीय ऊर्जा सुरक्षा में कनाडा का सहयोग

होर्मुज समुद्री मार्ग के लंबे समय से बाधित रहने की घटना से पश्चिम एशिया की स्थिरता का मिथक अब टूट चुका है। यह केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं है। कच्चे तेल की कीमतों में हुई व्यापक वृद्धि के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल कायम है। इसने वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। ऐसे में भारत आज ऊर्जा के क्षेत्र में नए साझेदार और नए मार्ग तलाश रहा है, ताकि उनके माध्यम से भारत की ऊर्जा सुनिश्चित की जा सके। ऐसे में कनाडा के सहयोग की भूमिका उल्लेखनीय मानी जा रही है

डा. स्नेहा भगत
असिस्टेंट प्रोफेसर, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जेएनयू

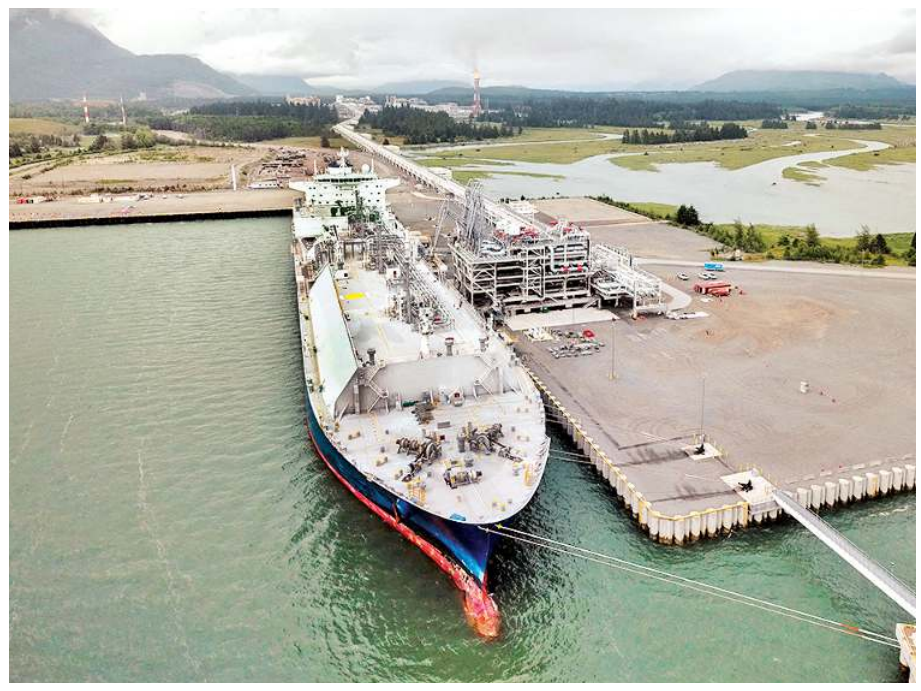

वैकल्पिक समुद्री मार्ग से कनाडा से ऊर्जा का आयात भारत के लिए सुगम और सस्ता होने की उम्मीद की जा रही है। फाइल

भारत आज एक स्पष्ट और जटिल भू-राजनीतिक दुविधा का सामना कर रहा है। घरेलू स्तर पर भी स्थिति चुनौतीपूर्ण है। उच्च गुणवत्ता वाले यूरेनियम की कमी, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण खनिजों का अभाव और हाइड्रोकार्बन भंडार पर्याप्त न होना। इसका सीधा अर्थ है कि भारत की ऊर्जा क्षमता अभी सीमित है। केवल तत्काल सौदों के बाजार से खरीद या अस्थायी उपाय ही इस संकट का समाधान नहीं है। आर्थिक विकास और दीर्घकालिक ऊर्जा परिवर्तन को सुरक्षित करने के लिए व्यापक और बहु-स्तरीय दृष्टि आवश्यक है। इसी बदलते परिदृश्य में कनाडा का महत्व उभरकर सामने आता है। वह केवल एक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की समग्र ऊर्जा सुरक्षा संरचना में एक सक्षम और भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित हो रहा है। ऐतिहासिक रूप से भारत-कनाडा संबंधों को अक्सर प्रवासी राजनीति और व्यापार विवादों के सीमित दृष्टिकोण से देखा गया है। लेकिन आज की वैश्विक व्यवस्था अलग है।

सप्लाई चेन अब केवल आर्थिक माध्यम नहीं रहीं, बल्कि शक्ति के उपकरण बन चुकी हैं। महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है, और इसी के साथ नीति-निर्माण की प्राथमिकताएं भी बदल रही हैं। ऐसे माहौल में भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल बाजार से संसाधन खरीदने का सवाल नहीं है। इसके लिए विश्वसनीय मध्यम शक्तियों के साथ गहरे और संस्थागत स्तर पर संसाधन कूटनीति विकसित करना आवश्यक है। जैसे-जैसे यह संकट गहराता है, भारत की ऊर्जा रणनीति में कनाडा की भूमिका को पूरक विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक स्तंभ के रूप में स्थापित करना होगा। ताकि वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारत की विकास यात्रा टिकाऊ, सुरक्षित और नियंत्रण में संचालित रहे।

सुरक्षित पश्चिमी मार्ग : होर्मुज की नाकेबंदी के दबाव में वैश्विक ऊर्जा बाजार जिस तरह हिल रहे हैं, उसने एक बुनियादी सच्चाई फिर स्पष्ट कर दी है- ऊर्जा सुरक्षा का आधार विविधता है। यह विचार विंस्टन चर्चिल ने दशकों पहले रखा था, लेकिन आज इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। भारत जैसी तेजी से बढ़ती और आयातित ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए यह संकट साफ संकेत देता है कि भौगोलिक एकाग्रता अब केवल जोखिम नहीं, बल्कि कमजोरी बन चुकी है। इस चुनौती का समाधान केवल नए आपूर्तिकर्ता ढूंढ़ना नहीं है। असली जवाब है सुरक्षित और वैकल्पिक समुद्री मार्गों का उपयोग। कनाडा का पश्चिमी तट यही अवसर प्रदान करता है। यह एक ऐसा अंतरमहासागरीय मार्ग उपलब्ध कराता है, जो फिलहाल बेहतर है।

इस सुरक्षित पश्चिमी मार्ग की आधारशिला है ट्रांस माउंटेन विस्तार (टीएमएक्स) पाइपलाइन, जो अब पूरी तरह चालू है। यह अल्बर्टा से कच्चे तेल की आपूर्ति को लगभग तीन गुना बढ़ाकर कनाडा के पश्चिमी तट तक पहुंचाती है और लगभग 8.9 लाख बैरल प्रतिदिन की क्षमता उपलब्ध कराती है। यह केवल वैश्विक आपूर्ति में वृद्धि नहीं है। यह भारत की रिफाइनिंग संरचना के साथ एक सटीक मेल भी प्रस्तुत करती है। भारत की रिफाइनरियां, विशेषकर गुजरात की जामनगर जैसी जटिल तटीय इकाइयां, भारी और सल्फरयुक्त कच्चे तेल के प्रसंस्करण के लिए विकसित की गई हैं। टीएमएक्स से आने वाला तेल इसी श्रेणी का है। जब इस तेल को कनाडा के पश्चिमी टर्मिनलों से लोड कर समुद्री मार्गों के माध्यम से एशिया तक भेजा जाता है, तो भारत के लिए एक भरोसेमंद और वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला की संभावना बनती है। यह एक ऐसा व्यापारिक विकल्प प्रस्तुत करती है, जो क्षेत्रीय संघर्षों के दैनिक झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रह सकता है।

गैस के क्षेत्र में भी यही बदलाव दिखाई दे रहा है। मध्य-पूर्व की ऊर्जा संरचनाओं को हाल में हुई क्षति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गैस आपूर्ति कितनी नाजुक हो सकती है। कनाडा का पश्चिमी तट एक संतुलनकारी विकल्प के रूप में उभर रहा है।

कनाडाई यूरेनियम का लाभ : समुद्री अवरोध बिंदुओं से छुटकारा पाना वैश्विक तेल संकट के तात्कालिक जोखिम को कम करता है। लेकिन वास्तविक ऊर्जा स्वायत्तता इसके आगे की मांग करती है, जो राष्ट्रीय बिजली तंत्र को अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के प्रभाव से अलग करना है। सौर एवं पवन ऊर्जा भविष्य के लिए आवश्यक हैं। फिर भी उनकी अनियमित प्रकृति एक कठोर सच्चाई है। उन्हें एक स्थिर और भरोसेमंद आधार की जरूरत होती है। ऐसे समय में जब जीवाश्म ईंधन की आपूर्ति श्रृंखलाएं दबाव के एक साधन के रूप में इस्तेमाल हो रही हैं, नागरिक परमाणु ऊर्जा केवल स्वच्छ विकल्प नहीं रह जाती। यह एक ऐसा ऊर्जा स्रोत बनकर उभरती है जो भू-राजनीतिक झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है।

हालांकि, भारत की परमाणु ऊर्जा विस्तार की योजनाएं लंबे समय से भूवैज्ञानिक सीमाओं से टकराती रही हैं। जादूगोड़ा और तुम्मलापल्ले जैसे क्षेत्रों में मौजूद यूरेनियम भंडार कम गुणवत्ता वाले हैं। इनमें अक्सर यूरेनियम की मात्रा 0.05 प्रतिशत से भी कम होती है। ऐसे निम्न-सांद्रता वाले अयस्क का खनन और प्रसंस्करण महंगा पड़ता है। ऐसे में कनाडा का सहयोग लाभकारी साबित हो सकता है। सस्केचेवान का एथाबास्का बेसिन दुनिया के सबसे उच्च गुणवत्ता वाले यूरेनियम भंडारों का केंद्र है। यहां के कुछ अयस्कों में यूरेनियम की सांद्रता वैश्विक औसत से 100 गुना तक अधिक पाई जाती है।

लिहाजा यह केवल एक वाणिज्यिक समझौता नहीं है, बल्कि द्विपक्षीय ऊर्जा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इस समझौते के तहत अगले दस वर्षों में लगभग 2.2 करोड़ पाउंड उच्च गुणवत्ता वाले यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इस समझौते का प्रभाव विशेष रूप से दीर्घकालिक है। पेट्रोलियम और एलएनजी के विपरीत, जिन्हें लगातार आयात कर खपत करना पड़ता है, परमाणु ईंधन लंबे चक्र पर काम करता है। एक बार रिएक्टर में ईंधन भर दिए जाने के बाद वह कई वर्षों तक निरंतर और बड़े पैमाने पर बिजली उत्पन्न करता है। यह प्रणाली वैश्विक बाजार की रोजमर्रा की अस्थिरता से लगभग पूरी तरह अलग रहती है। इस प्रकार, कनाडा से दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति सुनिश्चित करके भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा में वास्तविक गहराई जोड़ रहा है।

भविष्य की ऊर्जा और रणनीतिक खनिजों का तालमेल

आज विश्व तेजी से कार्बन-मुक्त भविष्य की ओर बढ़ रहा है और इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की बुनियादी संरचना में गहरा बदलाव आ रहा है। अब ऊर्जा का भविष्य उसके निर्माण में निहित है- सौर पैनल, पवन टर्बाइन और उच्च क्षमता वाली बैटरी प्रणालियां इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। लेकिन यह हरित औद्योगिक क्रांति अपने भीतर एक गंभीर भू-राजनीतिक जोखिम भी समेटे हुए है। इन आधुनिक प्रौद्योगिकियों के लिए अत्यधिक मात्रा में रणनीतिक खनिजों की आवश्यकता होती है। यदि भारत अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित नहीं करता, तो वह केवल अपनी पुरानी निर्भरता को बदलकर एक नई निर्भरता में फंस जाएगा। फर्क केवल इतना होगा कि यह निर्भरता तेल उत्पादक देशों के बजाय महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के एकाधिकार पर आधारित होगी, जो उतनी ही बाधक साबित हो सकती है।

वास्तविक संसाधन स्वायत्तता हासिल करने और अपने नेट-जीरो तथा विनिर्माण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत अकेले आगे नहीं बढ़ सकता। उसे ऐसे साझेदार की आवश्यकता है जो उसे बड़े पैमाने पर और तकनीकी रूप से उन्नत धातुओं की आपूर्ति प्रदान कर सके। कनाडा वैश्विक खनन क्षेत्र में अग्रणी है। उसके पास उन गैर-लौह धातुओं के विशाल और अभी तक पूरी तरह विकसित न हुए भंडार हैं, जो 21वीं सदी की ऊर्जा प्रणाली के लिए अनिवार्य हैं। लेकिन भारत और कनाडा के बीच सहयोग केवल खनिजों के उत्खनन तक सीमित नहीं है। आज की भू-राजनीतिक वास्तविकता में असली चुनौती खनिजों की खोज नहीं है। चुनौती है उन्हें इस तरह संसाधित और परिष्कृत करना कि वे उपयोगी औद्योगिक घटकों में बदल सकें, और यह प्रक्रिया पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना पूरी हो। कनाडा इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) मानकों के साथ आता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत-कनाडा आपूर्ति श्रृंखला केवल सुरक्षित ही नहीं, बल्कि टिकाऊ भी हो। इस संरचनात्मक तालमेल को 2026 की शुरुआत में हुए महत्वपूर्ण समझौतों के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया। मार्च में भारत के खनन मंत्रालय और कनाडा के प्राकृतिक संसाधन विभाग के बीच हुआ यह व्यापक समझौता पारंपरिक खरीदार-विक्रेता संबंधों से आगे है।

भारत के लिए इस सहयोग का महत्व बेहद व्यावहारिक है। यह तय करेगा कि आने वाले वर्षों में भारत में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते और स्थानीय स्तर पर निर्मित होंगे, या महंगी और आयातित बैटरियों पर निर्भर रहेंगे, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील हैं। अंततः, भविष्य की ऊर्जा केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल प्रश्न बन चुका है। वर्तमान वैश्विक संकट यह स्पष्ट करता है कि केवल लागत के आधार पर बनी आपूर्ति श्रृंखलाएं, जिनमें रणनीतिक भरोसा नहीं होता, दबाव में टिक नहीं पातीं। भारत-कनाडा के बीच महत्वपूर्ण खनिजों का यह सहयोग इसी समझ पर आधारित है।

(डा. स्नेहा भगत)

खरी-खरी

झालमुड़ी का उत्थान

श्याम यादव

बंगाल के चुनाव का नतीजा चाहे जो आए, ये जीते या वो, लेकिन इस चुनावी मौसम ने एक साधारण से नाश्ते को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना दिया है। नाम है झालमुड़ी। जो अब तक स्टेशन, बाजार और कालेज आदि के बाहर खाई जाने वाली चीज थी, वह अचानक कैमरों और चर्चाओं के केंद्र में आ गई है।

पहले झालमुड़ी सिर्फ भूख मिटाती थी, अब वह छवि भी गढ़ती है। सवाल उठने लगे- किसने खाई, किसने खिलाई, और खाने वाला सच में भूखा था या कैमरे के लिए भूखा दिख रहा था? दरअसल राजनीति का पुराना हुनर है कि वह साधारण चीजों को असाधारण बना देती है। कभी चाय चर्चा बनती है, कभी खिचड़ी विचारधारा। अब उसी कतार में झालमुड़ी भी शामिल हो गई है।

अब कोई नेता झालमुड़ी खा ले, तो वह सिर्फ खाना नहीं खाता, वह यह भी सुनिश्चित करता है कि कैमरा भूखा न रह जाए। संदेश साफ रहता है- ''देखिए, मैं भी आम आदमी हूं।'' आम आदमी यह देख मुस्कुरा देता है- ''हम तो रोज खाते हैं, हमारे हिस्से में कभी कैमरा नहीं आया।''

मीडिया ने इस बार पूरी तत्परता दिखाई। कैमरा प्लेट पर ऐसे टिका जैसे कोई ऐतिहासिक फैसला दर्ज हो रहा हो। 'देखिए, यह वही क्षण है' और उधर दुकानवाला सोचता रहा कि आज नमक ज्यादा पड़ा या चर्चा।

इंटरनेट मीडिया ने इसे और ऊंचाई दे दी। किसी ने इसे सादगी बताया, किसी ने अभिनय। बहस इस स्तर तक पहुंची कि लगा मानो देश की अगली नीति झालमुड़ी तय करेगी।

सबसे दिलचस्प किरदार वही दुकानवाला है। उसके लिए न चुनाव बदला, न झालमुड़ी, बस ग्राहक बदल गए।

चुनाव खत्म होगा, नतीजे आएंगे, सरकार बनेगी और झालमुड़ी फिर अपनी पुरानी जगह लौट जाएगी। जहां उससे कोई विचारधारा नहीं पूछता, बस कहा जाता है- मिर्च थोड़ी कम रखना। लेकिन जाते-जाते वह एक बात जरूर सिखा गई, हमारे यहां चीजों की अहमियत उनके स्वाद से नहीं, उनके इस्तेमाल से तय होती है। और इस बार इस्तेमाल ऐसा हुआ कि एक साधारण-सी झालमुड़ी भी समझ गई- चर्चा की भूख, असली भूख से कहीं ज्यादा तेज होती है।

पोस्ट

टी-20 क्रिकेट में गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बीच जो असंतुलन पैदा होता जा रहा है, वह खेल को उबाऊ बना रहा है।

भरत रामराज@Fancricket12

क्रिकेट में जब बल्लेबाजों को सुरक्षित हेलमेट और बेहद असरदार मोटे बल्ले दिए गए, तो उसी अनुपात में गेंदबाजों के हित के लिए बाउंड्री की सीमा को भी दस मीटर बढ़ा दी जानी चाहिए।

संजय मांजरेकर@sanjaymanjrekar

55 साल पहले याह्या खान तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के पसंदीदा थे, ठीक वैसे ही जैसे आज मुनीर ट्रंप के पसंदीदा बताए जा रहे हैं। नाम और तारीखें बदल गई हैं, लेकिन व्हाइट हाउस का दृष्टिकोण बहुत हद तक वही लगती है।

प्रो. शामिका रवि@ShamikaRavi

अमेरिका में शापिंग माल से लेकर स्कूल, रैलियों, सैलानियों पर गोलाबारी से लेकर राष्ट्रपति के सुरक्षा घेरे को भेदकर भी गोलीकांड हो जाते हैं। अपराधों का बोलबाला है और वहां के राष्ट्रपति दूसरे देशों को 'नरक का द्वार' बताते हैं।

अरविंद@aravind

अजय शुक्ला
ajay.shukla@lko.jagran.com

उत्तर प्रदेश डायरी

चालू है चुनावी साल में मुद्दों की इंजीनियरिंग

ज्वालामुखी फूटने से पहले जिस तरह जमीन के नीचे लावा खदबदाता है, चुनावी साल में उसी तरह मुद्दे खदबदाने लगते हैं। साथ ही बढ़ जाती है राजनीतिक दलों की छटपटाहट, उसमें अपनी पसंद के रंग भरने की। उत्तर प्रदेश में सियासी तीर्थ बनने की राह पर चल निकला गाजीपुर जिले का करंडा क्षेत्र पिछले पखवाड़े भर से इसी का उदाहरण बना हुआ है। बुधवार को यहां समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आने वाले हैं। उनकी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल 22 अप्रैल को वहां जाकर पहले ही हंगामा काट चुका है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कथित दुष्कर्म और हत्या के लिए सीधे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को निशाने पर लेते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। प्रकरण को तूल पकड़ता देख राज्य सरकार ने भी पेशबंदी शुरू कर दी। इस कड़ी में शनिवार को कैबिनेट मंत्री और एनडीए के घटक सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भी राजनीतिक पुण्य अर्जित करने के लिए गांव हो आए। उन्होंने पांच लाख रुपये की सहायता भी पीड़ित के परिवार को दी।

अब उस प्रकरण का विवरण भी जान लीजिए जिसे लेकर यह 'तीर्थयात्रा' शुरू हुई है। क्षेत्र के एक गांव में 14 अप्रैल की रात एक 16 वर्षीय किशोरी घर से गायब हो गई। अगली सुबह यानी 15 अप्रैल को उसका शव गंगा नदी में जमानिया पुल के पास मिला। पिता ने डायल 112 पर काल कर सूचना दी कि उसकी बेटी ने आत्महत्या कर ली। यहां तक यह एक दुखद घटना थी जिसकी तपिश पीड़ित परिवार ही महसूस कर सकता था, लेकिन गांव में फुसफुसाहट शुरू हुई और दूसरे एंगल निकाले जाने लगे। इसके बाद पिता ने करंडा थाने में तहरीर दी कि 19 वर्षीय हरिओम पांडे और उसके दोस्त ने बेटी का अपहरण और दुष्कर्म कर उसकी हत्या की है, न्याय चाहिए। चूंकि पीड़ित परिवार ओबीसी वर्ग से आता है, इसलिए स्थानीय सामाजिक संगठन भी कूदे और अगड़ा-पिछड़ा की बात भी उठने लगी। इस बीच पुलिस ने अपना काम किया। आरोपी हरिओम पांडे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो किशोरी रात में अकेले घर से जाते हुए देखी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई तो दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई और पानी में डूबने से मौत पाई गई। काल डिटेल खंगाली गई तो मामले में प्रेम-प्रसंग के कोण नजर आते दिखे।

सपा प्रतिनिधिमंडल पहुंचने के बाद मारपीट में घायल युवक। फाइल

अब पिता कह रहा है कि वह पुलिस की जांच से संतुष्ट है और कोई राजनीतिक हंगामा नहीं चाहता। उसने यह बात इंटरनेट मीडिया में भी स्पष्ट की है, लेकिन बात अब सिर्फ परिवार की नहीं रही। परिवार बेटी की मौत से स्तब्ध है, लेकिन सामाजिक और राजनीतिक संगठन उसे न्याय दिलाने पर तुले हुए हैं। उनका कहना है कि पिता जो कह रहा, वह पुलिस के दबाव में कह रहा है। 22 अप्रैल को पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा तो अप्रिय स्थिति बन गई। पीड़ित परिवार नहीं चाहता था कि अब इस बात पर हंगामा हो, इसलिए उसने प्रतिनिधिमंडल से मिलने से मना कर दिया। मनुहार पर कुछ लोगों से मिलने की सहमति दी तो प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने एक ग्रामीण की पिटाई कर दी। बात बढ़ी और प्रतिनिधिमंडल व ग्रामीणों के बीच पथराव शुरू हो गया। थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मी और सपा कार्यकर्ता घायल हुए और यह प्रकरण प्रदेश स्तर पर मीडिया की सुर्खियों में आ गया। गांववासी और ग्राम प्रधान इसे 'अनावश्यक सियासी हस्तक्षेप' बता रहे हैं। पुलिस ने 47 लोगों (सपा कार्यकर्ताओं सहित) के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और 10 को गिरफ्तार किया है।

कहावत है- कब्र का हाल मुर्दा जाने। वास्तविकता क्या है, यह तो दिवंगत आत्मा को ही पता होगा या पीड़ित परिवार ही समझता होगा। लेकिन ऐसी घटनाओं के बाद जब परिवार का दुख बंटाने की जरूरत होती है, तब राजनीति चुनावी मुद्दों की इंजीनियरिंग करने में जुटी है। इस प्रकरण में 'पीडीए, महिला और कानून व्यवस्था की स्थिति' जैसे तीन-तीन मुद्दों का पैकेज है। लिहाजा कोई भी इस मौके को छोड़ना नहीं चाहता। कांग्रेस इसकी तुलना हाथरस और उन्नाव कांड से कर रही है। अब बुधवार 29 अप्रैल को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के करंडा जाने की घोषणा के बाद प्रशासन भी तैयारी में जुट गया है। यहीं से प्रश्न उभर रहा है कि क्या कांग्रेस सहित दूसरे दल भी राजनीतिक तीर्थयात्रा का लोभ संवरण कर पाएंगे? 29 अप्रैल की तिथि भी खास है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 को काशी और 29 अप्रैल को हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में मौजूद होंगे। ऐसे में विपक्ष करंडा कांड के बहाने इन उपलब्धियों को ढंकने की कोशिश में कोई कोर-कसर छोड़ने की मंशा में नहीं दिख रहा।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

आप छोड़कर जाने वाले राज्यसभा सदस्यों की सदस्यता समाप्त होनी चाहिए?

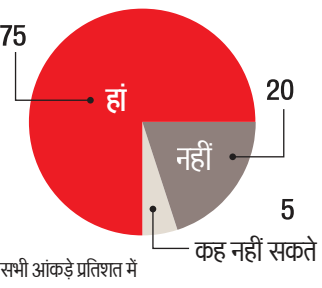

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या वैभव सूर्यवंशी को भारत की टी-20 टीम में स्थान दिया जाना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

तानाशाही का यही होता है अंजाम,
बन आई अब जान पर उन्हें बचाएं राम।
उन्हें बचाएं राम पड़े पीछे हत्यारे,
'ताकतवर' डोनाल्ड छिपें बनकर 'बेचारे'!
जा औरों के मुल्क मचाते आप तबाही,
भुगताएगी एक रोज यह तानाशाही।

– ओमप्रकाश तिवारी

छत्तीसगढ़ डायरी

शिक्षा-स्वास्थ्य में तेज बदलाव

डा. सुनील गुप्ता
संपादकीय प्रभारी, बिलासपुर

बस्तरवासियों ने एक वह भी दौर करीब से देखा है, जिसमें सिवाय बंदूक, गोला-बारूद और आतंक के और कुछ नहीं था। स्वस्थ शरीर तो छोड़िए, जीने की कल्पना मात्र से आदिवासी सिहर उठते थे। लाल आतंक कहें या फिर माओवाद, अब इतिहास की बातें हो गई हैं। इतिहास के काले पन्ने में यह समाहित हो गया है। माओवाद के खत्म होते ही बस्तर में उम्मीदों की किरण जगमगाने लगी है। जाहिर सी बात है, जब जीवन में निश्चिंतता आती है, तो स्वास्थ्य की चिंता भी होने लगती है। राज्य सरकार को बस्तर के आदिवासियों, सुदूर वनांचल में रहने वाले वनवासियों की चिंता है, तभी तो बस्तर में एक नई स्वास्थ्य क्रांति की गूंज सुनाई दे रही है। शिक्षा की अलख भी जगा रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य और प्रकृति की गोद में रहने वाले आदिवासियों के स्वास्थ्य की चिंता सरकार कर रही है। पीढ़ी को संवारने और भावी पीढ़ी को बचाना भी उतना ही जरूरी है। स्वस्थ तन और मन के साथ भविष्य गढ़ने की दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः की भारतीय जीवनदृष्टि को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त (निरोगी) रहें... इस सूत्र वाक्य के साथ राज्य सरकार बस्तरवासियों के स्वास्थ्य की चिंता करना शुरू कर दिया है। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि बस्तर में वाकई राज्य सरकार की अगुवाई में स्वास्थ्य क्रांति की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिला चिकित्सालय में 'अटल आरोग्य लैब' का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। यह पहल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आधार बनेगी, जो विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के नागरिकों को आधुनिक एवं सुलभ जांच सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी।

इस योजना के केंद्र में बस्तर को रखकर पूरे प्रदेश में इसकी शुरुआत की गई है। योजना की खास बात यह है कि मुख्यमंत्री ने इसकी शुरुआत सुकमा से कर स्वास्थ्य अमले को संदेश दिया है कि प्रदेश के साथ ही बस्तर में सरकार का पूरा फोकस है। राज्य सरकार के इस कदम से यह साफ हो गया है कि बस्तर जैसे दूरस्थ अंचलों में ऐसी आधुनिक सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता में है। अटल आरोग्य लैब बस्तर के साथ ही छत्तीसगढ़ की डायग्नोस्टिक व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इससे रक्त जांच समेत विभिन्न रोगों की पहचान शीघ्र और सटीक रूप से संभव होगी, जिससे समय पर उपचार शुरू कर मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की दर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के साथ ही राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक अभियान छेड़ दिया है। माओवाद के दौर में स्कूलें बंद थीं। बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी थी। बस्तर की परिस्थितियां अब बदलने लगी हैं। स्कूलों को फिर से संवारा जा रहा है। स्कूलों में शिक्षक की व्यवस्था की जा रही है। बंद पड़े स्कूलों की मरम्मत की जा रही है। राज्य सरकार ने नौनिहालों के भविष्य गढ़ने अभियान शुरू कर दिया है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बस्तर में सबसे बड़ा अभियान : बस्तर में स्वास्थ्य का सबसे बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के जरिए इलाज की सुविधा दी जा रही है। बस्तर के सुदूर और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को लेकर चल रहा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान अब बस्तर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मजबूत आधार बनता जा रहा है। सीमित व दुर्गम दूरस्थ पहुंच वाले इलाकों में पहली बार इस स्तर पर व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने 4,96,889 से अधिक लोगों तक सीधी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई हैं।

सामान्य जनजीवन की ओर बढ़ती बस्तर के लोगों की दिनचर्या। फाइल

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव लाते हुए 13 अप्रैल से मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के तहत निश्शुल्क जांच की शुरुआत की गई है। सात अप्रैल से शुरू इस महाअभियान के तहत अब तक 4.91 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है, जिसमें 5,645 से ज्यादा गंभीर मरीजों को पहचानकर विशेषज्ञ इलाज के लिए रेफर किया गया है। इस पहल का उद्देश्य 35 लाख से अधिक लक्षित आबादी तक घर-घर जाकर जांच और इलाज पहुंचाना है।

बस्तर में स्वास्थ्य क्रांति की खास बातें : अटल आरोग्य लैब के तहत सुकमा से राज्य स्तरीय शुरुआत के बाद 1,046 सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों (जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी) में 133 प्रकार की पैथोलाजी जांच निश्शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल के तहत हर नागरिक का डिजिटल हेल्थ रिकार्ड आभा आइडी तैयार की जा रही है। टेक्नोलाजी आधारित इलाज का ही नतीजा है कि जांच रिपोर्ट वाट्सएप और एसएमएस के जरिए मिलेगी, जिससे मरीजों का समय बचेगा।

चौथी तिमाही में यूको बैंक का लाभ 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : बीते वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान यूको बैंक का शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 801 करोड़ रुपये रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के दौरान 653 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। हालांकि, बीती तिमाही के दौरान बैंक की आय घटकर 7,365 करोड़ रुपये रही है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 8,137 करोड़ रुपये थी। जनवरी-मार्च 2026 में बैंक की ब्याज से आय बढ़कर 6,656 करोड़ रुपये रही है। (प्रेट्र)

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बावजूद फसल वर्ष 2025-26 में गेहूं का उत्पादन स्थिर और मजबूत बना हुआ है।
- संजीव चोपड़ा, खाद्य सचिव

पश्चिम एशिया संघर्ष आर्थिकी के लिए बड़ा खतरा

यूनियन बैंक ने कहा- कच्चे तेल में तेजी से बढ़ेगी महंगाई

नई दिल्ली, एएनआइ: यूनियन बैंक आफ इंडिया ने एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा खतरा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महंगे कच्चे तेल से महंगाई बढ़ने के साथ ही रुपये और चालू खाते पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि होर्मुज स्ट्रेट से अभी तेल और गैस के जहाज नहीं निकल पा रहे हैं और ब्रेंट क्रूड 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर ट्रेड कर रहा है। यह माहौल वैश्विक और घरेलू बाजार के लिए अच्छा नहीं है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और उसकी अर्थव्यवस्था पर इसका असर पहले से ही दिख रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक दिक्कतों के बीच भारतीय मुद्रा दबाव में है। इसके चलते पिछले महीने डालर के मुकाबले भारतीय रुपये 95 के स्तर को पार कर गया था। दबाव के बीच आरबीआइ ने बाजार को स्थायित्व प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नान-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। आरबीआइ ने यह भी निर्देश दिया था कि अधिकृत डीलर बैंक ऐसे किसी भी विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध को दोबारा बुक नहीं कर सकेंगे, जिसे इन निर्देशों के लागू होने के बाद रद्द किया गया हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो रेट को 5.25% पर बरकरार रखा है जबकि तटस्थ रुख को दोहराया है। साथ ही कहा है कि बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव की स्थिति में कार्रवाई को तैयार है।

- भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल करता है आयात, आर्थिकी पर पहले से ही दिख रहा असर
- महंगे कच्चे तेल का भारतीय रुपये और चालू खाते पर पड़ सकता है दबाव, रुपये में गिरावट रोकने के लिए आरबीआइ ने किए कई उपाय

100 डालर प्रति बैरल के पार चल रहा ब्रेंट क्रूड

होर्मुज जल्द खुलने पर कम समय में सामान्य हो जाएगा तेल का उत्पादन

नई दिल्ली, एएनआइ: गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट जल्द खुल जाता है तो खाड़ी देशों में होने वाले कच्चे तेल का उत्पादन जल्द ही सामान्य हो जाएगा। हालांकि, उत्पादन के युद्ध से पहले के स्तर पर आने में ज्यादा समय लग सकता है। इन्वेस्टमेंट बैंक की रिसर्च विंग का अनुमान है कि खाड़ी देशों से निकलने वाले कच्चे तेल का उत्पादन युद्ध से पहले मुकाबले 57 प्रतिशत (1.45 करोड़ बैरल प्रतिदिन) कम हो गया है।

गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि अगर कोई नया हमला नहीं होता है तो उत्पादन में तेजी से रिकवरी हो सकती है। हालांकि, रिकवरी इस बात पर निर्भर करेगी कि कुओं से कितनी तेजी से तेल निकाला जाता है। अनुमान है कि संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी में उपलब्ध खाली टैंकर की क्षमता में लगभग 13 करोड़ बैरल की गिरावट आई है। गोल्डमैन को जल्द ही अच्छी रिकवरी के तीन कारण दिख रहे हैं। पहला, एलएनजी परिसंपत्तियों की तुलना में तेल क्षेत्र के नुकसान की रिपोर्ट कम मिली हैं। दूसरा, मार्च में सऊदी अरामको के प्रेसिडेंट और सीईओ की टिप्पणी से पता चला कि वह उत्पादन बहुत तेजी से बढ़ा सकता है। तीसरा, इतिहास बताता है कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात बाजार को स्थिरता प्रदान करने के लिए अतिरिक्त क्षमता का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गोल्डमैन सैक्स ने कहा- खाड़ी देशों से होने वाला उत्पादन युद्ध से पहले के मुकाबले 57 प्रतिशत कम हुआ

जनवरी-मार्च में सस्ते घरों की बिक्री 23% घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: जनवरी-मार्च के दौरान देश के शीर्ष आठ शहरों में 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले किफायती या सस्ते घरों की बिक्री सालाना आधार पर 23 प्रतिशत घटकर 16,273 यूनिट रह गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंट नाइट फ्रैंक इंडिया के मुताबिक-इस मूल्य श्रेणी में नई आपूर्ति के कम होने से बिक्री प्रभावित हुई है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद लक्जरी घरों की मांग बढ़ गई है। महंगी जमीन के चलते बिल्डर्स सस्ते घरों की लांचिंग नहीं कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार-50 लाख रुपये से एक करोड़ की कैटेगरी में पहली तिमाही के दौरान आठ बड़े शहरों में घरों की बिक्री में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 23,567 यूनिट रह गई। हालांकि, जनवरी-मार्च के दौरान एक से दो करोड़ रुपये के सेगमेंट में घरों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 24,657 यूनिट हो गई। 2-5 करोड़ रुपये की कैटेगरी में घरों की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 16,075 यूनिट हो गई। 5-10 करोड़ रुपये की कीमत वाली कैटेगरी में बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 3,338 यूनिट रह गई।

10-20 करोड़ रुपये की कैटेगरी में घरों की बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 738 यूनिट हो गई, जबकि 20-50 करोड़ रुपये की कैटेगरी में बिक्री 80 प्रतिशत बढ़कर 165 यूनिट हो गई। 50 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत वाले घरों की बिक्री 93 प्रतिशत घटकर 12 यूनिट रह गई।

- शीर्ष आठ शहरों में 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों की बिक्री कम होकर 16,273 यूनिट रह गई
- नई आपूर्ति के कम होने से बिक्री प्रभावित हुई, महंगी जमीन के चलते बिल्डर नहीं लांच कर रहे सस्ते घर

एक करोड़ से कम मूल्य वाले घरों की हिस्सेदारी भी घटी

सभी कीमत कैटेगरी की बात करें तो आठ शहरों (मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद और कोलकाता) में घरों की बिक्री सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 84,827 यूनिट रह गई। ऐसा ज्यादा कीमतों और पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पैदा हुई अनिश्चितताओं के चलते कम मांग के कारण हुआ। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार-एक करोड़ से कम मूल्य वाले घरों की बिक्री में गिरावट जारी और इनकी हिस्सेदारी कुल बिक्री में घटकर 47 प्रतिशत रह गई जबकि जनवरी-मार्च, 2025 में यह 54 प्रतिशत था।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

निर्यातकों और उद्योग संगठनों के साथ आज बैठक करेंगे गोयल

नई दिल्ली, प्रेट्र: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए सोमवार को यहां निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। भारत मंडपम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद यह बैठक होगी। समझौते को लेकर न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टाड मैक्ले एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत पहुंच गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को होने वाली बैठक में चमड़ा, दवा, वाहन, खेल के सामान और इंजीनियरिंग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय निर्यातक ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल संघर्ष के कारण पैदा हुए पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहे हैं। शिपिंग कंपनियां पश्चिम एशिया के देशों में माल ले जाने से कतरा रही हैं, जो भारतीय व्यवसायों के लिए एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है।

व्यापारिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के कारण मार्च में वस्तु व्यापार में 7.44 प्रतिशत की कमी आई है और यह घटकर 38.92 अरब डालर रहा है। वस्तु निर्यात में यह पांच महीनों की सबसे बड़ी गिरावट रही है।

पीयूष गोयल

- भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर के बाद होगी बैठक
- पश्चिम एशिया संकट के कारण जूझ रहे भारतीय निर्यातक

शीर्ष-7 कंपनियों का पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही तेज गिरावट के चलते बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में दो लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। सप्ताह के दौरान बीएसई सेंसेक्स में 1,829.33 अंक या 2.33 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी में 455.6 अंक या 1.87 प्रतिशत की गिरावट रही है।

सप्ताह के दौरान आइटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 66,699.44 करोड़ रुपये की कमी आई है। अब कंपनी का कुल पूंजीकरण घटकर 8,67,364.12 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलआइसी, भारती एयरटेल, आइसीआइसीआइ बैंक और लार्सन एंड टूब्रो का पूंजीकरण भी घटा है। हिंदुस्तान यूनीलिवर, एसबीआइ और बजाज फाइनेंस का पूंजीकरण बढ़ा है।

इंडोनेशिया की ईंधन नीति में बदलाव से खाद्य तेल की आपूर्ति पर प्रतिकूल असर संभव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट की वजह से वैश्विक स्तर पर ईंधन की किल्लत हो रही है। इसको देखते हुए इंडोनेशिया ने अपनी ईंधन नीति में बदलाव किया है। इसका असर आने वाले समय में भारत की खाद्य तेल आपूर्ति पर प्रतिकूल असर दिख सकता है। इंडोनेशिया ने अपनी नीति में बदलाव करते हुए पाम आयल को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है ताकि वर्ष 2030 तक डीजल के इस्तेमाल को खत्म किया जा सके। खाड़ी देशों से पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद से दुनिया के तमाम देश वैकल्पिक ईंधन की तलाश करने लगे हैं।

अपनी नई नीति के तहत इंडोनेशिया पाम तेल का निर्यात रोकने जा रहा है, जिससे भारत को अब पाम तेल के वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता की तलाश करनी होगी।

- इंडोनेशिया अपने पाम तेल को ईंधन के रूप में करेगा इस्तेमाल
- भारत के पाम तेल आयात में इंडोनेशिया की 60% हिस्सेदारी
- इंडोनेशिया से हर वर्ष 40-43 लाख टन पाम तेल का आयात

भारत में पाम तेल का इस्तेमाल खाद्य तेल के रूप में होता है और कुल पाम तेल आयात में इंडोनेशिया की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। इंडोनेशिया के अलावा मलेशिया और थाईलैंड से भी भारत पाम तेल का आयात करता है।

इंडोनेशिया से भारत सालाना 40-43 लाख टन पाम तेल का आयात करता है। भारत अपनी जरूरत का 60 प्रतिशत खाद्य तेल आयात करता है।

जानकारों का कहना है कि पाम तेल के लिए इंडोनेशिया का विकल्प तैयार करना आसान काम नहीं है। यह भी महत्वपूर्ण बात है कि जिन अन्य देशों से भारत पाम तेल का आयात करेगा, वे इंडोनेशिया की दरों पर तेल की आपूर्ति करेंगे, यह जरूरी नहीं है।

भारत पाम तेल के साथ सूरजमुखी, सोयाबीन और मूंगफली के तेल का भी आयात करता है। केंद्र सरकार ने खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्यों से कहा है कि वे किसानों को तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें।

अदाणी ग्रीन बैटरी स्टोरेज पर 15 हजार करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली, प्रेट्र: अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक की बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता जोड़ने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बदलते ऊर्जा परिदृश्य के बीच भरोसेमंद और वितरण योग्य स्वच्छ बिजली की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

कंपनी ने अपने वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि यह प्रस्तावित विस्तार लगभग तीन गीगावाट-घंटा की उस स्थापित भंडारण क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के साथ विकसित की जा रही हैं, जहां एजीईएल दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रही है। इन भंडारण प्रणालियों का उद्देश्य शाम के समय मांग के चरम पर होने पर बिजली की आपूर्ति करना है, जब सौर उत्पादन कम हो जाता है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, 'हम बैटरियों के लिए अपनी क्षमता वृद्धि को बहुत महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद है।' उन्होंने आगे कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 में हमने 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता जोड़ी है।

- इससे कंपनी अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता में 10 गीगावाट घंटा की वृद्धि करेगी
- इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता चालू की गई थी

अंतरराष्ट्रीय

इजरायल ने लेबनान के सात कस्बों को खाली करने की चेतावनी जारी की

तेल अवीव, रायटर : इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के सात कस्बों में रहने वाले लोगों को तुरंत इलाका खाली करने का निर्देश दिया है। यह उस बफर जोन से परे स्थित हैं, जिस पर इजरायल ने युद्धविराम से पहले कब्जा कर लिया था। इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि हिजबुल्ला युद्धविराम का उल्लंघन कर रहा है और इजरायल इसके खिलाफ कार्रवाई करेगा। उन्होंने लोगों को इन कस्बों से उत्तर और पश्चिम की ओर जाने को कहा।

वहीं, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यरुशलम में कैबिनेट की बैठक में कहा, "हमारे दृष्टिकोण से इजरायल की सुरक्षा, हमारे सैनिकों की सुरक्षा और हमारे समुदायों की सुरक्षा प्राथमिकता है।" उन्होंने आगे कहा, "हम अमेरिका और लेबनान के साथ हुए समझौते के अनुसार सख्ती से कार्रवाई कर रहे हैं।" वहीं, हिजबुल्ला ने कहा कि जब तक इजरायल "युद्धविराम उल्लंघन" जारी रखेगा, तब तक वह लेबनान के अंदर इजरायली सैनिकों और उत्तरी इजरायल के शहरों पर अपने हमले नहीं रोकेगा।

ईरान समर्थित समूह ने एक बयान में कहा कि वह "अप्रभावी साबित हो चुकी कूटनीति" का इंतजार नहीं करेगा और न ही लेबनानी अधिकारियों पर भरोसा करेगा जो देश की रक्षा करने में विफल रहे हैं। इजरायली सेना ने कहा कि उत्तरी इजरायल में सायरन बजने के बाद उन्होंने तीन ड्रोन को क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया। रविवार को इससे पहले, हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के अंदर इजरायली सैनिकों के साथ-साथ उन्हें निकालने आए बचाव दल पर भी हमला किया था। ज्ञात हो, इजरायली सेना और हिजबुल्ला के बीच जंग में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं।

- नेतन्याहू ने कहा, इजरायल और हमारे समुदायों की सुरक्षा प्राथमिकता है
- हिजबुल्ला ने इजरायल पर युद्धविराम उल्लंघन जारी रखने का आरोप लगाया

नेतन्याहू के 'अभेद्य किले' को ढहाने के लिए दो दिग्गजों ने मिलाया हाथ

तेल अवीव, रायटर : इजरायल की राजनीति में रविवार को एक बड़ा भूचाल आ गया। लंबे समय तक सत्ता पर काबिज पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बेदखल करने के लिए उनके दो सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वियों - नफ्ताली बेनेट और यायर लैपिड ने फिर से हाथ मिला लिया है। यह गठबंधन सिर्फ राजनीतिक समीकरण नहीं, बल्कि इजरायल के भविष्य को एक नई दिशा देने की कोशिश माना जा रहा है। दोनों पूर्व प्रधानमंत्रियों ने अपनी पार्टियों का विलय कर एक नए दल 'टुगेदर' के गठन का ऐलान किया है, जिसका नेतृत्व नफ्ताली बेनेट करेंगे।

मतभेदों को पीछे छोड़कर देश को सर्वोपरि रखने का संकल्प : नफ्ताली बेनेट, जो दक्षिणपंथी-रूढ़िवादी यहूदी माने जाते हैं, जबकि यायर लैपिड धर्मनिरपेक्ष व उदारवादी विचारों के समर्थक हैं, पर उन्होंने आपसी मतभेदों को दरकिनार कर दिया है। लैपिड ने अपनी पार्टी 'येश आतिद' के विलय की घोषणा करते हुए कहा, "यह कदम देश को आंतरिक विभाजन से बचाने और इजरायल को आगे ले जाने की कोशिश है।" यह गठबंधन उन लाखों इजरायली नागरिकों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है, जो देश में राजनीतिक स्थिरता और एकता चाहते हैं।

- इजरायल में सत्ता परिवर्तन की आहट, दो पूर्व पीएम ने अपनी पार्टियों का विलय करने पर जताई सहमति
- नेतन्याहू के खिलाफ एक नए दल 'टुगेदर' के गठन का ऐलान किया जिसका नेतृत्व नफ्ताली बेनेट करेंगे

यायर लैपिड और नफ्ताली बेनेट। फाइल

बेंजामिन नेतन्याहू की चुनौती और 2026 की चुनावी जंग

इजरायल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेतन्याहू के लिए यह गठबंधन खतरे की घंटी है। 2023 के हमलों के बाद से नेतन्याहू की 'सुरक्षा की गारंटी वाली' छवि पर गंभीर सवाल उठे हैं, और हालिया सर्वे लगातार उनकी हार की भविष्यवाणी कर रहे हैं। बेनेट और लैपिड की यह जोड़ी पहले भी 2021 में नेतन्याहू के 12 साल पुराने शासन को खत्म कर चुकी है। हालांकि, वह गठबंधन महज 18 महीने ही चल पाया था, लेकिन इस बार बेनेट के नेतृत्व में 'टुगेदर' पार्टी का लक्ष्य न केवल चुनाव जीतना है, बल्कि इजरायल के जख्मों पर मरहम लगाकर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना है। 2026 के चुनाव अब मात्र एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि इजरायल के राजनीतिक चरित्र को बदलने वाली जंग बन गए हैं।

बांग्लादेश में मंदिर के पुजारी का शव पेड़ से लटका मिला

ढाका, प्रेट्र : दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में एक हिंदू मंदिर के पुजारी का शव पेड़ से लटका मिला। वह घर से तीन दिन से लापता थे। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल (बीएचबीसीयूसी) ने इस घटना की कड़ी निंदा की और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद से देश में किसी हिंदू की हत्या का यह पहला मामला बताया जा रहा है।

40 वर्षीय नयन साधु चटगांव जिले के दोहाजारी क्षेत्र के निवासी थे और कोक्स बाजार सदर उपजिला के शिवाकाली मंदिर में प्रबंधक के साथ-साथ पुजारी का भी काम देख रहे थे। पुलिस और कोक्स बाजार के निवासियों के अनुसार, 19 अप्रैल की शाम को दो अज्ञात व्यक्ति नयन को अपने साथ ले गए थे और तीन दिन बाद उनका शव गांव के बाहरी इलाके में एक पहाड़ी क्षेत्र में पेड़ से लटका हुआ मिला।

पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है कि यह हत्या का मामला है या फिर आत्महत्या का। उधर, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल ने कहा कि यह हत्या का मामला है और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। बीएचबीसीयूसी के वरिष्ठ सदस्य काजल देवनाथ ने कहा कि हम समझ नहीं पा रहे हैं कि एक दूरदराज के क्षेत्र में एक छोटे से मंदिर के पुजारी की हत्या के पीछे आखिर उद्देश्य क्या हो सकता है। ज्ञात हो, हाल के महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न शहरों में हुई अलग अलग घटनाओं में कई हिंदुओं की हत्या कर दी गई।

- तीन दिन पहले घर से बुलाकर ले गए थे दो लोग, बीएचबीसीयूसी बोली- अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई हो
- बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद से देश में किसी हिंदू की हत्या का यह पहला मामला

पाकिस्तान के ईशनिंदा कानूनों से भीड़ की हिंसा, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, आइएएनएस: पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के कारण अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भीड़ के हाथों मारे जाते हैं। साथ ही धार्मिक अल्पसंख्यकों विशेषकर ईसाइयों, हिंदुओं को इस कथित अपराध में फंसा कर उम्रकैद और सजा-ए-मौत जैसे दंड दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए अमेरिका से शिक्षा ग्रहण कर आए पाकिस्तानी प्रोफेसर जुनैद हफीज को कथित ईशनिंदा के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआइआरएफ) के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने 2013 में हफीज को गिरफ्तार किया, जब उनके छात्रों ने उन पर इंटरनेट मीडिया पर इस्लाम का अपमान करने का आरोप लगाया। 2014 में अफसरों ने उन्हें एकांत कारावास में डाल दिया, क्योंकि अन्य कैदियों ने बार-बार उन्हें लक्षित किया। अमेरिकी मीडिया आउटलेट पीजे मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि उसी वर्ष दो बंदूकधारियों ने हफीज के वकील राशिन रहमान की उनके दफ्तर में गोली मारकर हत्या कर दी। दिसंबर 2019 में मुल्तान की एक जिला अदालत ने हफीज को ईशनिंदा के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई। उन्हें "कुरान का अपमान" करने के लिए जीवन की सजा भी दी गई और "धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे" के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई। पाकिस्तान में अपमान के आरोपित व्यक्तियों को फांसी की सजा दी जाती है। अपमान के मामलों में मृत्युदंड अत्यधिक और असमान है और स्पष्ट रूप से यातना के समान है। पाकिस्तान ने कभी भी अपमान के मामलों में मृत्युदंड को लागू नहीं किया है। हालांकि, आरोपित व्यक्ति वर्षों तक मृत्युदंड का इंतजार काल-कोठरी में करते हैं। आरोपित और उनके परिवारों को भीड़ की हिंसा का सामना करना पड़ता है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अपमान के मामलों में भीड़ हिंसा को रोकने में भी असफलता दिखाई है। 16 अगस्त, 2023 को जारानवाला (पंजाब प्रांत के फैसलाबाद जिले) में दो ईसाई निवासियों के खिलाफ अपमान के आरोपों के कारण एक मुस्लिम भीड़ ने 20 से अधिक चर्चों और 80 से अधिक ईसाई घरों को नष्ट कर दिया। 2024 में एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा,जारानवाला हमले के 90 प्रतिशत से अधिक संदिग्ध अभी भी फरार हैं और उनके खिलाफ मुकदमे शुरू नहीं हुए हैं। हिंसा प्रभावित 40 प्रतिशत अल्पसंख्यक ईसाई परिवार सरकारी मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

- ईसाइयों समेत धार्मिक अल्पसंख्यक होते हैं इस कानून के शिकार
- इस्लाम के अपमान के आरोप में मिलती है उम्रकैद या मृत्युदंड

जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने के विरोध में हैं दो तिहाई अमेरिकी

वाशिंगटन, रायटर : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मजात नागरिकता को खत्म करने के प्रयास का दुनिया भर में विरोध देखने को मिला। अब अमेरिकी भी इसका विरोध कर रहे हैं। रायटर/इप्सोस द्वारा किए गए देशव्यापी सर्वे में दो तिहाई अमेरिकी मानते हैं कि देश में पैदा होने वाले सभी शिशुओं को स्वतः नागरिकता मिल जानी चाहिए। यह सर्वे ऐसे समय में किया गया है, जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ट्रंप के इस प्रथा को समाप्त करने के प्रयास पर फैसला सुनाने वाला है।

15 से 20 अप्रैल तक किए गए सर्वे में पाया गया कि 64 प्रतिशत अमेरिकी जन्मजात नागरिकता समाप्त करने के विरोध में हैं, 32 प्रतिशत समर्थन में हैं। सर्वे के अनुसार, जनता की राय राजनीतिक दलों के आधार पर बंटी हुई है। नौ प्रतिशत डेमोक्रेट्स का मानना है कि इस नीति को समाप्त कर देना चाहिए। 62 प्रतिशत रिपब्लिकन जन्मजात नागरिकता समाप्त करने व 36 प्रतिशत इसे बनाए रखने के पक्ष में हैं।

कोलंबिया में बस में विस्फोट, 19 लोगों की मौत

बोगोटा, एपी : कोलंबिया में शनिवार को बस में हुए विस्फोट में 19 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। सेना प्रमुख ने हमले को "आतंकी कृत्य" करार दिया है।

काउका क्षेत्र के गवर्नर आक्टेवियो गुजमैन ने एक्स पोस्ट में बताया कि यह घटना तब हुई जब बस पैनअमेरिकन हाईवे पर चल रही थी। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इसके लिए कोलंबिया के सबसे वांछित अपराधियों में से एक "इवान मोर्डिस्को" के नेटवर्क और जैमे मार्टिनेज गुट को जिम्मेदार ठहराया। ये दोनों ही कोलंबिया के अब निष्क्रिय हो चुके क्रांतिकारी सशस्त्र बलों के असंतुष्ट हैं, जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। घायलों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। इउल्लेखनीय है कि वान मोर्डिस्को और जैमे मार्टिनेज गुट में से कोई भी 2016 में हस्ताक्षरित शांति समझौते का पालन नहीं करता है।

- सेना प्रमुख ने हमले को आतंकवादी कृत्य बताया

लजनरल ह्यूगो लोपेज के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया में पिछले दो दिनों में 26 घटनाएं हुई हैं, जिनसे केवल नागरिक ही प्रभावित हुए हैं।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हमले की निंदा की है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''काजिबियो में हमला करने वाले और नागरिकों को जान लेने वाले आतंकवादी, फासीवादी और मादक पदार्थों के तस्कर हैं।''यह हमला सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के प्रयास में हुए विस्फोटों की श्रृंखला में नवीनतम घटना है। उल्लेखनीय है कि कोलंबिया काफी समय से अशांत चल रहा है। सशस्त्र विद्रोही आए दिन आम लोगों को निशाना बनाते हैं। साथ ही सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं।

अल कायदा से जुड़े संगठन ने की माली के रक्षा मंत्री की हत्या

बामाको, रायटर : माली के रक्षा मंत्री सादियो कामारा की शनिवार को उनके आवास पर अल कायदा से जुड़े एक संगठन द्वारा किए गए हमले में मौत हो गई। उनका आवास मुख्य सेना अड्डे के पास ही स्थित है। बामाको से 15 किमी उत्तर काटी में अल कायदा से जुड़े संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआइएम) ने यह हमला किया। जेएनआइएम ने तुआरेग बहुल विद्रोही संगठन के साथ मिलकर इस हमले को अंजाम दिया। कामारा के एक रिश्तेदार ने बताया कि उनकी हत्या कर दी गई है। रक्षा मंत्रालय और सरकार के प्रवक्ता ने रविवार को इस मामले पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। सशस्त्र बलों ने एक बयान जारी कर कहा है कि विद्रोहियों को खदेड़ने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में अभियान जारी हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने रायटर को रविवार सुबह काटी में गोलीबारी की सूचना दी।

ट्रंप की पार्टी में गोलीबारी

2 साल में तीसरी बार ट्रंप पर हमले की कोशिश ने सवाल खड़े किए हैं। 13 जुलाई 2024 को पेंसिल्वेनिया में चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। 15 सितंबर 2024 को फ्लोरिडा में ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब के पास दूसरा हमला हुआ था।

हमलावर कंप्यूटर इंजीनियर, नासा से भी जुड़ा था

न्यूयार्क टाइम्स से

- कैलटेक से इंजीनियरिंग, फिर कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स
- नासा प्रोजेक्ट से लेकर वीडियो गेम डेवलपमेंट तक का सफर

कोल टामस एलेन। फाइल/इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन: व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स डिनर में हुई फायरिंग के मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आए कोल टामस एलेन (31) की शैक्षणिक पृष्ठभूमि ने जांच एजेंसियों का ध्यान खींचा है। कैलिफोर्निया के टोरेंस निवासी एलेन उच्च शिक्षित रहा है और इंजीनियरिंग व तकनीक के क्षेत्र में सक्रिय रहा है।

जानकारी के अनुसार, एलेन ने 2017 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (कैलटेक) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद उसने 2025 में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, डोमिंगेज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री पूरी की। कालेज के दौरान वह शोध और तकनीकी प्रोजेक्ट्स में भी शामिल रहा। 2014 में उसने नासा के जेट प्रोपल्शन लैबोरेटरी में समर अंडरग्रेजुएट रिसर्च फेलोशिप में हिस्सा लिया। वहीं, एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में उसे व्हीलचेयर के लिए इमरजेंसी ब्रेक सिस्टम का प्रोटोटाइप विकसित करते हुए भी दिखाया गया था। शिक्षा पूरी करने के बाद एलेन ने खुद को एक स्वतंत्र वीडियो गेम डेवलपर के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। उसने "बोरडम" नामक एक इंडी गेम विकसित कर 2018 में जारी किया, जो सीमित स्तर पर ही चर्चित हो सका। इसके अलावा वह एक अन्य गेम प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहा था। जांच एजेंसियां अब उसकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, पेशेवर गतिविधियों और मानसिक स्थिति के बीच संभावित संबंधों की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि आरोपी ने अकेले ही वारदात को अंजाम दिया, जबकि मकसद को लेकर अभी जांच जारी है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उसने डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए छोटा सा दान भी किया था।

टीचर आफ द मंथ भी रह चुका है कोल

- कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलार्ज (कैलटेक) से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक
- कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, डोमिंगेज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री (2025)
- पढ़ाई के दौरान व्हीलचेयर के लिए इमरजेंसी ● ब्रेक सिस्टम का प्रोटोटाइप विकसित किया
- पार्ट-टाइम शिक्षक के रूप में सी2 एजुकेशन में कार्य, दिसंबर 2024 में "टीचर आफ द मंथ" चुना गया
- वीडियो गेम डेवलपर, 'बोरडम' नामक इंडी गेम लान्च किया, दूसरे गेम 'फर्स्ट ला' पर काम जारी

गोलीबारी पर नेता बोले-लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं

- नेतन्याहू, जार्जिया मेलोनी समेत कई वैश्विक नेताओं ने जताई एकजुटता, सुरक्षा पर राहत
- जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची ने घटना को बताया भयावह, कहा- हिंसा बर्दाश्त नहीं

जार्जिया मेलोनी।

बेंजामिन नेतन्याहू।

साने ताकाइची। फाइल

वाशिंगटन डीसी, एएनआइ: व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स डिनर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद दुनिया भर के नेताओं ने राजनीतिक हिंसा की तीखी निंदा करते हुए अमेरिका के प्रति समर्थन जताया है। इस घटना के समय डोनाल्ड ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। त्वरित कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस ने सभी को सुरक्षित निकाल लिया।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घटना को हत्या के प्रयास जैसा बताते हुए राहत जताई कि ट्रंप और उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। उन्होंने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि दुनिया में कहीं भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कालास ने इसे गंभीर रूप से चिंताजनक करार देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक हिंसा की कोई जगह नहीं है।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने कहा कि मानवता केवल लोकतंत्र, सह-अस्तित्व और शांति के जरिए आगे बढ़ सकती है। इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने भी कहा कि लोकतांत्रिक विमर्श को कट्टरता से दूषित नहीं होने दिया जाएगा। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि हिंसा किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक संस्था पर हमला सख्त शब्दों में निंदनीय है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप के प्रति अपना समर्थन जताते हुए कहा कि यह हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस घटना को चिंताजनक बताया।

ट्रंप बोले-हमलावर कई हथियार लेकर अंदर घुसा, पुलिस-एफबीआइ ने शुरू की जांच

गोलियां चलने पर ट्रंप बोले- लगा कि ट्रे गिर गई हो

हमलावर अकेले ही आया था, उसके पास थीं दो बंदूकें व कई चाकू

पुलिस और एफबीआइ खंगाल रहे होटल के सीसीटीवी फुटेज

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट डिनर के दौरान वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी के दौरान मोर्चा संभालते सीक्रेट सर्विस एजेंट्स। एपी

व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट डिनर में हुई गोलीबारी के मामले में अमेरिकी प्रशासन ने संदिग्ध कोल एलन से जुड़े नए खुलासे किए हैं। मामले की जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, हमले से पहले उसने अपने परिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विरोधी मैनिफेस्टो भेजा था, जिसमें उसने वाशिंगटन हिल्टन होटल में हमले की बात कही थी। जांच एजेंसियां अब उसके मैनिफेस्टो, इंटरनेट मीडिया गतिविधियों और पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर हमले के मकसद को समझने की कोशिश कर रही हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फाक्स न्यूज के कार्यक्रम में कहा कि मैनिफेस्टो में ईसाइयों के प्रति गहरी नफरत झलकती है। वह बेहद परेशान मानसिक स्थिति में था।

हमलावर की पहचान कोल टामस एलेन (31) के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के टोरेंस का निवासी बताया गया है। ट्रंप के अनुसार, सीक्रेट सर्विस ने आरोपी के पास से कई खतरनाक हथियार बरामद किए। उसने एक एजेंट पर गोली भी चलाई, लेकिन एजेंट की बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उसकी जान बच गई। वाशिंगटन के अंतरिम पुलिस प्रमुख जेफ कैरोल ने बताया कि हमलावर के पास एक शाटगन, एक हैंडगन और कई तरह के चाकू थे। बंदूकें अलग-अलग टुकड़ों में थीं, जिन्हें उसने मौके पर ही असेंबल किया था।

उन्होंने बताया कि घटना रात 8.36 बजे (स्थानीय समयानुसार) होटल लाबी से शुरू हुई। वहां कई परतों में सुरक्षा दायरा बनाया गया था। सुरक्षा घेरा तोड़ने के क्रम में हमलवार ने पांच-छह राउंड फायरिंग की। उन्होंने बताया कि आरोपित को जल्दी ही काबू कर लिया गया। मेहमानों के भोजन शुरू करने के पांच मिनट बाद ही बैंक्वेट हाल के पिछले हिस्से में शोरगुल मच गया। फायरिंग की आवाज पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पहले मुझे लगा कि कोई ट्रे जमीन पर गिर गई हो। उन्होंने कहा कि मैं समझने की कोशिश कर रहा था कि क्या हो रहा है। घटना के दौरान मौजूद मेहमानों को तत्काल मेजों के नीचे झुकने के निर्देश दिए गए। एफबीआइ ने आरोपी को मौके पर ही काबू में कर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अफरा-तफरी और चीख-पुकार की आवाजें बालरूम तक सुनाई दे रही थीं, जहां ट्रंप अन्य हस्तियों के साथ मौजूद थे। अधिकारियों का कहना है कि यदि हमलावर बालरूम तक पहुंच जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सुरक्षा कर्मियों ने ट्रंप समेत सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इस दौरान ट्रंप हल्का लड़खड़ा गए, जिन्हें सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने संभाल लिया। घटना की सूचना फैलते ही होटल के बाहर नेशनल गार्ड और अन्य सुरक्षा बलों की भारी तैनाती कर दी गई और परिसर को घेर लिया गया। कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया गया।

व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष वीजिया जियांग ने कहा कि इस घटना के कारण कार्यक्रम में खलल पड़ गया। यह कार्यक्रम बाद में फिर आयोजित किया जाएगा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और यह स्पष्ट किया है कि ऐसे कार्यक्रमों में सुरक्षा को और अधिक सख्त करने की आवश्यकता है।

एफबीआइ ने भी शुरू की जांच

ट्रंप की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में हुई गोलीबारी की घटना की जांच एफबीआइ ने भी शुरू कर दी है। एजेंसी ने अपनी ज्वाइंट टेररिज्म टास्क फोर्स और एविडेंस रिस्पान्स टीम को जांच में लगाया है। एफबीआइ के सहायक निदेशक डैरेन काक्स ने कहा कि सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है और कोई भी सुराग नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। सीक्रेट सर्विस के निदेशक सीन कर्न ने कहा कि यह घटना बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता को दर्शाती है, जिसके चलते संदिग्ध को संरक्षित व्यक्तियों तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जांच अभी शुरुआती चरण में है। फोरेंसिक साक्ष्यों का विश्लेषण, गवाहों से पूछताछ और आरोपी की पृष्ठभूमि की जांच जारी है।

हमले से बेखौफ ट्रंप बोले-अगले 30 दिनों में फिर होगी डिनर पार्टी

- फायरिंग के बाद ट्रंप ने दिया एकता का संदेश, बोले- मतभेद सुलझाएं, हिंसा से दूर रहें
- रिपब्लिकन, डेमोक्रेट और निर्दलीय मिलकर निकालें रास्ता

वाशिंगटन हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट डिनर में गोलीबारी के दौरान वाइन की बोतलें उठातीं महिलाएं। वीडियोग्रैब

वाशिंगटन, आइएएनएस: व्हाइट हाउस करेस्पांडेंट्स डिनर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देशवासियों से एकता की अपील की है। हमले के करीब दो घंटे बाद तक चले हाई-अलर्ट के बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस से राष्ट्र को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि बढ़ते राजनीतिक तनाव और हिंसा के बीच अमेरिका को अपने मतभेद शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की जरूरत है। उन्होंने संकेत दिया कि करेस्पांडेंट्स डिनर को 30 दिनों के भीतर दोबारा आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम इसे और भी बड़े व बेहतर तरीके से आयोजित करेंगे। ट्रंप ने कहा कि मेलानिया ट्रंप के लिए ये घटना भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है।

ट्रंप ने कहा, "हमें अपने मतभेद सुलझाने होंगे- रिपब्लिकन, डेमोक्रेट और निर्दलीय सभी को साथ आना होगा।" उन्होंने बताया कि घटना के दौरान डिनर में मौजूद लोगों के बीच एकजुटता देखने को मिली।

ट्रंप ने कहा कि यह आयोजन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और द्विदलीय संवाद का प्रतीक है, जो इस घटना के बाद और भी महत्वपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दोनों दलों और मीडिया को साथ लाने के लिए था, और एक मायने में इसने ऐसा किया भी।

हर बार आप ही निशाना क्यों? सवाल पर ट्रंप का लिंकन वाला जवाब

करीब दो घंटे तक चले हाई-अलर्ट के बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात की। इस दौरान फाक्स न्यूज के रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि आखिर ऐसा बार-बार आपके साथ ही क्यों हो रहा है? इस पर ट्रंप ने उदाहरण देते हुए कहा कि मैंने हमलों और हत्याओं का अध्ययन किया है। जिन लोगों का सबसे ज्यादा प्रभाव होता है, जैसे- अब्राहम लिंकन- उन्हीं को निशाना बनाया जाता है। ट्रंप ने कहा कि मैं यह कहने से हिचकता हूं कि मुझे इस पर गर्व है, लेकिन हमने देश में कई बड़े बदलाव किए हैं और बहुत से लोग इससे खुश नहीं हैं। शायद यही वजह है।

अमेरिका में काश पटेल के एफबीआइ प्रमुख पद से हटाने की चर्चा

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका में अटार्नी जनरल, सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख को हटाए जाने के बाद अब भारतीय मूल के एफबीआइ डायरेक्टर काश पटेल के पद से हटने के कयास लग रहे हैं। माना जा रहा है कि समय लग रहा है लेकिन पटेल का हटना तय है। हिल्टन होटल में डिनर के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में फायरिंग की घटना के बाद पटेल के जल्द हटाए जाने की चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक मामलों की पत्रिका पोलिटिको ने अपने ताजा अंक में इस आशय की रिपोर्ट प्रकाशित की है।

अमेरिका के आंतरिक मामलों में जांच और खुफियागीरी करने वाली एजेंसी एफबीआइ के प्रमुख बनने के कुछ हफ्ते बाद से ही पटेल चर्चा में हैं। लेकिन उन्हें हटाए जाने की चर्चा ने पिछले कुछ महीनों में जोर पकड़ा है। कहा जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन से बाहर जाने वाले अगले व्यक्ति काश पटेल हो सकते हैं। एक उच्च अधिकारी ने बताया कि पटेल सत्ता का विश्वास खो चुके हैं और उनका हटना लगभग तय है। यह हो सकता है कि कुछ कारणों से उसमें थोड़ा समय लग जाए। पटेल के खिलाफ माहौल बनने का एक कारण मीडिया में नकारात्मक प्रचार भी है। पटेल और उनकी टीम मीडिया प्रबंधन में सक्षम नहीं है। इसके लिए अक्सर ट्रंप प्रशासन को एफबीआइ को लेकर तीखे सवालों का सामना करना पड़ता है।

हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोड़ा, बंदूक असेंबल की और फायरिंग करते हुए बालरूम की तरफ दौड़ा

आंखों देखी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- प्रत्यक्षदर्शियों ने अफरा-तफरी के पल-पल का किया वर्णन
- फायरिंग के बीच लोग चीखते-चिल्लाते और छिपते देखे गए

व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट डिनर के दौरान वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी होने पर मेजों के नीचे छिपने के साथ ही मोबाइल से वीडियो बनाते मेहमान। रायटर

व्हाइट हाउस करेस्पोंडेंट डिनर के दौरान हुई गोलीबारी को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। एक वालंटियर ने बताया कि रात 8.36 बजे (स्थानीय समय अनुसार) हमलावर ने कार्यक्रम स्थल के भीतर ही एक अस्थायी कमरे में राइफल जैसा लंबा हथियार जोड़ा और फिर बालरूम की ओर तेजी से बढ़ा। अगले आधे घंटे तक वहां अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

वालंटियर के मुताबिक, शुरू में किसी को अंदाजा नहीं था कि क्या हो रहा है, लेकिन कुछ ही क्षणों में हालात बदल गए। उसने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति के पास एक बैग में हथियार अलग-अलग हिस्सों में रखा हुआ था, जिसे वह हाल के अंदर लेकर आया और फिर मौके पर उसे जोड़कर तैयार किया। इसके बाद वह सीधे उस बालरूम की ओर भागा, जहां बड़ी संख्या में मेहमान और वीआइपी मौजूद थे। उसके पहले फायर पर ही वहां सनसनी फैल गई। सीक्रेट सर्विस एजेंट हरकत में आ गए और उसकी तरफ दौड़े। वह तेजी से आगे बढ़ रहा था। इसी बीच उसकी एक गोली सीक्रेट सर्विस एजेंट को लगी। वह गिर पड़ा। इस दौरान उसने एक के बाद एक कई राउंड फायर किए। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। लोग इधर-उधर भागने और टेबल के नीचे छिपने लगे।

भगदड़ के दौरान सुरक्षा अधिकारी लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटे रहे। एक सिक्योरिटी आफिसर को अपनी गर्भवती पत्नी को भी सुरक्षित स्थान पर ले जाते देखा गया। वहीं, कुछ लोगों को मौके का फायदा उठाकर महंगी शराब की बोतलें उठाकर ले जाते देखा गया।

हेलन मेबस नाम की एक वालंटियर ने न्यूयार्क पोस्ट को बताया कि हमलावर ने प्रवेश द्वार के पास स्थित बार कार्ट के पास से अंदर प्रवेश किया। हमलावर बंदूक असेंबल करके सीढ़ियों की तरफ दौड़ा, जहां से वह बालरूम में घुसना चाहता था। बालरूम में ही मुख्य आयोजन हो रहा था।

इस दौरान उसने अलग-अलग दिशाओं में फायरिंग की। उसने कम से कम 10 राउंड फायरिंग की होगी। अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। लोग चीखने-चिल्लाने लगे और इधर-उधर भागकर छिपने लगे। उसने बताया कि वह भी जान बचाने के लिए भागी और हमलावर को नहीं देख पाई।

सीएनएन के वरिष्ठ एंकर वुल्फ ब्लिट्जर ने बताया कि जब गोलीबारी हुई, तब वह हमलावर से कुछ ही फीट की दूरी पर थे। उनके मुताबिक, "सब कुछ बेहद तेजी से हुआ। अचानक गोलियों की आवाज आई और लोगों को समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है। संदिग्ध व्यक्ति किसको निशाना बनाना चाहता था, यह समझना मुश्किल था। वह बस गोली चला रहा था।"

घटना से जुड़े वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुए, जिनमें देखा गया कि रात्रिभोज शुरू होते ही सशस्त्र सुरक्षाकर्मी अंदर घुस आए। मेहमान व्यंजनों का आनंद ले रहे थे कि तभी गोलियां चलने की आवाजें आने लगीं। सुरक्षाकर्मियों का एक दल बालरूम में पहुंचा और सभी लोगों को टेबल के नीचे झुक जाने को कहने लगा। लोग झुके और टेबल पर रखे पानी, शराब और सजावट की चीजें नीचे गिरने लगीं। शीशे की ग्लास टूटने की आवाजें आती रहीं। इसके बाद कुछ सुरक्षाकर्मी बाल रूम की तरफ भागे, जहां ट्रंप और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर हुए जानलेवा हमले

अब्राहम लिंकन

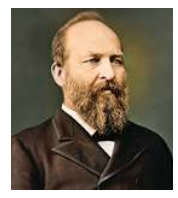

जेम्स गारफील्ड

विलियम मैकिन्ले

जान एफ कैनेडी

- ट्रंप के अलावा, रोनाल्ड रीगन, गेराल्ड फोर्ड और रूजवेल्ट हमलों में बाल-बाल बचे थे
- अब्राहम लिंकन, जेम्स गारफील्ड, विलियम मैकिन्ले और जान एफ कैनेडी की हुई हत्या

न्यूयार्क, आइएएनएस: ट्रंप अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं, जिन पर कातिलाना हमला हुआ है। ट्रंप समेत चार ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति रहे हैं, जो हमलों से बाल-बाल बचे। चार राष्ट्रपतियों की पद पर रहते हुए हत्या की गई।

ट्रंप से पहले रोनाल्ड रीगन एक ऐसे हमले से बचे थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि रीगन पर हमला उसी होटल के बाहर हुआ, जहां दशकों बाद शनिवार रात को रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। ये सब 1981 में हुआ था। इसमें रीगन घायल हो गए थे, जब एक गोली लिमोजीन से टकराकर उनके बाईं तरफ से निकल गई। अमेरिका में 70 के दशक में राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड उन खुशकिस्मतों में से रहे जो एक बार नहीं, दो-दो बार हमलों का शिकार होने से बच गए। लिस्ट में थियोडोर रूजवेल्ट शामिल हैं, जिन पर 1912 में चुनाव प्रचार के दौरान हमला हुआ। उनके सीने में गोली लगी पर वो बच गए।

इन राष्ट्रपतियों की हुई हत्या : पद पर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों की हत्या की गई है। इनमें 1865 में अब्राहम लिंकन की हत्या की गई। 1881 में जेम्स गारफील्ड, 1901 में विलियम मैकिन्ले और 1963 में जान एफ कैनेडी की हत्या की गई।

अंतरराष्ट्रीय

ट्रंप का ईरान परमाणु समझौते से हटना खड़ी कर रहा मुश्किलें

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- समझौते के बाद ईरान ने 97 प्रतिशत यूरेनियम भेज दिया था रूस
- अमेरिका के समझौते से हटने के बाद ईरान ने तेजी से किया संवर्धन

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब स्थिति अधिक पेचीदा हो गई है। उन्हें 2018 में 'संयुक्त विस्तृत कार्य योजना' से हटने के अपने फैसले के परिणामों का सामना करना पड़ रहा है। उस समझौते ने ईरान की परमाणु गतिविधियों को एक सीमा में रखा था। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, 2018 में राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को इस समझौते से अलग कर लिया, क्योंकि उन्हें लगा था कि यह समझौता उतना मजबूत नहीं था। इसके तुरंत बाद ईरान ने उन सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी परमाणु गतिविधियों को बढ़ाना शुरू कर दिया था।

बराक ओबामा के राष्ट्रपति कार्यकाल में 2015 में अमेरिका ने एक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने 15 वर्षों यानी 2030 तक ईरान की परमाणु गतिविधियों पर रोक लगा दी थी। 2015 में ईरान ने अपनी लगभग सारी परमाणु सामग्री सौंपने पर सहमति जताई थी। उसने लगभग 12.5 टन यूरेनियम (कुल का लगभग 97 प्रतिशत) रूस भेज भी दिया था। लेकिन समझौते के तीन वर्ष बाद ट्रंप ने एकतरफा बताते हुए अमेरिका को इससे अलग कर लिया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के कई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने इस पर एतराज जताया था। समझौते से अमेरिका के हटने के बाद ईरान ने उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से यूरेनियम का संवर्धन शुरू कर दिया और अपना भंडार बढ़ा लिया। इससे ईरान परमाणु बम बनाने के और अधिक करीब पहुंच गया। अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और उद्योगपति जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकाफ उनके उस फैसले से निपट रहे हैं।

जांचकर्ताओं का कहना है कि ईरान के पास लगभग आधा टन यूरेनियम है, जिसे परमाणु हथियारों के लिए जरूरी स्तर के बहुत करीब तक संवर्धित किया गया है। माना जाता है कि इस सामग्री का कुछ हिस्सा जमीन के नीचे बनी बेहद सुरक्षित सुरंगों में रखा गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के पास लगभग 11 टन यूरेनियम है, जो संवर्धन के अलग-अलग चरणों में है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इसे और अधिक संवर्धित किया जाता है, तो इससे 100 परमाणु बम तक बनाए जा सकते हैं। इससे पहले ईरान से वार्ता मुख्य रूप से एक ही मुद्दे पर केंद्रित थी, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और उसका यूरेनियम। लेकिन अब इसका विस्तार लंबी दूरी की मिसाइलों, पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य तक हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान के साथ एक ऐसा समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह 2015 के समझौते से बेहतर होगा। ट्रंप के दावे हकीकत में बदलेंगे या नहीं यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

मतभेदों के कारण ब्रिक्स बैठक में पश्चिम एशिया पर नहीं बन पाई आम सहमति

- पिछले हफ्ते बैठक में भारत ने जारी किया था अध्यक्ष का बयान
- संयुक्त अरब अमीरात का रुख बना था संयुक्त बयान में बाधा

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध को लेकर गहरे मतभेदों के चलते पिछले हफ्ते नई दिल्ली में हुई ब्रिक्स समूह की बैठक के दौरान इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की भारत की कोशिशें सफल नहीं हो पाई थीं। इसके अलावा फलस्तीन के मुद्दे पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

ब्रिक्स के उप विदेश मंत्रियों और पश्चिम एशिया व उत्तर अमेरिका के लिए विशेष दूतों की नई दिल्ली में हुई बैठक के कुछ दिनों बाद आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि पश्चिम एशिया युद्ध पर चूंकि आम सहमति नहीं बन पाई, इसलिए बैठक के अंत में "अध्यक्ष का बयान" जारी किया गया। भारत ही इस समय ब्रिक्स का अध्यक्ष है। सूत्रों ने बताया कि आम सहमति इसलिए नहीं बन पाई क्योंकि युद्ध में शामिल सदस्यों के रुख में गहरे मतभेद थे। पता चला है कि संयुक्त अरब अमीरात के रुख के कारण बैठक बिना किसी संयुक्त बयान के समाप्त हो गई। फलस्तीन के मुद्दे पर सूत्रों ने बताया कि भारत ने अभी जनवरी में ही अरब लीग (जिसमें फलस्तीन भी शामिल) के साथ एक सहमत रुख अपनाया था। उन्होंने कहा कि भारत "द्विराष्ट्र समाधान" के प्रति अपने समर्थन को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहा है।

भारतीयों की सुरक्षा के लिए बढ़ाया संपर्क : विदेश मंत्रालय ने खाड़ी और पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर अपनी निगरानी तेज कर दी है और इस क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण को प्राथमिकता दी है। भारतीय मिशन नागरिकों के साथ चौबीसों घंटे संपर्क बनाए हुए हैं और भारतीय नागरिकों की सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। वे स्थानीय सरकारों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

बल्लेबाज	रन
अभिषेक शर्मा	380
वैभव सूर्यवंशी	357
केएल राहुल	357

दैनिक जागरण
आइपीएल 19
धूम धड़ाका
www.jagran.com
सोमवार 27 अप्रैल, 2026

गेंदबाज	विकेट
अंशुल कंबोज	14
इशान मलिंगा	14
जोफ्रा आर्चर	13

सुपर ओवर में जीता कोलकाता नाइटराइडर्स

रिंकू सिंह ने बनाए 83* रन राठी के आखिरी ओवर में चार गेंदों पर लगातार चार छक्के जड़े

विकास मिश्र ● जागरण

लखनऊ : इकाना स्टेडियम में क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रविवार सुपर संडे साबित हुआ। कोलकाता नाइट राइडर्स के 155 रनों के जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 19 ओवर की समाप्ति पर सात विकेट पर 139 रन बनाए थे। एलएसजी को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कार्तिक को गेंद सौंपी। त्यागी के सामने स्ट्राइक पर शमी थे। अब दारोमदार हिम्मत सिंह पर था। त्यागी की दूसरी गेंद हाई फुल टास थी, जिसे अंपायर ने नो बाल करार दिया। एक बार फिर फुल टास गेंद को हिम्मत ने लांगआन पर कैच लपकने के बाद वापस श्रो किया गया, लेकिन यह गेंद भी नो बाल करार दी गई। हालांकि कार्तिक ने तुरंत ही रिव्यू लेने की मांग, पर तीसरे अंपायर का फैसला भी नहीं बदला। त्यागी की दूसरी गेंद पर हिम्मत ने शानदार चौका जड़कर जीत की उम्मीद बढ़ाई। अब चार गेंदों पर आठ रन की आवश्यकता थी, लेकिन धीमी गति की गेंद को हिम्मत समझ नहीं पाए और डीप स्क्वायर लेग पर रिंकू ने बढ़िया कैच लपक कर उनकी पारी का अंत किया। त्यागी की चौथी गेंद पर लेग बाई के रूप में एक रन मिला। अब एक गेंद पर लखनऊ को सात रन बनाने थे, जिसपर मोहम्मद शमी ने लांग आफ पर बेहतरीन छक्का जड़कर मैच सुपर ओवर में पहुंचा दिया। सुपर ओवर में रहाणे ने अपने सबसे पुराने फिरकी गेंदबाज नारायण पर भरोसा जताया।

जीत के बाद जश्न मानते रिंकू सिंह और रोवमन पावेल ● प्रेट्र

सुपर ओवर का रोमांच

एलएसजी : 1 रन
W 1 W

केकेआर : 4 रन
4

एलएसजी की ओर से पूरन और मार्करैम बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन नारायण ने पहली गेंद पर ही पूरन को बोल्ड कर लखनऊ के लिए जीत की उम्मीद लगभग खत्म कर दी। इसके बाद खेलने आए पंत ने एक रन लेकर छोर बदला, पर सुनील ने तीसरी गेंद पर मार्करैम को रिंकू से के हाथों बेहतरीन कैच कराकर केकेआर की विजय सुनिश्चत की। कोलकाता ने दो रन के लक्ष्य को पहली गेंद पर बाउंड्री जड़कर सीजन की जीत दर्ज की। यह चौका रिंकू ने मारा।

लखनऊ की फिर शर्मनाक बल्लेबाजी : मोहसिन खान ने आइपीएल में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर लखनऊ की जीत की उम्मीद बढ़ाई, लेकिन टीम की लचर बल्लेबाजी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। मोहसिन के खतरनाक स्पेल के दम पर एलएसजी ने 10.5 ओवर में 73 रन के स्कोर पर केकेआर की आधी टीम पवेलियन भेज दी। ऐसे में टीम के संकट मोचक रिंकू ने क्रीज पर पांव जमाने के बाद महज 51 गेंदों पर 83 रनों की नाबाद तूफानी पारी खेलकर कोलकाता को 155 रनों के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया,

जीत के नायक बने रिंकू : रिंकू जब बल्लेबाजी करने उतरे तो केकेआर का स्कोर 10.5 ओवर में पांच विकेट पर 73 रन था और टीम मुश्किल में थी। 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर अनुकूल भी आउट हो गए। ऐसे में रिंकू के सामने विकेट बचाने के साथ रनगति को आगे बढ़ाने का दबाव भी था। केकेआर ने 15 ओवर में 93 रन पर रमनदीप सिंह के रूप में अपना सातवां विकेट गंवा दिया।

स्कोर बोर्ड

टास : लखनऊ सुपर जायंट्स (गेंदबाजी)

कोलकाता : 155/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रहाणे का . मार्करैम बो . मोहसिन	10	15	0/1
साइफर्ट का . मुकुल बो . मोहसिन	0	3	0/0
अंगकृष क्षेत्ररक्षण में बाधा डालना	9	8	1/0
ग्रीन का . पंत बो . मोहसिन	34	21	0/3
पावेल का . पंत बो . मोहसिन	1	4	0/0
रिंकू अविजित	83	51	7/5
अनुकूल का . आयुष बो . मोहसिन	0	1	0/0
रमनदीप का . मार्श बो . लिंडे	6	11	0/0
सुनील अविजित	4	6	0/0

अतिरिक्त : 8 (लेबा : 1, वा : 7), **विकेट :** 1-3 (साइफर्ट, 1.6), 2-16 (रहाणे, 3.4), 3-27 (अंगकृष, 4.6), 4-31 (पावेल, 6.1), 5-73 (ग्रीन, 10.5), 6-73 (अनुकूल, 10.6), 7-93 (रमनदीप, 14.6), **गेंदबाजी :** शमी 4-0-34-0, मोहसिन 4-1-23-5, प्रिंस 4-0-24-0, दिग्वेश 4-0-46-0, लिंडे 2-0-18-1, मार्करैम 2-0-9-0

लखनऊ सुपर जायंट्स : 155/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
मार्करैम का . रिंकू बो . ग्रीन	31	27	2/0
मार्श का . पावेल बो . वैभव	2	3	0/0
पंत का . साइफर्ट बो . सुनील	42	38	4/1
पूरन का . सुनील बो . वरुण	9	12	0/1
आयुष का . अनुकूल बो . वरुण	24	19	0/2
मुकुल का . रिंकू बो . अनुकूल	1	2	0/0
हिम्मत का . रिंकू बो . कार्तिक	19	10	2/1
लिंडे का . रिंकू बो . वैभव	8	4	2/0
शमी अविजित	11	6	1/1
प्रिंस अविजित	0	1	0/0

अतिरिक्त : 8 (बा : 2, लेबा : 1, नोबा : 2, वा : 3), **विकेटपतन :** 1-8 (मार्श, 1.1), 2-65 (मार्करैम, 10.2), 3-78 (पंत, 12.2), 4-89 (पूरन, 13.6), 5-93 (मुकुल, 15.2), 6-120 (आयुष, 17.3), 7-129 (लिंडे, 18.2), 8-148 (हिम्मत, 19.3), **गेंदबाजी :** अनुकूल 2-0-19-1, वैभव 4-0-24-2, ग्रीन 2-0-12-1, सुनील 4-0-23-1, वरुण 4-0-33-2, कार्तिक 4-0-41-1

मोहसिन का खतरनाक स्पेल

इसके पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान रिषभ पंत ने टास जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पहला ओवर लेकर आए मोहम्मद शमी ने सिर्फ दो रन दिए। इसके बाद मोहसिन खान ने अपने पहले और मैच के दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर टिम साइफर्ट (00) को मुकुल चौधरी के हाथों कैच आउट करा टीम को पहली सफलता दिलाई। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने ने अपने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर कप्तान अजिंक्य रहाणे को पवेलियन भेजकर केकेआर को बड़ा झटका दिया। रहाणे शुरुआत से ही रन के लिए संघर्ष करते नजर आए और 15 गेंदों पर सिर्फ एक छक्के की मदद से 10 रन ही बना सके। मोहसिन ने मैच के सातवें ओवर की पहली गेंद पर खतरनाक बल्लेबाज रोवमन पावेल (01) को पंत के हाथों आसान कैच कराकर केकेआर को बैकफुट पर कर दिया।

गुजरात ने सीएसके को आठ विकेट से हराया, साई सुदर्शन ने जड़ा अर्धशतक

टाइटंस ने चेन्नई के गढ़ में लगाई सेंध

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : टी-20 क्रिकेट जहां आमतौर पर बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिलता है, लेकिन चेन्नई के चेपक स्टेडियम में रविवार को कहानी बिल्कुल उलट नजर आई। गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने उछाल भरी पिच का शानदार इस्तेमाल करते हुए पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को उसके गढ़ में पहले 158 रन के स्कोर पर रोका और फिर साई सुदर्शन (87) की बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर आठ विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई और टीम के खाते में अब आठ अंक हो गए हैं।

गेंदबाजों ने किया खेल सेट : पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। उछाल और गति से भरी पिच पर मोहम्मद सिराज और कैगिसो रबादा ने सटीक गेंदबाजी करते हुए शुरुआती झटके दिए। संजू सैमसन (11) ने कुछ संभलकर शुरुआत की, लेकिन रबादा की उछाल भरी गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद विकेटों का सिलसिला जारी रहा। उर्विल पटेल (4) और सरफराज खान (0) भी जल्दी आउट हो गए, जिससे टीम पावरप्ले में ही 28 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में फंस गई। कप्तान रुतुराज ने एक छोर संभाले रखा और 60 गेंदों में अविजित 74 रन बनाकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, उनकी पारी धीमी रही और बीच के ओवरों में रन गति कम हो गई।

शाट लगाते साई सुदर्शन ● एएनआइ

सुदर्शन ने दिखाई क्लास : लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत शानदार रही। कप्तान शुभमन गिल (33) और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़कर मैच की दिशा तय कर दी। सुदर्शन ने शानदार फार्म जारी रखते हुए 46 गेंदों में 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उन्होंने पिच के व्यवहार को समझते हुए सही गेंदों पर ही आक्रमण किया और सात शानदार छक्के लगाए।

सीएसके की गलतियों ने बढ़ाई मुश्किल : इस मैच में चेन्नई की हार की सबसे बड़ी वजह बल्लेबाजों की गलत रणनीति रही। पिच की स्थिति को समझे बिना बड़े शाट खेलने की कोशिश में लगातार विकेट गिरते रहे। वहीं गुजरात के बल्लेबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खेल दिखाया। गेंदबाजी में भी चेन्नई के गेंदबाज दबाव नहीं बना सके और सुदर्शन को खुलकर खेलने का मौका मिल गया।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई : 158/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सैमसन का . बटलर बो . रबादा	11	15	2/0
रुतुराज अविजित	74	60	6/4
उर्विल का . होल्डर बो . रबादा	4	3	1/0
सरफराज का . बटलर बो . सिराज	0	1	0/0
ब्रेविस का . शुभमन बो . मानव	2	9	0/0
शिवम बो . अरशद	22	17	3/1
कार्तिक का . होल्डर बो . रबादा	15	9	3/0
ओवरटन का . शाहरुख बो . अरशद	18	6	3/1
अकील अविजित	0	0	0/0

अतिरिक्त : 12 (लेबा : 2, वा : 10)
विकेटपतन : 1-21 (सैमसन, 3.3), 2-25 (उर्विल, 3.6), 3-26 (सरफराज, 4.4), 4-37 (ब्रेविस, 8.2), 5-96 (शिवम, 15.3), 6-122 (कार्तिक, 17.5), 7-143 (ओवरटन, 18.6)
गेंदबाजी : सिराज 4-0-23-1, रबादा 4-0-25-3, मानव 3-0-22-1, होल्डर 4-0-22-0, अरशद 4-0-43-2, राशिद 1-0-21-0

गुजरात : 162/2 (16.4 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सुदर्शन का . ब्रेविस बो . अकील	87	46	4/7
शुभमन स्टं . सैमसन बो . नूर	33	23	1/3
बटलर अविजित	39	30	4/1
वाशिंगटन अविजित	1	1	0/0

अतिरिक्त : 2, **विकेट :** 1-58 (शुभमन, 6.2), 2-155 (सुदर्शन, 16.2), **गेंदबाजी :** अकील 3.4-0-46-1, कंबोल 3-0-16-0, ओवरटन 2-0-28-0, गुरजपनीत 3-0-36-0, नूर 4-0-29-1, शिवम 1-0-7-0

खेल डायरी

मानव, मानुष और दीया फिर से नीलामी पूल में

जासं, नई दिल्ली : भारतीय स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर, मानुष शाह और दीया चितले बटरफ्लाई अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-7 के प्लेयर पूल की अगुआई कर रहे हैं, जबकि नीलामी से पहले टीमों ने अपने प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। अनुभवी खिलाड़ी जी. साथियान और मनिका बत्रा को उनकी टीमों ने बरकरार रखा है। यूटीटी सीजन-7 का आयोजन नौ से 26 जुलाई तक गोवा के डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। मुकाबलों का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहाटस्टार पर उपलब्ध रहेगी। सीजन की नीलामी 28 अप्रैल को मुंबई के सहारा स्टार में आयोजित होगी। मानव और मानुष एक साल के के बाद नीलामी में वापसी कर रहे हैं।

मानव ठक्कर ● फाइल फोटो

भुल्लर और पुखराज संयुक्त 26वें स्थान पर

सिंगापुर, प्रेट्र : भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर रविवार को इंटरनेशनल सीरीज सिंगापुर के अंतिम दौर में दो ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। शुरुआत में खिताब के दावेदारों में शामिल रहे भुल्लर ने चार बर्डी की लेकिन चार बोगी और एक डबल बोगी कर गए जिससे उनका स्कोर दो ओवर रहा। अंतिम दौर में भारत के पुखराज सिंह गिल ने चार अंडर 67 का टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और भुल्लर के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। उन्होंने पांच बर्डी और एक बोगी की िकट हासिल करने वाले एक अन्य भारतीय करणदीप कोच्चर (76) ने 70वां स्थान हासिल किया। कोरिया के जियोंगवू हैम ने तीन अंडर 68 के स्कोर से खिताब जीता।

साई अकादमी ने टेलीफनकन को 400 रन से हराया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : नोएडा के वंडर क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए 40-40 ओवर के मुकाबले में साई क्रिकेट अकादमी ने टेलीफनकन क्रिकेट क्लब को 400 रन से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए साई अकादमी टीम ने पांच विकेट पर 560 रन बनाए, जिसमें शुभ तोमर ने 155, अभिजीत सिंह ने 156 और रीतीज मलिक ने 152 रन बनाए। टेलीफनकन के गेंदबाज समर कुमार ने दो विकेट लिए। जवाब में टेलीफनकन क्लब की पूरी टीम 31.3 ओवर में 160 रन बना सकी। इसमें नैतिक सिंह ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। साई अकादमी की ओर से शिवम बिधूड़ी ने पांच विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। वहीं अंकित सहवाग और कप्तान अभय तोमर ने दो-दो विकेट लिए।

रीतीज मलिक

अभिजीत सिंह

कैपिटल्स को अपने घर पर दिल्ली के लड़के से मिलेगी चुनौती

लोकेश शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : आइपीएल 2026 में हार से बेहाल दिल्ली कैपिटल्स का सामना सोमवार को गत चैंपियन रायल चैलेंजर्स (आरसीबी) से होगा। घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में कैपिटल्स की टीम को दिल्ली के लड़के विराट कोहली से कड़ी चुनौती मिलेगी। विराट इस समय जबरदस्त फार्म में हैं और 328 रन बना चुके हैं। पिछले मैच में उन्होंने गुजरात के विरुद्ध 81 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी।

विराट के अलावा देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे बल्लेबाजों से सजी आरसीबी की टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में संतुलित दिख रही है। ।

अरुण जेटली स्टेडियम की छोटी बाउंड्री गेंदबाजों के लिए हमेशा चुनौती रही है। ऐसे में दिल्ली के गेंदबाजों को तकनीकी रूप से सटीक प्रदर्शन करना होगा। टीम के गेंदबाजी और फील्डिंग कोच पर खिलाड़ियों को बेहतर तैयार करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। लुंगी नगिदी की गर्दन की चोट ने दिल्ली की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यदि वह टूर्नामेंट से बाहर होते हैं तो आरसीबी के विरुद्ध दिल्ली को बड़ा झटका लग सकता है। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने रन बनाए हैं, जबकि नीतीश राणा ने भी शानदार अर्धशतक के साथ फार्म में वापसी के संकेत दिए हैं। इसके बावजूद टीम की गेंदबाजी और फील्डिंग बड़ी कमजोरी बनकर उभरी है।

केएल राहुल

विराट कोहली

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसंका, साहिल पारख, पृथ्वी शा, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर, आशुतोष, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब नबी, नीतीश राणा, नटराजन, मुकेश, दुष्मंथा चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप।

आरसीबी : रजत पाटीदार (कप्तान), कोहली, टिम डेविड, बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, हेजलवुड, पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर, जाईन काक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क , अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, विक्की ओस्तवाल।

अंक तालिका

		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	पंजाब	7	6	0	1	+1.333	13
2	आरसीबी	7	5	2	0	+1.101	10
3	हैदराबाद	8	5	3	0	+0.815	10
4	राजस्थान	8	5	3	0	+0.602	10
5	गुजरात	8	4	4	0	-0.475	8
6	चेन्नई	8	3	5	0	-0.121	6
7	दिल्ली	7	3	4	0	-0.148	6
8	कोलकाता	8	2	5	1	-0.751	5
9	मुंबई	7	2	5	0	-0.736	4
10	लखनऊ	8	2	6	0	-1.106	4

युवा वैभव सूर्यवंशी अब मेरे नए पसंदीदा बल्लेबाज : पैट कमिंस

जयपुर, प्रेट्र : वैभव सूर्यवंशी को अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण एक नया प्रशंसक मिल गया है और यह कोई और नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं जो इस 15 वर्षीय खिलाड़ी के बल्लेबाजी के तरीके से बेहद प्रभावित हैं। राजस्थान रायल्स की तरफ से खेलने वाले युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। उ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और टी-20 विश्व कप विजेता आस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि वह मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। वह गेंद पर जोर से प्रहार करता है। उसे खेलते हुए देखने में मजा आता है। वैभव की बल्लेबाजी से मैं बहुत प्रभावित हूं।

दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी कर सेबेस्टियन ने रचा इतिहास

लंदन, आइएएनएस : केन्या के सेबेस्टियन सावे ने रविवार को लंदन मैराथन 2026 में इतिहास रच दिया। उन्होंने इस मैराथन को पूरा करने के लिए 1 घंटा, 59 मिनट और 30 सेकेंड का समय लिया। जिससे वह दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले दुनिया के पहले एथलीट बन गए। 31 वर्षीय सावे ने 2:00:35 घंटे के पिछले विश्व रिकार्ड को तोड़ दिया, जिसे दिवंगत केल्विन किपटम ने 2023 शिकागो मैराथन में बनाया था।

दूसरे स्थान पर इथियोपिया के योमिफ केजेलचा रहे, जिन्होंने 1:59:41 घंटे का समय लिया। वे भी दो घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने में सफल रहे, जबकि युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 2:00:28 घंटे के समय के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने 2:15:41 घंटे के समय के साथ महिलाओं के वर्ग में अपना ही विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले साल लंदन में 2:15:50 घंटे में दौड़ पूरी करके रिकार्ड बनाया था। केन्या की ओबिरी और जायसिलिन दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सेबेस्टियन सावे ● रायटर

यूक्रेन पर जीत से भारत की क्वार्टर फाइनल की उम्मीद जगी

उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन को 4-1 से दी शिकस्त

होर्सेंस, प्रेट्र : भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के विरुद्ध भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स में आराम दिया, जिससे 2026 थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरे सिंगल्स में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। भारत को एकमात्र हार महिला डबल्स के पहले मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को बुहरोवा और कांटेमिर से 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिंधु और तनीषा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

उन्नति हुडा

स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव से बेहद निराश हूं : विमल कुमार

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव करने के फैसले से बेहद निराश हैं और उन्होंने इसे खेल की वास्तविक चुनौतियों का समाधान किए बिना खेल को कमजोर करने वाला कदम बताया। बीडब्ल्यूएफ ने शनिवार को डेनमार्क के होर्सेंस में अपनी वार्षिक आम बैठक में 15 अंकों की तीन गेम वाली स्कोरिंग प्रणाली अपनाने को मंजूरी दे दी। यह प्रणाली 21 अंकों की तीन गेम वाली मौजूदा स्कोरिंग प्रणाली की जगह लगी। नई प्रणाली चार जनवरी 2027 से लागू होगी। विमल ने कहा कि बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव करने के फैसले से मैं बेहद निराश हूं।

कलम से

सुनील गावस्कर

आइपीएल मैचों के लंबा चलने पर बीसीसीआइ बरते सख्ती

जैसे-जैसे आइपीएल अपने आधे पड़ाव की ओर बढ़ रहा है, यह साफ दिख रहा है कि पिछले साल की फाइनलिस्ट रायल चैलेंजर्स बेंलगुरु और पंजाब किंग्स अपनी शानदार लय को इस सीजन भी जारी रखे हुए हैं और पहले से भी बेहतर नजर आ रही हैं। खेल में आत्मविश्वास क्या कर सकता है, यह इन टीमों के प्रदर्शन से साफ दिखाई देता है। जो चीजें उनके लिए पिछले साल तक मुश्किल लगती थीं, अब वे उन्हें बेहद आसानी से कर रही हैं।

दरअसल, इस साल के आइपीएल में हर चीज पिछले वर्षों से बेहतर नजर आ रही है। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि इसके आसपास का पूरा माहौल भी शानदार है। मैं यह बात एक कमेंटेटर के नजरिए से कह रहा हूं। होटल, यात्रा कार्यक्रम, सब कुछ पिछले साल से ज्यादा बेहतर है। उड़ानों के इतने विकल्प हैं कि अगर रात देर से होटल लौटें, तब भी अगली सुबह की फ्लाइट नाश्ते से पहले पकड़ने की मजबूरी नहीं रहती। हालांकि, एक चीज जरूर सुधारी जा सकती है और वह है मैच खत्म होने में लगने वाला समय। बीसीसीआइ हर साल आइपीएल टीमों के लिए एसओपी जारी करता है और पिछले कुछ वर्षों से ओवरों के बीच टाइमर भी लागू है, ताकि अगला ओवर 60 सेकेंड के भीतर शुरू हो जाए। अगर कोई टीम दो चेतावनियों के बाद भी नियम तोड़ती है तो विपक्षी टीम को पांच रन पेनाल्टी के रूप में दिए जाते हैं। यह शानदार नियम है और ज्यादातर टीमों ने इसका पालन भी किया है।

अंपायरों और मैच रेफरी को यह भी देखना चाहिए कि कहीं बल्लेबाज ही अगला ओवर शुरू होने में देरी का कारण तो नहीं बन रहे। यहां भी पांच रन की पेनाल्टी जैसा नियम लागू हो सकता है, ताकि बल्लेबाज समय बर्बाद न करें और फील्डिंग टीम पर बेवजह दबाव न पड़े।

जब टी-20 क्रिकेट की शुरुआत हुई थी, तब मैदान पर 180 मिनट की उलटी गिनती वाली घड़ी होती थी, क्योंकि मैच उसी समय में खत्म होना चाहिए था। बाद में हर विकेट गिरने पर नए बल्लेबाज को आने के लिए दो मिनट की छूट दी गई यानी अगर पांच विकेट गिरते हैं तो 10 मिनट अतिरिक्त मिल जाते हैं। इसके साथ सिएट टायर का स्ट्रैटेजिक टाइम आउट भी जुड़ गया और मैच लगभग एक घंटा ज्यादा खिंच जाता है। यहीं बीसीसीआइ को और सख्ती करनी चाहिए।

आजकल सभी बल्लेबाज डगआउट में बैठे रहते हैं, पहले की तरह ड्रेसिंग रूम में नहीं। इसलिए नए बल्लेबाज को आने की समय सीमा दो मिनट से घटाकर एक मिनट की जा सकती है। अगर बल्लेबाज तैयार न हो तो कुछ चेतावनियों के बाद पेनाल्टी रन लागू होने चाहिए। इसी तरह स्ट्रैटेजिक टाइम आउट के बाद पहली गेंद ठीक दो मिनट 30 सेकेंड में फेंकी जानी चाहिए। अभी अक्सर ओवर खत्म होने, अंपायर के टाइम आउट संकेत देने और दोबारा खेल शुरू होने तक लगभग तीन मिनट लग जाते हैं। गर्मी के मौसम में खिलाड़ियों को आराम और पेय पदार्थ की जरूरत होती है, लेकिन इसका गलत फायदा उठाया जा रहा है। यहां भी रन पेनाल्टी बड़ा फर्क ला सकती है। आज जब टूर्नामेंट में इतनी बड़ी रकम दांव पर लगी है तो आर्थिक जुर्माना टीमों के लिए ज्यादा मायने नहीं रखता। अक्सर फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों का जुर्माना भी खुद भर देती हैं। जब तक सजा ऐसी न हो जो मैच के नतीजे को प्रभावित करे, तब तक उसका असर नहीं होगा। यही वजह है कि जब टीम समय पर ओवर पूरे नहीं कर पाती और आखिरी ओवर में 30 गज के बाहर एक खिलाड़ी कम रखने की सजा मिलती है, तो घबराहट दिखती है। क्योंकि वह सीधे मैच पर असर डालती है।

एफए कप के फाइनल में भिड़ेंगे चेल्सी-सिटी

लंदन, रायटर : चेल्सी ने रविवार को वेंबली में लीड्स यूनाइटेड को 1-0 से हराकर एफए कप फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज के पहले हाफ में किए गए मुकाबले के एक मात्र गोल से चेल्सी ने यह जीत दर्ज की। अब चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के बीच 16 मई को खिताबी मुकाबला होगा। सिटी ने शनिवार रात न्यूकैसल को साउथेंप्टन को 2-1 से हराकर रिकार्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

सेमीफाइनल के 23वें मिनट में फर्नांडीज डिफेंडरों के बीच से निकलकर पुर्तगाल के विंगर पेड्रो नेटो के क्रास पर सिर से गोल करने में कामयाब रहे। आठ बार की विजेता चेल्सी ने लगातार पांच प्रीमियर लीग हार के बाद बुधवार को अपने कोच लियाम रोसेनियोर को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद कोच कैलम मैकफार्लेन ने टीम की कमान संभाली और उनके पहले ही मैच में चेल्सी ने पहले हाफ में दबदबा बनाए रखा। हालांकि, लीड्स को गोल करने से रोकने के लिए उन्हें राबर्ट सांचेज पर निर्भर रहना पड़ा। उन्होंने मैच के दोनों हाफ में ब्रेंडन आरोनसन और एंटोन स्टैच के शाट को रोका।

मुकाबले के दौरान चेल्सी के एंजो फर्नांडीज (मध्य में) ● एपी

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 27 अप्रैल, 2026

विदेश में रहकर वापस आई एक लड़की की कहानी, जो भारत में तमाम आधुनिकता के बीच भी भारतीय वैवाहिक संस्था की कमजोर दिखने वाली डोर में उस मजबूती का अनुभव करती है, जिसका विदेश में अभाव है...

यह कच्चे धागों का बंधन

कहानी

छाया श्रीवास्तव
गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

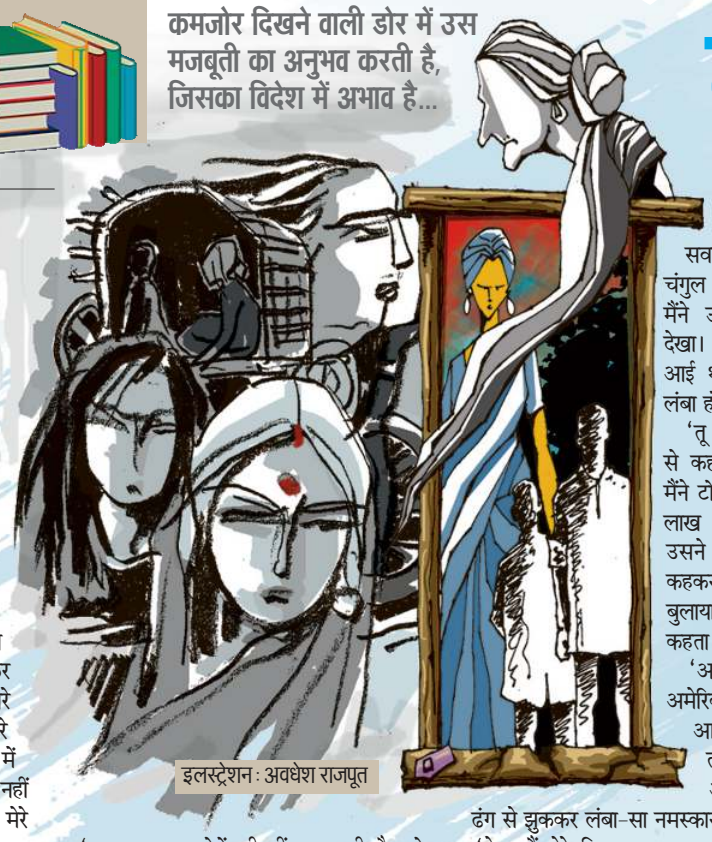

इलस्ट्रेशन : अवधेश राजपूत

कुछ दिन पहले ही मैं अमेरिका से भारत आई थी। परिवार से मिले कितने ही साल हो गए थे। छुट्टी ही नहीं मिलती थी काम से। अम्मा-बाबू तो पछतावे की आग में जले-फुंके रहते थे कि अनब्याही लड़की को बाहर क्यों भेज दिया। फोन पर कभी-कभी वीडियो काल हो जाती। मैंने सरप्राइज देने की मंशा से किसी को अपने आने की खबर नहीं दी थी। अचानक मुझे देख अम्मा तो अवाक हो देखती रह गईं। पास जाकर झकझोरा, तब उन्हें मानो होश आया, 'अरे मीता, तू कैसे...? अचानक?' खुशी के मारे हकलाती-सी बोलीं और झपटकर मुझे बाहों में घेर लिया। सोचकर आई थी कि मैं इमोशनल नहीं हूंगी, पर हिचकी ले-लेकर मां के रोने से मेरे आंसू भी उनकी पीठ भिगोने लगे।

'अरे हम भी हैं भई, तुम्हारे बाबू... भूल गई क्या...?' पीछे खड़े बाबा ने बाहें फैला दीं, 'बिना बताए, कैसे बेटा...?' उनकी बूढ़ी होती बाहों में लगा कि मेरा संसार तो यहां है, मैं कहां इसे छोड़ चली गई। फिर तो बस, बातें ही बातें। अम्मा तो जैसे बौखला-सी गईं- अरे, ये खा, वो खा।

'इतनी दूर से आई है, हाथ-मुंह तो धो ले।'

'अम्मा, अमेरिका से पैदल नहीं आई हूं। साफ तो हैं हाथ-मुंह।' मैंने अपनी हथेलियां दिखा दीं और खाने की चीजों पर टूट पड़ी, जैसे कब से भूखी थी। भाई कहीं बाहर गया था, वरना मेरी अटैची खोलकर बैठ गया होता कि उसके लिए क्या लाई हूं। अंशुमान मुझसे कई साल छोटा है।

'अम्मा, बहुत जोरों की नींद आ रही है, सो जाऊं...?' इतने लंबे सफर के बाद थकान और नींद से मेरा बुरा हाल था।

'इस समय? अरे गोधूलि के समय कोई सोता है क्या?' अम्मा अपना पौराणिक ज्ञान देने लगीं।

'वो जेट लैग है ना...' जमुहाई लेते हुए मैं अम्मा के बिस्तर पर ही औंधी हो पड़ गई। अम्मा बड़बड़ाती रहीं, 'कौन सा लैग...? कुछ दिक्कत है क्या...?' अब बाबा ने मोर्चा संभाला, 'सोने दो उसे। अमेरिका और यहां दिन-रात का अंतर होता है, तो दिन में नींद आती है, तुम छोड़ो...।'

'हां हां, मैं तो बुड़बक हूं ना...' हाथ झटकाकर अम्मा काम में लग गईं और मैं... ऐसा सोई कि फिर सवेरे ही उठी। भाई आकर लिपट गया-

'दीदी-कब-कैसे...' वही सवाल। उसके चंगुल से छूटकर मैंने उसे ध्यान से देखा। मूंछ निकल आई थी और इतना लंबा हो गया था।

'तू मुझे दीदी कब से कहने लगा रे...' मैंने टोका। अम्मा के लाख कहने पर भी उसने मुझे दीदी कहकर कभी नहीं बुलाया, मीता ही कहता।'

'अरे भई, हमारी अमेरिका रिटर्न बहन आदर की पात्र तो हुईं न...' और नाटकीय ढंग से झुककर लंबा-सा नमस्कार किया।

'देख मैं तेरे लिए क्या-क्या लाई हूं।' इससे पहले मैं अपने सामान ढूंढ़ती, वह बोला, 'मैंने सब निकाल लिया है... जैकेट, घड़ी, आईफोन...' लिस्ट बहुत लंबी थी। भाई ने मुझे चिढ़ाया।

'ओये, तूने बाबा के सामान पर तो हाथ नहीं मार लिया...?' भाई-बहन में नोकझोंक हो ही रही थी कि अम्मा-बाबा की जोर-जोर से आवाजें सुनाई पड़ीं। 'क्या हुआ...' मैं घबराकर बाहर निकलने को हुई।

'अरे बैठ मीता, यह तो रोज का रिचुअल है...' अंशुमन ने हंसते हुए व्यंग्य कसा। थोड़ी देर में सब शांत हो गया। मुझे जबरदस्ती अम्मा के आदेश पर नहाना-धोना पड़ा। सिर धोकर बैठी तो अम्मा मेरे बालों में अंगुलियां फिराकर बाल सुलझाती गुनगुनाने लगीं। मैं तो बचपन के इस असीम सुख को मानो भूल ही चुकी थी। 'आह, ऐसा सुख दुनिया में कहां मिलेगा...' मैंने उनकी गोद में सिर को ढीला छोड़ आंखें मूंद लीं।

'बेटी के चक्कर में आज सबका व्रत है क्या...?' बाबा की जोरदार आवाज से दिवास्वप्न टूटा। अम्मा मेरे बाल छोड़ भागीं रसोई में। थोड़ी देर पहले अम्मा-बाबा खूब झगड़ रहे थे, अब अम्मा, बाबा को मनुहार कर पराठे परोसे जा रहीं थीं और बाबा ना-ना करते जा रहे थे।

'कहा न, अब बस। भैंसा समझ रखा है क्या?' बाबा पर से प्यार भरे पराठों का नशा उतर गया था, वह मौलिक रूप में आ गए थे। गुस्साई अम्मा ने पराठे को भाई की थाली में पटक दिया।

'हां भई, इस गरीब को भी भूख लगती है...' सच में भाई को कोई पूछ ही नहीं रहा था।

'मीता, मैं जब तक कमाने नहीं लगूंगा, मेरी यही औकात रहेगी...।' अम्मा उस पर झपट ही पड़ीं। वह छिटक गया, वरना एक-दो चपाट पड़ ही गए होते। मुझे अब बीच-बचाव करना पड़ा- 'यह तो ठीक नहीं है अम्मा, इतने बड़े लड़के को मारती हो।' 'इसके लच्छन ही ऐसे हैं, हुंह...' कहकर अम्मा सीन से बाहर हो गईं।

एक दिन सोचा अपने कालेज की बिछड़ी सहेलियों को कहीं मिलने बुला लूं। कालेज के बाद ही मैं अमेरिका चली गई थी, पर फेसबुक और व्हाट्सएप पर जुड़ी रहने से सभी के नंबर थे। वे सब खुश और उत्साहित लगीं। माल के नियत रेस्टोरेंट में टेबल बुक थी। पहले से ही दो-तीन सहेलियां उपस्थित थीं। धीरे-धीरे हम छह-आठ का गुट पूरा हो गया। मुझसे सब इतने प्यार और उत्साह से मिलीं कि दिल खुश हो गया।

'अरे मीतू, इतने साल अमेरिका में रहकर भी वही एंटीक साड़ी, बिंदी एंड आल- भई, हम किसी हिंदी साहित्य की गोष्ठी में थोड़े ही इकट्ठे हुए हैं। हमें देख...।' एक सहेली खड़े होकर अपनी मिनी स्कर्ट और छोटे टाप की नुमाइश माडल वाले पोज में कर बोली। सभी के मोबाइल में फोटो खिंचने लगीं एक-दूसरे की। सभी पश्चिमी परिधान में व आफ शोल्डर में ही थीं।

'हां, वह तो देख रही हूं...। इतने सालों में भारतीय संस्कृति क्या इतनी छोटी हो गई?' मैंने स्कर्ट की लंबाई को हाथों से नापा। सब ठहाका मारकर हंसने लगीं। पता नहीं क्यों, मुझे वह हंसी भौंड़ी-सी लगी। वैसे खूब आनंद आया। कितनी पुरानी यादें, खाना-पीना, गप्पें...। कई सहेलियों ने हार्ड ड्रिंक्स भी लीं। बातों-बातों में पता चला कि दो-एक तो शादी के दो-एक साल बाद अपने पति से तलाक लेकर स्वतंत्र जीवन बिता रहीं हैं। कुछ ने इस उदाहरण से ज्ञान प्राप्त कर विवाह जैसी पवित्र संस्था को ही सिरे से नकार दिया, बिंदास जीवन में मस्त हैं। कई बायफ्रेंड्स बदले। एक ने तो अपने सास-ससुर को ही दूसरे घर में शिफ्ट कर दिया, गनीमत थी कि वृद्धाश्रम में नहीं।

'अरे मीतू, तू ही बढ़िया रही, अमेरिका की आजाद जिंदगी... शादी-वादी का पचड़ा नहीं।' फिर हंसते हुए बोली, 'और भी आप्शंस हैं वहां तो...' और हा हा करके सबने सर्वसम्मति से निर्णय सुना दिया। मेरा मन उकताने लगा था। सहेलियों से मिलने का उत्साह धूमिल पड़ने लगा। पश्चिम के लोग आज भारतीय संस्कृति और सभ्यता की ओर आकर्षित हो रहे हैं और हम यहां...। मैं घर जाते सोचती रही, शादी नहीं की तो अच्छा किया, क्या सही में अच्छा किया...?

मैं जल्दी घर पहुंचना चाहती थी। बाहर से ही अम्मा-बाबा की रूटीन तकरार की आवाजें कानों में पड़ने लगीं। दोनों फिर भिड़े हुए थे, मेरे अंदर घुसते ही दोनों चुप। 'क्या अम्मा, हर समय बाबा से जूझती रहती हो, अब क्या हो गया...? बाबा अपने कमरे में दुबक गए।

'अरे, मैं तो 30 साल से इनसे जूझ रही हूं... छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं, सठिया गए हैं, हां नईं तो...।' वह सूखी आंखों को पल्लू से पोंछने की प्रक्रिया में सिसकियाने लगीं।

'अरे मेरी मां... बाबा तुमसे बहुत प्यार करते हैं, तुम पर ना झिड़कें तो किस से जूझें।' और मैंने उन्हें बाहों में भींचकर प्यार की झड़ी लगा दी।

तीस साल...। अम्मा बाबू ऐसे ही लड़ते-झगड़ते, एक-दूसरे का खयाल रखते, परिवार को कमजोर से धागे में बांधे हुए एक मजबूत स्तंभ बने खड़े हुए हैं। विवाह के पवित्र बंधन को नकारने के विचार अब बौने साबित होने लगे...।

srivast.chhaya@gmail.com

गीत

डा. शिवकांत शर्मा
भिवानी, हरियाणा

मानवता के हत्यारे हैं...

जंग नहीं जीता है कोई जो भी लड़े सभी हारे हैं,
जंग जीतने वाले भी बस मानवता के हत्यारे हैं।

हुक्मरान मुल्कों पर अपनी मालकियत माने बैठे हैं,
नजरें टेढ़ी कर मूछों को ताव दिए ताने बैठे हैं,
वे खुद शायद अजर अमर हैं, मन में यह ठाने बैठे हैं।
भूल रहे, यमलोक दूत उनके भी सिरहाने बैठे हैं।
नष्ट विवेक हुआ है उनका अहंकार के बस मारे हैं,
जंग जीतने वाले भी बस मानवता के हत्यारे हैं।

कई अभागिन हुई हैं माएं रोने को मजबूर सदा को,
कई सुहागिन की मांगों से दूर हुआ सिंदूर सदा को,
बहन बिलखती हैं सीने में लिए एक नासूर सदा को,
जिंदा लाश पिता के सपने हो गए चकनाचूर सदा को,
संगी साथी यार पुराने दुखी वियोगी बेचारे हैं,
जंग जीतने वाले भी बस मानवता के हत्यारे हैं।

आमादा हो युद्ध की खातिर झुंड कोई जब नादानों का,
और मिला हो रक्त में इनके लहू जरा सा शैतानों का,
इनको कोई फिक्र नहीं है खून बहेगा इंसानों का,
तय है इक दिन मोल चुकाएंगे ये अपने फरमानों का,
इनकी फितरत में नफरत है और सोच में अंगारे हैं,
जंग जीतने वाले भी बस मानवता के हत्यारे हैं।

मानवता का शाप तुम्हें, ना सपना हो साकार तुम्हारा,
ना हो इंसानों के दिल पर रत्ती भर अधिकार तुम्हारा,
बेशक कामयाब हो जाए शस्त्रों का व्यापार तुम्हारा,
मगर सदा इतिहास करेगा युगों-युगों धिक्कार तुम्हारा,
करे विनाश विकास ही इकदिन नियम सृष्टि के बस न्यारे हैं,
जंग जीतने वाले भी बस मानवता के हत्यारे हैं!

sharmashivkant58@rediffmail.com

संगीतायन

पंडित (डा.) हरविंदर कुमार शर्मा
पंचकूला, हरियाणा

मन को झंकृत करने वाला वाद्य सितार

स्वरों के माध्यम से अंतर्मन को झंकृत कर ध्यान में ले जाता है सितार। इस वाद्य के विकास की कहानी...

पं. रविशंकर

उस्ताद विलायत हुसैन खान

सितार भारतीय शास्त्रीय संगीत का अत्यंत भावपूर्ण तंत्री वाद्य है, जिसकी ध्वनि में गहराई, माधुर्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम निहित है। इसकी प्रत्येक स्वर-तरंग साधक के अंतर्मन को स्पर्श कर उसे ध्यानमय अवस्था में ले जाती है।

सितार शब्द फारसी के 'सेतार' से उपजा है, जिसका अर्थ तीन तार होता है। विकास की कड़ी में यह 18वीं शताब्दी में परिपक्व रूप में प्रतिष्ठित हुआ। इसकी संरचना में कद्दू (तुंबा) का गूंजता हुआ आधार, लंबा और सुदृढ़ दंड तथा लगभग 18 से 21 तार हैं। मुख्य, सहायक और तरंग तारों का संतुलन एक जीवंत ध्वनि संसार रचता है। चलायमान पर्दे (फ्रेट्स) मींड, गमक और सूक्ष्म स्वरों की अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं, जिससे गायकी अंग शैली का विकास हुआ, जहां सितार मानवीय स्वर जैसा प्रतीत होता है।

इमदादखानी घराना इस गायकी अंग परंपरा का प्रमुख स्तंभ है। उस्ताद साहबदाद खान, इमदाद खान, इनायत खान, विलायत खान, इमरत खान, शुजात खान, हिदायत खान, निशात खान, इरशाद खान तथा रईस खान जैसे कलाकारों ने गायकी अंग को विकसित व समृद्ध किया। उस्ताद विलायत खान ने इस परंपरा को शीर्ष पर पहुंचाया। उनकी वादन शैली की नजाकत और गहराई श्रोता के अंतर्मन को स्पंदित कर देती थी। उनकी शागिर्दी में मैंने भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी धारा में उस्ताद शाहिद परवेज ने भी सितार वादन को नई ऊर्जा और विस्तार प्रदान किया।

मैहर घराना सितार को साधना व ध्यान से जोड़ता है। इस शैली को पं. रवि शंकर ने विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। पं. निखिल बनर्जी, अन्नपूर्णा देवी, शुभेंद्र राव और कार्तिक कुमार ने रागों की शुद्धता व आलाप अंग को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अन्नपूर्णा देवी इस परंपरा की आत्मा हैं। आधुनिक समय में नीलाद्री कुमार ने 'जितार' के जरिये, अनुष्का शंकर ने फ्यूजन से तथा अब्दुल हलीम, बलराम पाठक, मणिलाल नाग, देबू चौधरी, पुरबयान चटर्जी और महताब ने इस परंपरा को नया विस्तार दिया है।

चित्रपट संगीत में सितार का मधुर उपयोग मदन मोहन, ओपी नैयर, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल व नौशाद द्वारा किया गया। विलायत खान, रईस खान, अब्दुल हलीम जफर आदि ने फिल्मों में सितार बजाया। आम्रपाली, हंसते जख्म, सत्यम शिवम सुंदरम, पाकीजा आदि कई फिल्मों में सितार का सुंदर उपयोग हुआ है। अब सितार एक वाद्य ही नहीं, बल्कि साधना, ध्यान और आत्मिक जागरण का माध्यम बन चुका है।

harvindersharma1516@gmail. com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

दैनिक जागरण | हिंदी हैं हम

आज के शब्द : प्रवीण, कुशल, निपुण, योग्य और दक्ष

इन शब्दों का प्रयोग 'योग्यता' या 'कुशलता' के संदर्भ में होता है, किंतु इनके अर्थ भिन्न हैं।

प्रवीण: मूल अर्थ है 'वीणा बजाने में पारंगत'। 'प्र' उपसर्ग का अर्थ 'विशेष' है। यह शब्द किसी विषय या कला में विशद ज्ञान रखने वाले व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होता है। जैसे वह संगीत/चित्रकला में प्रवीण है। इसमें अभ्यास अथवा किसी हुनर को विशेष रूप से साधने का भाव प्रमुख है।

कुशल: कुशल की व्युत्पत्ति 'कुश'(घास) से है। जो कुश को सावधानी से ला सके। जो उसकी धार या नोक (नोंक अशुद्ध है) से घायल न हो, वही 'कुशल'। 'कुशल' में केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं, बल्कि संतुलन, सावधानी और शुभता निहित है। जैसे- आप कुशल तो हैं? यहां कुशल का अर्थ 'मंगल' है, न कि 'दक्षता'। इसी कुश से 'कुशाग्र' बना। जिसकी बुद्धि कुश की नोक की भांति तीक्ष्ण हो, उसे 'कुशाग्र बुद्धि' कहा जाने लगा।

निपुण : इस शब्द का मूल अर्थ 'पुण्य' से जुड़ा है अर्थात पुनीत कार्यों में दक्ष। जैसे आचार्य धन्वंतरि निपुण वैद्य थे, क्योंकि वैद्य का कार्य पुण्य या भलाई के लिए है। प्रवीण वैद्य कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि किसी कला की बात नहीं हो रही है।

योग्य : 'युज्' धातु से बने 'योग' से व्युत्पन्न है, जिसमें जोड़ने का भाव है। जो जोड़ने में समर्थ है, वह योग्य है। कोई धन कमाने या भरोसा करने योग्य है तो इसका अर्थ है कि वह जोड़ेगा, तोड़ेगा नहीं।

दक्ष: मूल अर्थ है- योग्य, सक्षम और कार्य को सही ढंग से करने में समर्थ। इसमें कार्य-निष्पादन की क्षमता पर बल होता है। जैसे वह एक दक्ष प्रशासक/बढ़ई/लुहार/सुनार है। दक्ष कार्य-क्षमता का बोध कराता है, प्रवीण कला आदि के अभ्यास की गहराई को, कुशल शुभत्व और संतुलन को तथा निपुणता पूर्णता और पुण्यता के भाव को व्यक्त करता है।

kamalkeekalam@gmail.com

पुस्तक परिचय

कविता का विस्तृत आयाम

यह अशोक शाह का 12वां कविता संग्रह है, जिसकी कविताएं संसार को और जीव जगत को विभिन्न आयामों के माध्यम से जानने का प्रयास करती हैं। इन कविताओं का आयाम बड़ा है। इसमें प्रकृति, प्रेम, दर्शन, अध्यात्म, संघर्ष, स्मृतियां तथा जिजीविषा आदि सम्मिलित हैं।

प्रकाशक : अनुज्ञा बुक्स **मूल्य** : 400 रुपये

पुस्तकें मिलीं

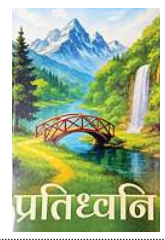

प्रतिध्वनि (उपन्यास)
लेखिका : नीलम चमोली
प्रकाशक : शाइन बुक पब्लिशिंग
मूल्य : 300 रुपये

हां इश्क है
(गजल संग्रह)
लेखिका : किरण सिंह
प्रकाशक : श्वेतवर्णा प्रकाशन
मूल्य : 160 रुपये

आज का भविष्यफल-27 अप्रैल, 2026 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : वैशाख मास शुक्ल पक्ष एकादशी का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रात: 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व
आज का पर्व एवं त्योहार : मोहिनी एकादशी
आज की भद्रा : प्रात: 06 बजकर 09 मिनट से सायं 06 बजकर 17 मिनट तक।

कल 28 अप्रैल, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर, **कल का पर्व एवं त्योहार** : रुक्मिणी द्वादशी, **विशेष** : मंगल उदय
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, वैशाख मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी 18 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात त्रयोदशी, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र 22 घंटे 36 मिनट तक तत्पश्चात हस्त नक्षत्र, व्याघात योग 21 घंटे 05 मिनट तक तत्पश्चात हर्षण योग, कन्या में चंद्रमा।

मेष: पारिवारिक समस्या आ सकती है। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष: शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। सम्मान में वृद्धि होगी। बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा।

मिथुन: सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कर्क: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पुरुषार्थ सार्थक होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह: शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक मामलों तथा जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कन्या: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

तुला: पिता या अधिकारी के कारण तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

वृश्चिक: आर्थिक सफलता मिलेगी। जीविका में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

धनु: शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

मकर: सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक प्रगति होगी। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।

मीन: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

वर्ग पहेली-3318

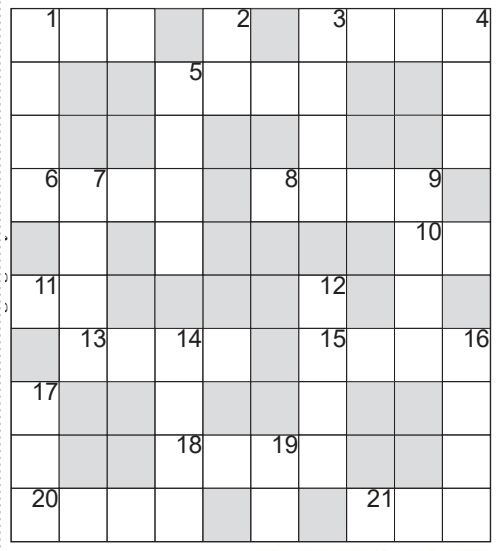

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. कमी, तंगी, दुर्लभता (3)।
3. सजग, सतर्क एवं सावधान (4)।
5. स्मरण, ध्यान (4)।
6. गरीबों पर दया करने वाला, परमात्मा (4)।
8. लालसा, इच्छा, कामना (4)।
10. कम, अल्प (2)।
11. पंखों वाली सुंदर काल्पनिक स्त्री (2)।
13. शर्मीली, लज्जालु स्त्री (4)।
15. एक ही नाम का (4)।
18. फिल्म 'तीसरी कसम' का एक महत्वपूर्ण पात्र (4)।
20. दानी, दान करने वाला (4)।
21. शक्ल, मुखड़ा (3)।

ऊपर से नीचे:
1. व्यूह रचना, मोर्चा बंदी (4)।
2. धरती, पृथ्वी, जमीन (2)।
3. हिम्मत वाला, सजीव (4)।
4. दया, रहम (3)।
5. बहुत मीठा या मधुर (4)।
7. नखरा दिखाने वाला (4)।
9. भेंट, उपहार (4)।
12. किसी चीज के गुण-दोष की समझ (4)। 14. जिसके खानदान में कोई न हो (4)। 16. परामर्श, सलाह (4)।
17. विद्या की देवी को यह भी कहते हैं (3)। 19. नहीं, वोट (2)।

कल का हल

प[1]	व[2]	न		क[3]	ला	म[4]			सा[5]
	सी		दि[6]			हा[7]	था	पा	ई
	य		ल			व			स
स[8]	त	ल	ज		र[9]	त	ज	गा	
म			लो[10]	ल[11]	च				जं[12]
ग्र				प[13]	ना	ह[14]			ह
	झ[15]	ट	प[16]	ट		म[17]	झ	धा[18]	र
ई[19]			धा			द		र	
ध[20]	रो	ह	र			म		दा	
न			नी[21]	य	क		है[22]	र	ण

सुडोकू-3318

6		4	3		1	7		2
	9		4				3	
5					6			8
		6	1		9	2		
1	2				8			3
		3	2				1	
2					4	3		5
	7		8	9				
3		8		2		4		9

कल का हल

1	7	8	2	4	3	9	5	6
2	4	3	9	5	6	1	8	7
6	9	5	8	7	1	2	4	3
5	2	7	4	9	8	6	3	1
3	6	4	7	1	2	8	9	5
8	1	9	3	6	5	7	2	4
9	3	1	6	8	4	5	7	2
7	5	2	1	3	9	4	6	8
4	8	6	5	2	7	3	1	9

राष्ट्रीय फलक

महिला को दबोच ले गया तेंदुआ, ग्रामीणों ने वनकर्मियों को दौड़ाया

जासं, लखीमपुर

- दुधवा नेशनल पार्क के निकट लखीमपुर में घर के बाहर सो रही थी महिला
- रातभर चली एसडीएम से वार्ता के दौरान तैनात रही छह थानों की फोर्स

दुधवा नेशनल पार्क के बफरजोन में तेंदुए आम जनजीवन के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। यूपी में लखीमपुर के सहिजना गांव में एक तेंदुआ रात में घर के बाहर चारपाई पर सो रही 30 वर्षीय संध्या देवी का गला दबोचकर 50 मीटर दूर खेत में ले गया। महिला की चीख सुनकर खेत में सिंचाई कर रहे ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक तेंदुआ संध्या देवी को मार चुका था।

घटना के दो घंटे बाद रेंजर भूपेंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे और यह कहकर ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ा दिया कि महिला को तेंदुए ने नहीं मारा है। इस पर ग्रामीण भड़क गए और रेंजर का घेराव कर लिया। रेंजर के साथ हाथापाई की गई। वनकर्मियों को ग्रामीणों ने दौड़ा लिया। किसी तरह रेंजर को पुलिस की गाड़ी से उनके कार्यालय भिजवाया गया। ग्रामीणों का हंगामा बढ़ते देख रात में ही छह थानों की पुलिस फोर्स बुला ली गई। ग्रामीणों के साथ सुलहनामे पर एसडीएम सहित अधिकारियों के हस्ताक्षर होने के बाद सुबह चार बजे शव पोस्टमार्टम के लिए प्रशासन को सौंपा गया। यह घटना बेलरायां रेंज के सहिजना गांव की है। रात करीब पौने 11 बजे संध्या देवी गर्मी के चलते घर के बाहर सो रही थीं। तभी तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया और गले से दबोचकर केले के खेत में खींच ले गया। शोर सुनकर तेंदुआ शव छोड़कर भाग गया। द

दुधवा टाइगर रिजर्व की उप निदेशक कीर्ति चौधरी ने बताया कि पूरे डिवीजन में आठ पिंजरे लगाए गए हैं। सहिजना गांव के पास तेंदुए के मूवमेंट की रिपोर्ट नहीं थी। फिलहाल मौके पर तीन पिंजरे लगाए गए हैं और वनकर्मियों को सतर्क किया गया है।

अहमदाबाद में मिली लिथोग्राफी प्रिंटेड 200 वर्ष पुरानी रामायण की पांडुलिपि

लवलेश कुमार मिश्र • जागरण

अयोध्या : भगवान श्रीराम व रामायण से संबंधित पांडुलिपियों को संरक्षित व संग्रहीत करने के लिए देशभर में चल रहा 'पांडुलिपि संरक्षण यज्ञ' पूर्णता को प्राप्त करने लगा है। अब अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय को अहमदाबाद से रामायण की ऐसी प्राचीन पांडुलिपि को संरक्षित करने का प्रस्ताव मिला है, जो न केवल 18वीं शताब्दी की है, बल्कि इस हस्तलिखित पांडुलिपि की छपाई लिथोग्राफी के माध्यम से हुई है। दो सौ वर्ष पुरानी पांडुलिपि की प्राचीनता का परीक्षण करा कर संग्रहालय इसे स्वीकार करेगा। इसी क्रम में लखनऊ के एक वृद्ध ने भी डेढ़ सौ वर्ष पुरानी मानस उपलब्ध होने का दावा करते हुए संरक्षित करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली की ओर से चलाए जा रहे अभियान के

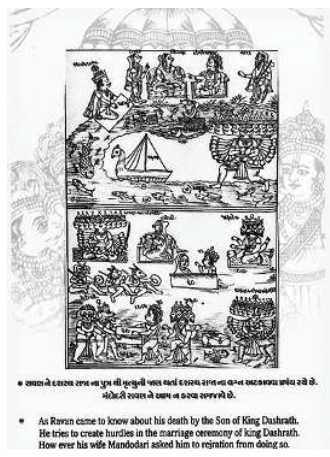

As Ravan came to know about his death by the Son of King Dashrath. He tries to create hurdles in the marriage ceremony of king Dashrath. However his wife Mandodari asked him to rejration from doing so.

अहमदाबाद में मिली लिथोग्राफी प्रिंटेड रामायण की प्रतिलिपि। सौ. संग्रहालय

अंतर्गत रामकथा संग्रहालय के रिपोजिटरी सेंटर (संग्रहण केंद्र) को अहमदाबाद निवासी महेश पांड्या ने पांडुलिपि देने का प्रस्ताव दिया है। संग्रहण केंद्र के समन्वयक व रामकथा संग्रहालय के निदेशक डा. संजीव कुमार सिंह ने बताया कि महेश पांड्या ने उनसे वाट्सएप पर संपर्क करके अपने पास 200 वर्ष पुरानी हस्तलिखित रामायण को संरक्षित करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया है कि उक्त पुस्तक की छपाई लिथोग्राफी विधा से हुई है, जिस पर गुजराती व अंग्रेजी भाषा में चौपाई, दोहे व श्लोक लिखित हैं। डा. सिंह ने कहा कि लिथोग्राफी विधा देश में 1856 के आसपास प्रचलन में आई थी। यदि उनका दावा सत्य है तो वह पांडुलिपि दो सौ से ढाई सौ वर्ष तक प्राचीन हो सकती है। कुमारगंज के जंगजीत सिंह की 300 वर्ष पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपि के संबंध में निर्णय हो जाने के पश्चात महेश पांड्या से संपर्क करके उनकी पुस्तक को भी स्वीकार करने की दिशा में कार्यवाही की जाएगी।

केक लगाने पर विवाद, भाजपा नेता के दो चचेरे भाई और भतीजे की हत्या

जागरण संवाददाता, खुर्जा (बुलंदशहर)

- खुर्जा के आरजेएस जिम में शनिवार आधी रात को हुई घटना

बर्थडे पार्टी में मुंह पर केक लगाने के विवाद में भाजपा नेता के दो चचेरे भाइयों और एक भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शनिवार देर रात आरजेएस जिम में पार्टी आयोजित की गई थी। आरोपित जिम में लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी लेकर चले गए। मामले में 10 आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आठ टीमें लगाई गई हैं।

मृतकों की पहचान भाजपा के पूर्व सभासद संजय सैनी के भतीजे आकाश व चचेरे भाई अमरदीप और मनीष के रूप में हुई है। भाजपा नेता संजय सैनी ने बताया कि उनके चाचा सरूप सैनी का 32 वर्षीय बेटा अमरदीप जिम जाता था। वहां उसकी दोस्ती जीतू सैनी से हो गई। शनिवार को जीतू का जन्मदिन था और रात करीब साढ़े 11 बजे जिम में बर्थडे पार्टी आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 15 लोग शामिल थे। जीतू को केक लगाने के दौरान अमरदीप और मयंक के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान अमरदीप ने अपने चाचा के बेटे 30 वर्षीय मनीष व 19 वर्षीय भतीजे आकाश को फोन कर बुला लिया। उधर, मयंक ने भी जिम से बाहर निकलकर अपने साथियों को पिस्टल व अन्य हथियार लेकर बुला लिया। उन्होंने आते ही अमरदीप, मनीष और आकाश पर ताबड़तोड फायरिंग कर दी। सिर में गोली लगने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को खुर्जा के कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई। मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर और डीआइजी कलानिधि नैथानी ने पहुंचकर जांच की।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

आजकल

14

सोमवार, 27 अप्रैल, 2026

www.jagran.com

दक्षिण अफ्रीका में पहली बार हुए लोकतांत्रिक चुनाव

1994 में आज ही दक्षिण अफ्रीका में पहली बार लोकतांत्रिक चुनाव आयोजित किए गए थे, जो रंगभेद प्रणाली के अंत का प्रतीक बने। चुनावों के बाद नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। दक्षिण अफ्रीका में यह दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सुपरजंबो एयरबस ए380 ने भरी पहली उड़ान

दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान एयरबस ए380 ने 2005 में आज ही फ्रांस के टूलूज से अपनी पहली उड़ान भरी थी। बोइंग 747 के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए बनाया गया विमान दो मंजिला है, और एक बार में 500 से अधिक यात्रियों को ले जाने में सक्षम है।

जोहरा सहगल ने 90 वर्ष की उम्र के बाद भी निभाईं यादगार भूमिकाएं

जोहरा मुमताज सहगल का जन्म 1912 में आज ही संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के रामपुर में हुआ था। करियर की शुरुआत 20वीं सदी के तीसरे दशक में प्रसिद्ध नर्तक उदय शंकर के साथ एक अंतरराष्ट्रीय नृत्यांगना के रूप में की थी। बाद में इप्टा और पृथ्वी थिएटर से जुड़ीं और अभिनय की बारीकियां सीखीं। 90 वर्ष की आयु के बाद भी चीनी कम और सावरिया जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। 2010 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। जिंदादिली की मिसाल जोहरा सहगल का 10 जुलाई, 2014 को 102 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

हाईग्रेड फीवर के बड़े कारण बन रहे तीन वायरस-बैक्टीरिया

अध्ययन ▶ ईग्रेड फीवर और एईएस में स्क्रब टायफस, लैप्टोस्पायरा व डेंगू संक्रमितों की संख्या सबसे ज्यादा मिली

पूर्वी उप्र के 14 जिलों से लिए गए थे नमूने, लंदन के इंफेक्शियस डिजीज जर्नल ने किया है प्रकाशित

गजाधर द्विवेदी ● जागरण

> अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि हमें स्क्रब टायफस, लैप्टोस्पायरोसिस और डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देना होगा। इसमें जागरूकता सबसे बड़ा हथियार बन सकती है।
> **- डा. हरिशंकर जोशी, निदेशक आरएमआरसी**

> समय पर पहचान, उचित उपचार और प्रभावी रोकथाम रणनीतियों के जरिए इन बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह अध्ययन सतर्क रहने का संदेश देता है।
> **- डा. गौरवराज द्विवेदी, वायरोलाजिस्ट आरएमआरसी**

गोरखपुर : पूर्वी उत्तर प्रदेश में हाईग्रेड फीवर और एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामलों को लेकर एक महत्वपूर्ण अध्ययन सामने आया है, जिसने इन गंभीर बीमारियों के प्रमुख कारणों की पहचान की है। क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) द्वारा किए गए इस अध्ययन में तीन वायरस-बैक्टीरिया को इन बीमारियों का सबसे बड़ा कारण बताया गया है।

अध्ययन के अनुसार, हाईग्रेड फीवर (एक्यूट फेब्राइल इलनेस) और एईएस के मामलों में सबसे अधिक जिम्मेदार बैक्टीरिया ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी पाया गया है, जो स्क्रब टायफस का कारण बनता है। शोध में शामिल 3340 हाईग्रेड फीवर के नमूनों में से 606 तथा 373 एईएस नमूनों में से 107 इस बैक्टीरिया से संक्रमित पाए गए। यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि स्क्रब टायफस इस क्षेत्र में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। दूसरे स्थान पर बैक्टीरिया लैप्टोस्पायरा रहा, जो लैप्टोस्पायरोसिस बीमारी का कारण बनता है। अध्ययन में हाईग्रेड फीवर के 266 और एईएस के 11 नमूने इस बैक्टीरिया से संक्रमित पाए गए। तीसरे प्रमुख कारण के रूप में डेंगू वायरस सामने आया है, जिसने हाईग्रेड फीवर के 275 और एईएस के 15 मामलों को प्रभावित किया। इन तीनों के अलावा चिकनगुनिया के भी कुछ मामले सामने आए हैं। यह अध्ययन अप्रैल, 2022 से मार्च, 2024 के बीच किया गया, जिसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर, गोंडा, बस्ती, आंबेडकर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, संत कबीर नगर और गाजीपुर आदि जिलों के अस्पतालों से नमूने एकत्र किए गए। इसमें गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल तथा सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल रहे।

शोध के निष्कर्षों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली है, इसे लंदन की प्रतिष्ठित इंफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन की टीम में डा. हरिशंकर जोशी, डा. गौरवराज द्विवेदी, डा. पूजा भारद्वाज, डा. रीतेश कुमार, डा. एसबी बेहरा, डा. नलिनी मिश्रा, डा. राजीव सिंह, डा. कृष्ण कुमार पांडेय, डा. रजनीकांत, डा. मनोज मुरेकर, इंबेसात फात्मा, आशुतोष तिवारी, मोनी कुमारी, ऐश्वर्या शुक्ला, सोनल राजपूत, निर्भय सिंह शामिल रहे।

महारानी गायत्री देवी के ऐतिहासिक सुपरकंप्यूटर की ब्रिटेन में होगी नीलामी

लंदन, प्रेट्र : जयपुर की महारानी गायत्री देवी के संग्रह से मिले पीतल से बने खगोलीय सुपरकंप्यूटर (एस्ट्रोलैब) को अगले सप्ताह लंदन में सोथबी नीलामीघर में बुधवार को नीलाम किया जाएगा। इसे इस सप्ताहांत प्रदर्शित किया गया था और इसकी अनुमानित कीमत 15 से 25 लाख पौंड के बीच है।

वर्ष 1612 का यह सुपरकंप्यूटर अपनी तरह का सबसे बड़ा कंप्यूटर माना जाता था और इसे दो भाइयों कैम मुहम्मद और मुहम्मद मुकीम ने बनाया था। यह महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय के शाही संग्रह का हिस्सा था और बाद में उनकी पत्नी गायत्री देवी के पास रहा और फिर निजी संग्रह में चला गया। गायत्री देवी जयपुर की राजमाता थीं।

इसे सरदार आगा अफजल ने बनवाया था, जो मुगल साम्राज्य के सरदार थे और उस समय सम्राट जहांगीर के अधीन लाहौर का प्रशासन संभाल रहे थे। यह पीतल का बना हुआ खगोलीय यंत्र अत्यंत जटिल और सटीक है. इस सुपरकंप्यूटर में 94 शहरों का देशांतर और अक्षांश सहित विवरण अंकित है, पांच प्लेटें हैं और डिग्री का विभाजन बेहद बारीक है। इस 'एस्ट्रोलैब' पर तारों के फारसी नाम और देवनागरी लिपि में संस्कृत नाम अंकित हैं, साथ ही मक्का, बीजापुर, अजमेर, कश्मीर और लाहौर के स्थानों को दर्शाने वाली पट्टियां भी हैं।

महारानी गायत्री देवी का ऐतिहासिक सुपरकंप्यूटर। प्रेट्र

इधर-उधर

69 की उम्र में बनीं सबसे उम्रदराज यूनिसाइकिल राइडर

लिंडा जेरेट ने तो अपना ही वर्ल्ड रिकार्ड ● इंटरनेट मीडिया

न्यूयार्क, एजेंसी : कैलिफोर्निया की 69 साल और 189 दिन की उम्र में लिंडा जेरेट ने एक पहिए वाली साइकिल (यूनिसाइकिल) पर ऐसा संतुलन दिखाया कि दुनिया दंग रह गई। हाल ही में उन्होंने अपना ही गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड तोड़कर सबसे उम्रदराज महिला यूनिसाइकिल राइडर का खिताब बरकरार रखा। लिंडा को यह साइकिल उनके पिता ने 13वें जन्मदिन पर दी थी। मई में 70 साल की होने जा रही लिंडा की नजर अब एक नए रिकार्ड पर है।

हादसे ने छीने दोनों हाथ, जटिल प्रत्यारोपण सर्जरी से महिला को मिला नया जीवन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ सर गंगा राम अस्पताल में ब्रेन-डेड डोनर के स्वजन की सहमति से अंगदान के बाद हो सकी जटिल सर्जरी

▶ करीब 12 घंटे तक चली इस अत्यंत जटिल प्रक्रिया में दोनों हाथों का किया गया सफल प्रत्यारोपण

चारा काटने वाली मशीन से हुए एक दर्दनाक हादसे में अपने दोनों हाथ गंवाने के बाद एक युवा महिला का जीवन पूरी तरह बदल गया था। वह रोजमर्रा के छोटे-छोटे कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो गई थी, जिससे उसकी स्वतंत्रता और आत्मसम्मान पर गहरा असर पड़ा। लंबे संघर्ष के बाद उसके जीवन में नई उम्मीद तब जगी, जब उसे हाथ प्रत्यारोपण का विकल्प मिला। राजधानी के सर गंगा राम अस्पताल में ब्रेन-डेड डोनर व्यक्ति के स्वजन की सहमति से अंगदान के बाद यह जटिल सर्जरी हो सकी। करीब 12 घंटे तक चली इस अत्यंत जटिल प्रक्रिया में दोनों हाथों का सफल प्रत्यारोपण किया गया।

इसमें दाहिना हाथ सुप्राकान्डिलर स्तर पर तथा बायां हाथ डिस्टल फोरआर्म स्तर पर सफलतापूर्वक जोड़ा गया। डाक्टरों ने इस दौरान नसों, मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को सूक्ष्म तकनीक से पुनः जोड़ा। अस्पताल में शामिल विशेषज्ञ टीम में डा. महेश मंगल, डा. अनुभव गुप्ता, डा. भीम नंदा और डा. निखिल झुनझुनवाला शामिल रहे।

सर गंगाराम अस्पताल में महिला के दोनों हाथों का आपरेशन करने के बाद आपरेशन करने वाले चिकित्सक और उनकी टीम : सौजन्य अस्पताल

डा. महेश मंगल ने कहा कि यह द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण पुनर्निर्माण माइक्रोसर्जरी की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक है, जो गंभीर रूप से अंग-विहीन मरीजों को नया जीवन देने की क्षमता रखती है। डा. अनुभव गुप्ता के अनुसार यह केवल सर्जरी नहीं, बल्कि अत्यंत सटीक और समय निर्धारित प्रक्रिया थी, जिसका उद्देश्य मरीज को गरिमा और कार्यक्षमता वापस दिलाना है।

डा. भीम नंदा ने बताया कि लंबे समय तक इस्कीमिया के दौरान ऊतकों की जीवंतता बनाए रखना और रक्त प्रवाह बहाल करने से पहले स्थिर फिक्सेशन इस सर्जरी के सबसे चुनौतीपूर्ण चरण थे। वहीं डा. निखिल झुनझुनवाला ने कहा कि आपरेशन के बाद इम्यूनोसप्रेशन, पुनर्वास और फिजियोथेरेपी मरीज की दीर्घकालिक रिकवरी में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। अस्पताल ने बताया कि यह सफलता प्लास्टिक सर्जरी, आर्थोपेडिक्स, एनेस्थीसिया, नेफ्रोलाजी, न्यूरोलाजी, साइकियाट्री, पैथोलाजी, जेनेटिक्स, फिजियोथेरेपी और इंटेंसिव केयर सहित कई विभागों के समन्वित प्रयास से संभव हो सकी। अस्पताल प्रशासन ने डोनर और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निस्वार्थ निर्णय ने एक जीवन को फिर से उम्मीद, आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीने का अवसर दिया है।

गंभीर मानसिक बीमारियों की दवाओं के निर्माण में कदम बढ़ाए

अनुसंधान

पिछले दिनों यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि वह गंभीर मानसिक बीमारियों के लिए नए उपचारों के विकास को तेज करने के लिए कदम उठा रहा है, जो पिछले सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित एक कार्यकारी आदेश के बाद किया जा रहा है। ट्रंप ने 18 अप्रैल को कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें संघीय सरकार को चिकित्सा उपचार के रूप में साइकेडेलिक दवाओं के विकास को तेज करने का निर्देश दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य डिप्रेशन, पीटीएसडी और मादक द्रव्यों की लत जैसी गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए नए और प्रभावी विकल्प जल्दी उपलब्ध कराना है। गौरतलब है कि अमेरिका में आत्महत्या की दर दुनिया के कई देशों से अधिक है। एफडीए के आयुक्त मार्टी मकरी ने एक बयान में कहा कि ये दवाएं देश की मानसिक स्वास्थ्य संकट को संबोधित करने की क्षमता रखती हैं, जिसमें उपचार प्रतिरोधी अवसाद, शराब की लत और अन्य गंभीर मानसिक स्वास्थ्य व मादक पदार्थ दुरुपयोग की स्थितियां शामिल हैं। एफडीए ने सरोटोनिन-2ए एगोनिस्ट और संबंधित साइकेडेलिक आधारित उपचारों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। इन दवाओं को 'ब्रेकथ्रू थेरेपी' के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है। एफडीए ने कहा कि वह साइकेडेलिक उपचार विकसित करने वाली तीन कंपनियों को प्राथमिकता वाउचर जारी करेगा। (रायटर)

स्क्रीन शाट

फिर भी लोगों का प्यार देखकर खुशी हुई : अनन्या पांडे

फिल्म चांद मेरा दिल में दिखेंगी अनन्या। फाइल

अभिनेत्री अनन्या पांडे फिलहाल काफी व्यस्त हैं। हालांकि साल 2019 में प्रदर्शित उनकी पहली फिल्म स्टूडेंट आफ द ईयर 2 टिकट खिड़की पर सफल नहीं रही थी। अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या फिल्म के परिणामों से परे, इससे अपने आप को मिले प्यार से संतुष्ट हैं। वह कहती हैं, 'ईमानदारी से कहूं तो जब स्टूडेंट आफ द ईयर 2 आई थी तो इसी बात से खुश थी कि मैं फिल्म में हूं। वह मेरी पहली फिल्म थी, मैं पहली बार किसी फिल्म के सेट का इतने करीब से अनुभव कर रही थी। मेरे पिता अभिनेता हैं, फिर भी मुझे कभी किसी फिल्म के सेट पर नहीं लेकर गए। शाट्स के बीच तो टाइगर मुझे इधर-उधर खिसकाते रहते थे कि सही लाइट्स और कैमरा एंगल में कैसे आना है। मेरे लिए तो एक ही बार सीन करने का मतलब कि वो सीन हो गया, लेकिन ऐसा नहीं था। लोग बोलते कि अब क्लोजअप लगेगा, अब दूसरा शाट लिया जाएगा। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी पहली फिल्म मेरे लिए सीखने का एक मंच रही। फिल्म का परिणाम चाहे जो हुए हो, लेकिन मैंने उस फिल्म में अपने लिए दर्शकों से बहुत प्यार महसूस किया। जब फिल्म रिलीज हुई तो हमने देखा कि एक थिएटर में सभी लोग टाइगर का नाम तो चिल्ला ही रहे थे, उसके साथ, मेरा नाम भी ले रहे थे। वो सुनकर मुझे बड़ी खुशी हुई।'

पैसे कमाने के लिए कुछ भी नहीं शुरू कर सकता हूं

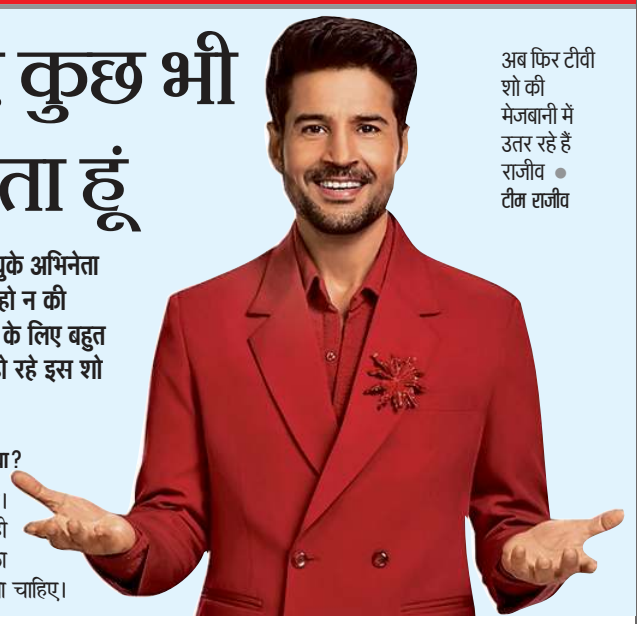

अब फिर टीवी शो की मेजबानी में उतर रहे हैं राजीव ● टीम राजीव

सात सवाल

टीवी पर कई रियलिटी शो की मेजबानी कर चुके अभिनेता राजीव खंडेलवाल अब सोनी टीवी के शो तुम हो न की मेजबानी करेंगे। उनका कहना है कि मेजबानी के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है। 28 अप्रैल से आरंभ हो रहे इस शो और अन्य मुद्दों पर राजीव ने की बातचीत:

● आपने पहले भी रियलिटी शोज की मेजबानी की हैं, इस बार क्या पसंद आया?

-मुझे हमेशा लगता था कि मैंने टीवी के दर्शकों के लिए कम काम किया है। इंतजार में था कि टीवी के लिए कुछ करूं, लेकिन मेरे पास डेली सोप ही ज्यादा आ रहे थे। इस शो का कांसेप्ट नया था। शो पर उन महिलाओं का जश्न मनाया जाएगा, जिनके काम को उतना महत्व नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए।

● कोई ऐसी महिला प्रशंसक रही है, जो आपको याद रह गई?

-मैं उनके बारे में बात नहीं करता। मुझे लगता है कि अगर उनका जिक्र करूंगा, तो लगेगा की उनकी बात दुनिया को सुना रहा हूं। अब की बात भी करूं, तो कई प्यारी ईमेल होती है। कई बार लगता है फोन करूं या ना करूं, फिर भी उनकी दुआएं तो रहती हैं।

● शो होस्ट करने की चुनौतियां क्या होती हैं?

-सबसे पहले दिमाग में यही होता है कि कैमरे कितने हैं। होस्ट करने से पहले नर्वसनेस होती है। वहां दर्शक होते हैं, उस पल में खुद को प्रेजेंट यानी मौजूद रखना होता है। इस तरह के शो में कोई स्क्रिप्ट नहीं होती है। बहुत तैयारी करनी पड़ती है। शो में चार राउंड हैं, जिसमें चार खेल होते हैं। उसके बीच बातें करता हूं। कई बार भावनाएं बाहर आ जाती हैं, आंसू भी निकल आते हैं। अलग-अलग उम्र व जगहों से आई हुई महिलाओं से मिलना भी अवार्ड जैसा लगता है।

● हर किसी की सुपरस्टार उसकी मां होती है। मां की किन बातों ने आपको जमीन से जोड़े रखा है?

-जब मां नहीं होती है तो कई बातें याद आती हैं। अफसोस होता है कि जो तारीफें अब करता हूं, काश तब करता। तब ऐसा लगता था कि मम्मी तो हमेशा रहेंगी। हम तीन भाई हैं। मां हमें तैयार करके स्कूल भेजती थीं, टिफिन बनाती थीं। गलती होने पर पिटाई भी कर देती थीं। मां के साथ ज्यादा समय बिताया है, पिता के साथ कम, क्योंकि पापा आर्मी में थे। वह छुट्टियों में ही आ पाते थे। मेरी मम्मी बहुत सुंदर थीं, लेकिन यह बात कभी उनके स्वभाव में नहीं दिखी। अगर मैं जमीन से जुड़ा हूं, तो उसमें मेरी मां का बड़ा हाथ है।

● अगर आपको सुपर पावर दी जाए, तो महिलाओं के लिए क्या बदलना चाहेंगे?

-मैं निगेटिविटी बदलना चाहूंगा। उसके लिए बहुत चीजें करना चाहूंगा। कहना चाहूंगा कि यहां पर, इस दुनिया में हमारे पास बहुत सीमित समय है। इसमें क्या करना चाहिए, उसके बारे में सोचें। लड़कर, गिले शिकवे पाल के अपना समय व्यर्थ करना है या नहीं, यह आपको सोच-समझकर चुनना है।

● एक समय में आप एक ही प्रोजेक्ट करते आए हैं। यह सोचा समझा फैसला था?

-मुझे लगता है कि जिंदगी ही आपको सिखाती है। पहला शो कहीं तो होगा जब कर रहा था, तो इतना प्यार मिल रहा था कि लोग भूलने नहीं दे रहे हैं कि आप सूजल नहीं। मुझे खुद को याद दिलाना पड़ता था कि तुम राजीव हो। वो करने के लिए मुझे ब्रेक लेना पड़ा, ताकि मैं भटक ना जाऊं। पहले ही शो ने इतना प्रसिद्ध कर दिया था कि मेरी भूख बढ़ गई। फिर ऐसा लगने लगा कि ऐसा कुछ न करूं कि वह यह कहे कि हमने गलत आदमी से प्यार किया। इंटरनेट मीडिया पर मैं कुछ भी पोस्ट नहीं कर देता हूं। पैसे कमाने के लिए कुछ भी नहीं शुरू कर सकता हूं।

● टीवी एक्टर को नेशनल अवार्ड देने की मुहिम चल रही है....

-बिल्कुल देना चाहिए। यह कला को सम्मान देना होगा। फिल्मों में 25-25 रीटेक होते हैं, डायलाग डब भी होते हैं। टीवी पर ऐसा नहीं होता है। टीवी पर कलाकार मेहनत ज्यादा करते हैं, यहां रोज दर्शकों का मनोरंजन करना होता है। मेरा मानना है कि थिएटर कलाकारों को अवार्ड मिलना चाहिए। **(स्मिता श्रीवास्तव)**

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पदार्पण से पहले ही अमीषा ने अक्षय व फरदीन की फिल्मों को किया था इन्कार

गदर और हमराज फिल्मों की अभिनेत्री अमीषा पटेल ने यूं तो साल 2000 में प्रदर्शित फिल्म कहो ना... प्यार है से अभिनेता रितिक रोशन के साथ हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया था। हालांकि, अमीषा को इससे पहले भी फिल्मों के आफर आ चुके थे, वो भी अक्षय खन्ना और फरदीन खान की फिल्मों के, जिसे उन्होंने नकार दिया था। अमीषा के अनुसार साल 1997 में प्रदर्शित फिल्म हिमालय पुत्र का प्रस्ताव उन्हें अक्षय खन्ना के पिता तथा अभिनेता विनोद खन्ना ने दिया था। अमीषा का कहना है कि मैं उस समय बोस्टन (अमेरिका) में पढ़ाई कर रही थी। मेरे मना करने से पहले मेरे मम्मी डैडी ने ही उन्हें (विनोद खन्ना) मना कर दिया था। उन्होंने इतना सूचित किया था कि देखो आपके लिए एक ऐसा आफर आया था, लेकिन हमने उसे मना कर दिया, क्योंकि हम पढ़ाई में कोई बाधा नहीं डालना चाहते हैं। मैं तो अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई कर रही थी। मैं कभी फिल्मों के बारे में पढ़ने अमेरिका नहीं गई। हिमालय पुत्र के बाद फरदीन खान (अभिनेता) के साथ फिरोज अंकल (फिल्मकार और अभिनेता फिरोज खान) ने फिल्म प्रेम अगन आफर की थी।

अपने लिए कुछ अच्छे अवसर देख रही हैं अमीषा। फाइल

आवारापन 2 को लेकर बोले मोहित सूरी, मुझसे फिल्म के बारे में पूछा ही नहीं गया

फिल्मकार मोहित सूरी और अभिनेता इमरान हाशमी ने एक साथ करीब आठ फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों में साल 2007 में प्रदर्शित फिल्म आवारापन भी थी। अब फिल्म के निर्माता मुकेश भट्ट ने अपने प्रोडक्शन हाउस विशेष फिल्म्स के बैनर तले इस फिल्म की सीक्वल आवारापन 2 बनाई है। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 14 अगस्त को प्रदर्शित किया जाना है। मूल फिल्म के निर्देशक मोहित ने सीक्वल का निर्देशन न करने को लेकर अपना पक्ष रखा है। मोहित ने कहा, 'मुझसे पहले इस निर्देशन को लेकर कभी पूछा ही नहीं गया था। यही बात है। ऐसी बात नहीं है कि वो मेरे साथ काम करना चाहते थे। मैं तो इमरान के साथ बिना कुछ सोचे समझे भी काम करने के लिए तैयार हूं। मैं उनके साथ आठ फिल्में कर चुका हूं। वह मुझे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए मुझे उन्हें एक बहुत दमदार रोल देना होगा। मैं उन्हें ऐसा कोई भी रोल करने के लिए नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हम दोनों का साथ काम करना, उनसे ज्यादा मेरे लिए फायदे की बात होगी।' मोहित सैयारा के बाद अहान पांडे और अनीत पड्डा के साथ एक और फिल्म बना रहे हैं।

मोहित ने किया था मूल फिल्म आवारापन को निर्देशित। टीम मोहित

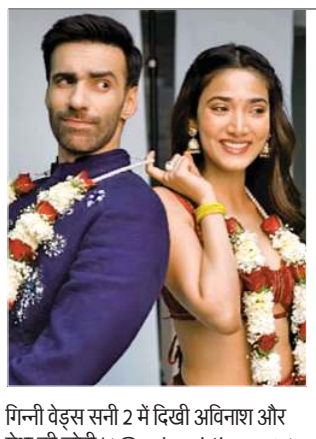

गिन्नी वेड्स सनी 2 में दिखी अविनाश और मेधा की जोड़ी। (@avinashtiwary15)

फुस्स रही गिन्नी वेड्स सनी 2, माइकल बना रही पकड़

साल 2020 में प्रदर्शित यामी गौतम और विक्रांत मेस्सी अभिनीत फिल्म गिन्नी वेड्स सनी डिजिटल प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई थी। उसके बाद निर्माता विनोद बच्चन ने अभिनेता अविनाश तिवारी और अभिनेत्री मेधा राणा के साथ इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 बनाई, जो कि इस शुक्रवार सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। हालांकि, यह फिल्म टिकट खिड़की पर फुस्स साबित हुई। शुक्रवार को इस फिल्म के सिर्फ 20 लाख रुपये की ओपनिंग मिली। दूसरे दिन यानी शनिवार को इस फिल्म ने 40 लाख रुपये कमाए। इस तरह से पहले दो दिनों में फिल्म की कमाई सिर्फ 60 लाख रुपये रही। वहीं इस शुक्रवार प्रदर्शित हुई हालीवुड फिल्म माइकल टिकट खिड़की पर पकड़ बना रही है। किंग आफ पाप के तौर पर प्रख्यात माइकल जैक्सन की इस बायोपिक फिल्म को शुक्रवार को भारत में 3.7 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। इससे पहले पेड प्रीव्यू से फिल्म ने 1.7 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन शनिवार को भारत में 5.1 करोड़ की कमाई के साथ फिल्म पहले दो दिनों में भारत में कुल 10.5 करोड़ रुपये कमा चुकी है। वहीं अक्षय अभिनीत फिल्म भूत बंगला शनिवार को 10 करोड़ की कमाई के साथ नौ दिनों में 110.55 करोड़ कमा चुकी है।

काजोल ने माना, मुश्किल था बेटी निसा को संभालना

बाल्यावस्था से किशोरावस्था में प्रवेश करते समय बच्चों की सोच, रहन-सहन और व्यवहार में बदलाव के कारण अक्सर माता-पिता के लिए उन्हें संभाल पाना आसान नहीं होता है। हिंदी सिनेमा में बीते तीन दशकों से भी ज्यादा समय से सक्रिय अभिनेत्री काजोल के लिए भी उनकी बेटी निसा देवगन के साथ ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। काजोल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी 23 वर्षीय बेटी निसा के पालन-पोषण को लेकर कहा, 'मैं उससे बहुत बातें करती हूं। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे हमें बनाना था। वह 12 साल की थी और हार्मोंस में बदलाव हुए। हम लड़ रहे थे और हम दोनों कभी-कभी अतार्किक और अप्रासंगिक हो जाते थे। बड़ी होने के नाते मैंने सोचा कि मुझे थोड़ा और समझदार होना चाहिए। मैंने तय किया कि मैं उससे ज्यादा नहीं लड़ूंगी, मैं उससे बात करने की कोशिश करूंगी। जब तक वह मेरी बात सुनना शुरू न कर दे, मैं उससे जितना हो सके उतनी बात करूंगी।' आगे काजोल ने कहा कि इस पर हम दोनों ने लगभग तीन साल तक संघर्ष किया। हम दोनों एक दूसरे की बात नहीं सुनना चाहते थे, न ही बात करना चाहते थे। हालांकि, आखिरकार बात बन गई, हमारे बीच लंबी बातचीत हुई। फिर मुझे अहसास हुआ कि यह विषय सिर्फ बैठकर उसकी बातें ज्यादा सुनने का था। इससे सबसे बड़ा फर्क पड़ा। यही मेरी सबसे बड़ी सीख थी। काजोल आगामी दिनों में फिल्म महारागिनी : क्वीन आफ क्वींस में नजर आएंगी।

निसा के साथ खूब बातें करती हैं काजोल